RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:292। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 13 जून 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

फिनलैंड राष्ट्रपति स्टब ने भारत को बताया 'प्रभावशाली देश'

जयशंकर के साथ वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

हेलसिंकी । फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत को वैश्विक मंच पर एक 'प्रभावशाली देश' बताया और कहा कि नई दिल्ली की राय को सुनना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह बात हेलसिंकी में हुए 'कुलतारना टॉक्स' के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मुलाकात के दौरान कही। मुलाकात के बाद स्टब ने 'एक्?स' पर लिखा, 'आज हमने कुलतारना में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। हमने मध्य पूर्व और फारस की खाड़ी की स्थिति, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों और आने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन पर चर्चा की। भारत एक प्रभावशाली देश है, जिसकी राय सुनना बहुत महत्वपूर्ण है। ' दोनों नेताओं ने बदलती

वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और इस बात पर जोर दिया कि आज के अनिश्चित माहौल में कूटनीति बहुत जरूरी है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी इस मुलाकात की जानकारी 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, 'कुलतारना वार्ता के मौके पर फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब से मिलकर खुशी हुई। हमने बदलती वैश्विक स्थिति पर विचार साझा किए और इस बात पर जोर दिया कि इस अनिश्चित दुनिया में कूटनीति कितनी जरूरी है। ' उन्होंने कहा, 'भारत और फिनलैंड अपनी रणनीतिक साझेदारी को डिजिटल तकनीक और सतत विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और साझा हितों के मुद्दों पर बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। '

विदेश मंत्री जयशंकर ने फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और यूएई की विदेश राज्य मंत्री लाना नुसेबेह के साथ 'उभरती शक्तियां और नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा' विषय पर चर्चा में भी हिस्सा लिया। इस चर्चा में उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे संघर्षों की वजह से असर सिर्फ उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर कोशिश करनी चाहिए कि इन संघर्षों के असर को कम किया जाए और बातचीत के जरिए समाधान का माहौल बने। उन्होंने कहा कि सप्लाई चेन को ज्यादा मजबूत और विविध बनाना जरूरी है, ताकि दुनिया किसी एक स्रोत पर निर्भर न रहे। जयशंकर ने यह भी दोहराया कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह राष्ट्रीय हितों पर आधारित है, और देश अपनी जरूरत के हिसाब से सस्ती और उपलब्ध ऊर्जा खरीदता है।

'चुनावी प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकते'

मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से झटका, राज्यसभा नामांकन रद्द मामले में याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन नामांकन रद होने के बाद कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में 'याचिका लगाई थी। याचिका में कांग्रेस ने चुनाव अधिकारी (RO) द्वारा नामांकन पत्र खारिज किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं और इसे खारिज किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सकती हैं।

क्या था याचिका में?

मीनाक्षी नटराजन की ओर से पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि संबंधित मामले में अभी तक आरोप तय नहीं हुए हैं, जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (RoP Act) के तहत नामांकन रद करने के लिए आरोपों का तय होना एक अनिवार्य शर्त है। ऐसे में जब आरोप तय नहीं है तो नामांकन कैसे रद हुआ? इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने वकील सिंघवी से ऐसा कोई फैसला दिखाने को कहा जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नामांकन प्रक्रिया के बाद रिटर्निंग ऑफिसर के आदेश को रद किया हो और नामांकन स्वीकार किया हो। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि जब किसी मामले (जैसे कि मौजूदा मामले) में तथ्य सामने आएंगे, तो कोर्ट कानून लागू करेगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने पर मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन ने कहा, 'यह कोई व्यक्तिगत झटका नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र और संविधान के लिए एक झटका है... मैंने शुरू में ही कहा था कि चुनाव आयोग के सदस्य प्रभावित थे। जब हमारे लोग चुनाव आयोग के पास गए, तो उन्होंने 48 घंटों तक हमें कोई जवाब नहीं दिया। कम से कम सुप्रीम कोर्ट ने हमारी याचिका सुनी और फैसला सुनाया। ' कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका का विरोध करते हुए, BJP उम्मीदवार की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि नॉमिनेशन पेपर खारिज होने से किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 32 (रिट अधिकार क्षेत्र) के तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर नहीं की जा सकती।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

परमाणु ऊर्जा उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले सामान पर कस्टम ड्यूटी माफ

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने परमाणु ऊर्जा उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कुछ खास सामानों के आयात पर कस्टम ड्यूटी (सीमा शुल्क) माफ कर दी है। यह छूट 1 अप्रैल 2019 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि के लिए लागू होगी। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस अवधि में जिन कंपनियों ने परमाणु ऊर्जा से जुड़े पात्र सामान आयात किए थे, उन पर अब कस्टम ड्यूटी नहीं लगेगी। यानी सरकार ने यह छूट पिछली तारीख से लागू की है। सरकार द्वारा दी गई राहत गैर-विकिरणित फ्यूल एलिमेंट्स और न्यूक्लियर रिएक्टरों में इस्तेमाल होने वाले कार्टिज के आयात पर लागू होगी। ये सामान परमाणु बिजली उत्पादन में अहम भूमिका निभाते हैं।

सरकार ने कहा कि इस तरह के आयात पर कस्टम ड्यूटी न लेने की प्रथा पहले से ही चल रही थी। अब

इसे औपचारिक रूप से मान्यता दे दी गई है, ताकि इस अवधि के आयात पर कोई टैक्स देनदारी न रहे। इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) को होने की उम्मीद है। एनपीसीआईएल देश के परमाणु बिजली संयंत्रों के लिए फ्यूल असेंबली और अन्य जरूरी सामग्री आयात करती है। इसके अलावा, भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी अन्य कंपनियों को भी इससे राहत मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा मिश्रण में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी मजबूत करने पर जोर दे रहा है। सरकार का मानना है कि परमाणु ऊर्जा भविष्य की स्वच्छ और स्थिर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे पहले सरकार ने अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर भी उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) शून्य कर दिया था। 22 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 30 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल पर यह छूट लागू की गई है।

तीन पन्नों पर तृणमूल के 19 सांसदों के हस्ताक्षर सामने आए

लोकसभा में नए गुट के गठन को लेकर भ्रम की स्थिति

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के 19 सांसदों के हस्ताक्षर वाले तीन पन्ने शुक्रवार को सामने आए, जिनमें दावा किया गया है कि वे लोकसभा में पार्टी के प्रतिनिधित्व का मुख्य और बहुमत वाला गुट हैं। इस बात को लेकर उलझन बनी है कि क्या ये तीन पेज उसी कथित पत्र का आखिरी हिस्सा हैं, जिसे डॉ. काकोली घोष दस्तीदार और शताब्दी रॉय की अगुवाई में सांसदों ने लोकसभा स्पीकर के दफ्तर में सौंपा है। सामने आए इन तीन पेजों में पहला हस्ताक्षर डॉ. काकोली घोष दस्तीदार का है, जो नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की चार बार की लोकसभा सदस्य हैं। दूसरा हस्ताक्षर शताब्दी रॉय का है, जो अभिनेत्री से नेता बनी

हैं और बीरभूम जिले के बीरभूम निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की चार बार की लोकसभा सदस्य हैं। हालांकि, 19 लोकसभा सदस्यों के हस्ताक्षर वाले तीन पन्नों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी है। तीन पन्नों में दिख रहे अन्य 17 लोकसभा सदस्यों के हस्ताक्षर में मथुरापुर से बापी हलदर, बर्दवान पूर्व से शर्मिला सरकार, हावड़ा से प्रसून बनर्जी, कूच बिहार से जगदीश वर्मा बसुनिया, बोलपुर से असित मल, बांकुरा से अरूप चक्रवर्ती, झाड़ग्राम से कालीपद सोरेन, दीपक अधिकारी उर्फ, घाटल से देव, मेदिनीपुर से जून मालिया, बैरकपुर से पार्थ भौमिक, खलीलुर रहमान शामिल हैं। जंगीपुर, मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान, बहरामपुर से यूसुफ पठान, आरामबाग से मिताली बाग, कोलकाता (दक्षिण) से माला रॉय, हुगली से रचना बनर्जी और जादवपुर से सयोनी घोष का नाम शामिल है।

रचना बनर्जी और जादवपुर की सांसद सायनी घोष के हस्ताक्षर दो अलग-अलग जगहों पर हैं, लेकिन हस्ताक्षर के क्रम में नहीं। हालांकि, इन 19 बागी सांसदों में से किसी ने भी इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा है, लेकिन इनमें से एक बागी के करीबी पार्टी सूत्रों ने बताया कि चूंकि रचना बनर्जी और सायनी घोष दोनों ने बाद में पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, इसलिए उनके हस्ताक्षर अलग-अलग किए गए थे। लोकसभा अध्यक्ष के दफ्तर की ओर से इस चिट्ठी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में आकाशीय बिजली गिरने से उपसरपंच सहित तीन की मौत

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक में आज शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। कांकेर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कलगांव में आज सुबह मनरेगा में काम करने के दौरान हुई बारिश से बचने के लिए ग्रामीण पेड़ के नीचे आ गए थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच सहित तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए है। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में संतोष पटेल, प्रकाश पटेल, मनराज पटेल (उपसरपंच) सभी कलगांव के निवासी है। सभी के शव को पोस्टमार्टम लिए भेज दिया गया है।

साज़िश का महापर्दाफाश

सागर समुदाय को बदनाम करने वाले कथित ब्लैकमेलर्स के फर्जीवाड़े का भंडाफोड़

सबूतों के नाम पर सिर्फ अनुमान का सहारा...साज़िश का खतरनाक ताना-बाना

राज कुंद्रा केस की आड़ में जैन मुनि के खिलाफ रची गई घिनौनी साजिश, महानगर मेट्रो न्यूज़ के तीखे सवालों के आगे कथित गिरोह के सरगना ने टेके घुटने, अदालत और समाज को गुमराह करने का बड़ा खेल उजागर

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। पिछले कुछ समय से समाज की शांति और सौहार्द को बिगाड़ने के लिए एक बेहद खतरनाक और घिनौना खेल खेला जा रहा है। इस पूरी साजिश का मुख्य निशाना सागर समुदाय बना हुआ है, जिसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए एक सुव्यवस्थित कथित गिरोह सक्रिय है। इस गिरोह का काम करने का तरीका बेहद शातिर है। सबसे पहले आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके फर्जी वीडियो और मॉर्फ्ड यानी झूठी तस्वीरें तैयार की जाती हैं। इसके बाद इन भ्रामक सामग्रियों को सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड करने की धमकी दी जाती है। यहीं से शुरू होता है इनका असली खेल, जो कि अवैध उगाही और फिरौती मांगने का है। जब यह कथित गिरोह पीड़ित पक्ष से फिरौती वसूलने में नाकाम रहता है, तो समाज में पूजनीय संतों और पूरे समुदाय को बदनाम करने की नीयत से उन फर्जी पोस्ट्स को वायरल कर दिया जाता है। इस पूरे कथित रैकेट के पीछे जिन चेहरों के नाम सामने आ रहे हैं, उनका खुद का रिकॉर्ड बेहद विवादास्पद रहा है।

किरदारों का कच्चा चिट्ठा

इस पूरी कथित साजिश को संचालित करने वाले चेहरों की जब पड़ताल की गई, तो इसके तार दो मुख्य किरदारों से जुड़ते नजर आए। पहला नाम है जगत पारेख का, जो अहमदाबाद का रहने वाला है। स्थानीय सूत्रों और कानूनी रिकॉर्ड्स के अनुसार, इस शख्स पर पहले से ही कई तरह के फ्रॉड और क्रिमिनल केस चल रहे हैं, जिससे इसकी खुद की विश्वसनीयता पर गंभीर सवालिया निशान खड़े होते हैं। इस साजिश में उसका साथ दे रहा है हार्दिक हुडिया, जो मुंबई में बैठकर इस पूरे नेटवर्क को ऑपरेट करने में मदद कर रहा है। महानगर मेट्रो न्यूज़ ने इस कथित गिरोह को शुरू से ही खुला चैलेंज किया था कि अगर उनके पास जैन मुनि सागरचंद्र सागर आचार्य जी के खिलाफ रत्ती भर भी प्रामाणिक सबूत हैं, तो वे उन्हें सामने लाएं। बंद कमरों

में बैठकर और फर्जी डिजिटल आईडी के पीछे छिपकर चरित्र हनन करना बंद किया जाए।

महानगर मेट्रो न्यूज़ का ऑन-फोन इंटरव्यू और झूठ का आत्मसमर्पण

जब इस पूरे मामले की गहराई में जाने के लिए महानगर मेट्रो न्यूज़ के खोजी पत्रकारों ने सीधे इस कथित साजिश के मुख्य सूत्रधार जगत पारेख से फोन पर संपर्क किया, तो बातचीत के दौरान जो सच सामने आया, उसने इस पूरे गिरोह के दावों की हवा निकाल दी। जगत पारेख से जब ऑन-फोन बेहद तीखे और सीधे सवाल पूछे गए कि आपने अदालत में जो केस दायर किया है, उसमें इतने संगीन आरोप लगाए हैं कि जैन मुनि सागरचंद्र सागर आचार्य कथित तौर पर अश्लील वीडियो बनाकर विदेशों में बेचते हैं, तो इस बेहद घिनौने आरोप का आधार क्या है? आपके पास क्या सबूत हैं? इस सीधे सवाल पर जगत पारेख के पास कोई ठोस जवाब नहीं था। उसने ऑन-रिकॉर्ड बातचीत में यह स्वीकार किया कि उनके पास कोई पक्का सबूत नहीं है। उसने कहा कि हमें ऐसा लगता है कि शायद ऐसा हो सकता है। जब उससे पूछा गया कि बिना सबूत के इतना बड़ा आरोप लगाने की हिम्मत उसने कैसे की, तो उसने जो तर्क दिया वह और भी ज्यादा चौंकाने वाला था। जगत पारेख ने सफाई देते हुए कहा कि उस समय फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े राज कुंद्रा का मामला चर्चा में था, जिन पर मोबाइल ऐप्स पर अश्लील वीडियो अपलोड करने के आरोप लगे थे। जगत पारेख के मुताबिक, उस घटना को देखकर उसे ऐसा लगा कि आचार्य सागरचंद्र सागर भी शायद ऐसा ही कोई काम करते होंगे।

अनुमान के आधार पर चरित्र हनन का घिनौना प्रयास

यह बात सोचने वाली है कि क्या देश की न्याय व्यवस्था और किसी व्यक्ति या समुदाय की सामाजिक प्रतिष्ठा इतनी सस्ती है कि उसे सिर्फ एक मामूली अनुमान या वहम के आधार पर दांव पर लगा दिया जाए? राज कुंद्रा के मामले का उदाहरण देकर एक परम पूजनीय जैन मुनि पर इतना बड़ा लांछन लगा देना न सिर्फ कानून का मज़ाक उड़ाना है, बल्कि यह पूरे सागर समुदाय की भावनाओं को आहत करने का एक अक्षम्य अपराध है। यह साफ तौर पर अदालत को गुमराह करने और न्याय प्रणाली का समय बर्बाद करने की एक सोची-समझी साजिश है। कानूनी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश की अदालतें सिर्फ और सिर्फ ठोस सबूतों पर काम करती हैं, किसी के पूर्वाग्रह या मनगढ़ंत अंदाजा लगाने की बीमारी पर नहीं। यही वजह है कि इस कथित गिरोह को अब अदालत के भीतर भी करारी शिकस्त का सामना करना पड़ेगा। महानगर मेट्रो न्यूज़ आज भी अपने पुराने और निष्पक्ष रुख पर पूरी तरह कायम है। हम इस कथित गिरोह को एक बार फिर खुली चुनौती देते हैं कि अगर आपके दावों में सच्चाई है, तो अदालती प्रक्रिया के पीछे छिपने के बजाय जनता के सामने सबूत पेश करें। हमारा अखबार न तो किसी तरह के सामाजिक या राजनीतिक दबाव के आगे झुकेगा और न ही ब्लैकमेलिंग करने वाले तत्वों की धमकियों से डरेगा। सागर समुदाय और उनके संतों को बदनाम करने वाली इस फेक फैक्ट्री के पीछे छिपे हर चेहरे को बेनकाब करना हमारा पत्रकारिता धर्म है। महानगर मेट्रो न्यूज़ के माध्यम से हम इस मामले की आखिरी कड़ाई तक जाएंगे और सच को पूरी शिद्दत के साथ सामने लाते रहेंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उड्डयन मंत्री से की मुलाकात

श्रीनगर एयरपोर्ट बंदी पर पुनर्विचार की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात की और रखरखाव के काम के लिए 1 से 16 अक्टूबर तक श्रीनगर हवाई अड्डे को बंद करने के प्रस्ताव पर चिंता जताई। पर्यटन के मुख्य मौसम में घाटी के लिए बिना रुकावट हवाई संपर्क की अहमियत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक उड्डयन मंत्री से आग्रह किया कि रखरखाव के शेड्यूल की समीक्षा की जाए और अगर मुमकिन हो, तो इसे छोटा किया जाए, चरणों में किया जाए या यात्रा के कम व्यस्त समय में किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि हवाई अड्डा बंद रहने के दौरान निवासियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए संपर्क बनाए रखने के लिए अवंतीपोरा एयर बेस से सीमित संख्या में नागरिक उड़ानें संचालित की जाएं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा,' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ हुई बैठक के बाद, मैंने अक्टूबर में श्रीनगर एयरपोर्ट को बंद करने के प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से मुलाकात की। हम

परेशानी को कम करने और बेसिक फ्लाइट शेड्यूल बनाए रखने के लिए संभावित विकल्पों पर काम कर रहे हैं, जैसा कि 1998 और 2010 में इसी तरह के कारणों से एयरपोर्ट बंद होने पर किया गया था। '

वैभव सूर्यवंशी के छोटे भाई ने शतक लगाया,10 साल के आशीर्वाद ने 21 बाउंड्री लगाई; पिता बोले थे- दो साल में वैभव जैसा खेलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब उनके छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी क्रिकेट में सुर्खियां बटोर रहे हैं। 10 साल के आशीर्वाद ने समस्तीपुर में खेले गए एक लोकल प्रैक्टिस मैच में क्रिकेट अकादमी ताजपुर की ओर से खेलते हुए 87 गेंदों पर 103 रन बनाए। उनकी पारी में 20 चौके और एक छक्का शामिल रहा। राइट हैंड बल्लेबाज आशीर्वाद के शतक का

वीडियो और स्कोरकार्ड उनके बड़े भाई उज्ज्वल सूर्यवंशी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। आशीर्वाद को लेकर पिता संजीव कह चुके हैं कि वे आशीर्वाद को भी आने वाले दो साल में वैभव की तरह एक बेहतरीन क्रिकेटर बनाना चाहते हैं। आशीर्वाद के शतक के बाद पिता संजीव सूर्यवंशी ने भी सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा, मेरे छोटे बेटे आशीर्वाद सूर्यवंशी ने आज प्रैक्टिस मैच में अपना पहला शतक बनाया। आप सभी से अनुरोध है कि आशीर्वाद पर भी अपना प्यार और आशीर्वाद बनाए रखें।

दिलीप पटेल के खिलाफ ACB ने 31 लाख रुपये से ज़्यादा की आय से ज़्यादा संपत्ति का केस दर्ज किया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। राज्य में भ्रष्ट लोगों पर कड़ी नज़र रखने वाली संस्था एंटी-करप्शन ब्यूरो ने सूरत में बड़ी कार्रवाई की है। सूरत जिला पंचायत में क्लास-3 कर्मचारी के तौर पर काम कर रहे सीनियर क्लर्क दिलीपभाई नारनभाई पटेल के खिलाफ 31,00,400 रुपये से ज़्यादा की संपत्ति जमा करने का केस दर्ज किया गया है। ACB की इस तेज़ कार्रवाई से सरकारी दुनिया में बड़ी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, ACB ने सूरत जिला पंचायत के सीनियर क्लर्क दिलीपभाई पटेल के खिलाफ आय से ज़्यादा संपत्ति जमा करने के शक में जांच की थी। इस जांच के दौरान एसीबी और सर्च टीम के सीनियर अधिकारियों ने दिलीपभाई पटेल की कानूनी इनकम, उनके द्वारा किए गए इन्वेस्टमेंट, खरीदी गई चल-अचल प्रॉपर्टी और घर के खर्चों का हिसाब-किताब बारीकी से कैलकुलेट किया। जांच के आखिर में चौंकाने वाली बातें सामने आईं कि दिलीपभाई पटेल ने अपनी सरकारी नौकरी के दौरान अपनी कानूनी इनकम के सोर्स से 31,00,400/- (इकतीस लाख चार सौ) रुपये ज़्यादा की प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसका उनके पास कोई संतोषजनक हिसाब-किताब नहीं था। इस भ्रष्टाचार के सबूत मिलते ही एसीबी ने दिलीपभाई नारनभाई पटेल के खिलाफ एंटी-करप्शन एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में आरोपी के बैंक लॉकर, दूसरे रिश्तेदारों के नाम पर किए गए इन्वेस्टमेंट और प्रॉपर्टी के कागज़ात की भी जांच की जाएगी, जिसमें अभी भी बड़ी बेहिसाब संपत्ति सामने आने की पूरी संभावना है।

ओशो के बॉडीगार्ड का बड़ा खुलासा: 'रजनीश मेरी गर्लफ्रेंड के साथ सोता था और मुझे 400 मील दूर भेज देता था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिन्हें दुनिया भर में 'सेक्स गुरु' के नाम से जाना जाता है और जिन्होंने अपने क्रांतिकारी और विवादित विचारों से दुनिया को हिला दिया था, अपनी मौत के सालों बाद भी बहस के केंद्र में बने हुए हैं। ओशो की ज़िंदगी, उनके आश्रम के अंदर की एक्टिविटीज़ और उनके राज़ों पर से अक्सर पर्दा उठता रहता है। हाल ही में, ओशो के कभी बहुत करीबी पर्सनल बॉडीगार्ड ने आश्रम के अंदर चल रही सीक्रेट एक्टिविटीज़ और ओशो की पर्सनल ज़िंदगी के बारे में बड़े खुलासे किए हैं, जिससे एक बार फिर आध्यात्मिक दुनिया में बड़ा भूचाल आ गया है। 'आश्रम में सभी को सेक्स करने की इजाज़त थी, ओशो शिष्यों के साथ सेक्स करते थे ओशो के पुराने बॉडीगार्ड ने एक इंटरव्यू के दौरान आश्रम के बंद दरवाज़ों के पीछे की सच्चाई बताई। उनके मुताबिक, ओशो के आश्रम में पारंपरिक नैतिकता या सामाजिक पाबंदियों के लिए कोई जगह नहीं थी। बॉडीगार्ड ने दावा किया, 'आश्रम में रहने वाले सभी साधुओं और शिष्यों को आज़ादी से सेक्स करने की इजाज़त थी। किसी पर कोई रोक नहीं थी। इतना ही नहीं, आश्रम में रहने वाला हर कोई अच्छी तरह जानता था कि ओशो खुद अपने खास और चुने हुए शिष्यों के साथ रेगुलर सेक्स करते थे। अपनी पर्सनल लाइफ की एक चौंकाने वाली कहानी शेयर करते हुए, बॉडीगार्ड ने कहा कि कभी-कभी उनके पर्सनल सिक्योरिटी स्टाफ भी आश्रम में इस आज़ाद सेक्स लाइफ का शिकार हो जाते थे। उन्होंने कहा, 'एक दिन रजनीश (ओशो) मेरी गर्लफ्रेंड के साथ अपने कमरे में सो रहे थे। ताकि मुझे इस बारे में समय पर पता न चले या मैं इसमें रुकावट न बनूं, ओशो ने एक सोची-समझी चाल चली। उन्होंने मुझे एक खास काम के बहाने आश्रम से 400 मील दूर भेज दिया।' बॉडीगार्ड के मुताबिक, ओशो अपनी ताकत और आध्यात्मिक असर का इस्तेमाल करके आश्रम की खूबसूरत औरतों को अपनी तरफ खींचते थे और आश्रम के मर्द इस इंतज़ाम का विरोध नहीं कर पाते थे। ओशो हमेशा से पारंपरिक धर्मों, साधुओं और ब्रह्मचर्य के कट्टर विरोधी रहे हैं। सालों पहले उन्होंने 'संभोग से संन्यास तक' (सेक्स से सुपरकॉन्शसनेस तक) नाम की किताब देकर सनातन परंपरा की जड़ें हिला दी थीं। ओशो का मानना ??था कि सेक्स एक नैचुरल एनर्जी है और इसे दबाने के बजाय, इसे स्वीकार करके ही इंसान सुप्रीम कॉन्शसनेस (आध्यात्मिकता) की ओर बढ़ सकता है। पूर्व बॉडीगार्ड के मुताबिक, अमेरिका के ओरेगन में 'रजनीशपुरम' आश्रम और भारत में पुणे आश्रम में इसी सोच के तहत एक बिल्कुल अलग दुनिया बनाई गई थी।

90 साल के पिता की अपने बेटे पर लगे इल्ज़ामों को हटाने के लिए दिल दहला देने वाली कानूनी लड़ाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 'जब भी कोई प्लेन क्रैश होता है, तो सिस्टम सबसे पहले पायलट को दोषी ठहराकर हाथ खड़े कर देता है... क्योंकि एक मरा हुआ पायलट कभी अपना बचाव करने के लिए ज़िंदा वापस नहीं आता!' ये दर्द और गुस्से से भरे शब्द एक बेबस लेकिन पक्के इरादे वाले पिता के हैं, जिनके बेटे पर देश के सबसे बड़े प्लेन क्रैश में से एक का इल्ज़ाम लगा था। 1990 के भयानक अहमदाबाद प्लेन क्रैश को तीन दशक से ज़्यादा समय बीत चुका है, प्लेन के पायलट के 90 साल के पिता अभी भी अपने बेटे के नाम से 'क्रिमिनल' का लेबल हटाने के लिए कोर्ट में लड़ रहे हैं। 1990 में, अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास इंडियन एयरलाइंस का एक प्लेन क्रैश हो गया था, जिसमें कैप्टन (पायलट) समेत कई लोग मारे गए थे। एक्सीडेंट के बाद शुरुआती जांच रिपोर्ट में पूरे एक्सीडेंट के लिए पायलट की 'इंसानी गलती' को ज़िम्मेदार ठहराया गया। लेकिन एक पिता का दिल यह मानने को तैयार नहीं था। आज 90 साल की इस बुज़ुर्ग उम्र में, जब लोग लाठी के सहारे जी रहे हैं, यह बूढ़ा पिता अपने गुज़रे हुए बेटे की इज़्ज़त और सम्मान वापस पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। बूढ़े पिता का कहना है कि एविएशन डिपार्टमेंट और जांच कमेटियों ने एयरक्राफ्ट की मैकेनिकल खराबी, एयर ट्रैफिक कंट्रोल की खराबी और उस समय के खराब मौसम जैसे फैक्टर्स को नज़रअंदाज़ कर दिया और सिर्फ़ पायलट को ही ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने कांपती हुई आवाज़ 'मेरा बेटा एक प्रोफ़ेशनल और काबिल पायलट था। उसने सैकड़ों पैसेंजर की जान बचाने के लिए आखिरी सेकंड तक लड़ाई लड़ी होगी। लेकिन एविएशन इंडस्ट्री में यह एक कड़वी सच्चाई है कि जब कोई प्लेन क्रैश होता है, तो एयरलाइंस और सरकारें अपनी इज़्ज़त बचाने के लिए सारा इल्ज़ाम मरे हुए पायलट पर डाल देती हैं।

मेहसाणा 'मिनी गोवा' बन गया है!: SP और LCB PI के कथित एडमिनिस्ट्रेटर्स के कहने पर पूरे जिले में शराब और जुआ खूब चल रहा है!

पुलिसवाला तरुण डाभी और जेल में बंद इमरान करोड़ों का 'हप्ता राज' चला रहे हैं?: के सुलगते खुलासे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। शराब बैन और लॉ एंड ऑर्डर के दावों के बीच, मेहसाणा जिला एंटी-सोशल एक्टिविटीज़ का सेंटर बनता दिख रहा है। पिछले कुछ सालों से मेहसाणा में शराब और जुए के अड्डे बिना किसी डर के फल-फूल रहे हैं, जिसे देखते हुए अब लोकल लोग मेहसाणा को 'मिनी गोवा' कहने लगे हैं। गंभीर आरोप लगे हैं कि मेहसाणा जिले के कथित एडमिनिस्ट्रेटर हिमाशु सोलंकी और LCB PI कामड़िया इस पूरे रैकेट के पीछे हैं, जिनके पास काला पैसा और आशीर्वाद है। टीम ने जब मामले की गहराई से जांच की, तो खाकी की आड़ में चल रहे करोड़ों रुपये की वसूली के साम्राज्य का पर्दाफाश हुआ है। जेल से VIP राज और खाकी वर्दी में 'दूसरा SP सामने आया! सूत्रों से मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, इस पूरे नेटवर्क को दो कथित एडमिनिस्ट्रेटर मैनेज कर रहे हैं। इनमें से एक तरुण डाभी हैं, जो पुलिस डिपार्टमेंट में काम करते हैं लेकिन पूरे जिले में एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर जाने जाते हैं और उनकी शक्ल जिले के 'दूसरे SP जैसी है! दूसरा एडमिनिस्ट्रेटर इमरान (जो एक आम आदमी है और कथित तौर पर जिला और रेंज IG का एडमिनिस्ट्रेशन संभाल रहा है), अभी कडी सब जेल में बंद है, लेकिन गंभीर आरोप हैं कि उसे जेल

के अंदर AC, TV समेत हर तरह की VIP सुविधाएं दी जा रही हैं। यह पूरा नेटवर्क सलाखों के पीछे बैठकर भी चलाया जा रहा है। शराब और जुए के अड्डे कहाँ और किसके कहने पर चलते हैं? नंदासन पुलिस एरिया कलापी होटल के पीछे एक खुले मैदान में, ज़ाकिर और यूसुफ नाम के लोग राजकोट, अहमदाबाद और नॉर्थ गुजरात के बड़े जुआरियों को हाई-प्रोफाइल जुआ खेलने के लिए बुलाते हैं। वे इस अड्डे को चलाने के लिए हर दिन 1000 रुपये खर्च करते हैं। आरोप है कि तरुण डाभी को 1 लाख की किश्त दी जा रही है। बावलू पुलिस लिमिट रमेश ठाकोर ठाकोरवास के बगल में एक खुले मैदान में बड़े पैमाने पर जुए का अड्डा चलाता है, जिसकी रोज़ की किश्त 1.5 लाख रुपये (डेढ़ लाख) बताई जाती है।

गोजरिया रेलवे गेट: ठाकोरवास के पास बेचार ठाकोर खुलेआम अंग्रेजी शराब बेचता है। भैसरिया और लिंच गांव भैसरिया में विरसंगजी ठाकोर और लिंच गांव में सुरेश ठाकोर बिना किसी डर के अंग्रेजी शराब का काला धंधा चला रहे हैं। राजस्थान के 'बिश्नोई गैंग' और आशु अग्रवाल से कनेक्शन? आरोपों का सिलसिला यहीं नहीं रुकता। चर्चा है कि कथित एडमिनिस्ट्रेटर तरुण डाभी पूरे जिले में शराब सप्लाई करने के लिए राजस्थान के बड़े बूटलेगरों के सीधे संपर्क में है। आबू के आशु अग्रवाल और सांचोर के बदनाम 'बिश्नोई गैंग' से कंटेनर और लग्जरी कारों में मेहसाणा में शराब की तस्करी होती है। चूंकि इस काले धंधे से हर महीने करोड़ों रुपये इकट्ठा होते हैं और सभी लेवल के पुलिस अधिकारियों तक 'एडमिनिस्ट्रेट' किए जाते हैं, इसलिए जिले के किसी भी पुलिस स्टेशन को इन अड्डों पर रेड न करने के सख्त मौखिक निर्देश दिए गए हैं! अंग्रेजी शराब के अलावा, जिले में देसी शराब की भट्टियां भी फल-फूल रही हैं। इन भट्टियों से जानलेवा केमिकल वाली शराब बन रही है। अगर इस जहरीली शराब की वजह से मेहसाणा जिले में दंगा होता है और बेगुनाह नागरिकों की जान जाती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? SP हिमाशु सोलंकी या LCB PI कामड़िया? टीम ने इस गंभीर और ज्वलंत स्थिति के बारे में LCB PI कामड़िया को ज़ुबानी प्रेजेंटेशन दिया, और ज़िला पुलिस चीफ़ को पर्सनली बताने के अलावा, सारे सबूतों के साथ ईमेल से एक लिखित शिकायत भी भेजी। इतने दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक एक भी जगह कोई एक्शन नहीं लिया गया है! यह चुप्पी साबित करती है कि दाल में कुछ काला नहीं है, पूरी दाल ही काली है। क्या होम डिपार्टमेंट और राज्य सरकार इस कथित एडमिनिस्ट्रेटर तरुण डाभी और पूरे कब्ज़े के रैकेट पर बुलडोज़र चलाएगी? या मेहसाणा में 'हप्ता राज' और असामाजिक तत्वों का आतंक खुलेआम चलता रहेगा जनता अब दहशत में है और जवाब मांग रही है।

सवालों से बचने के लिए अधिकारी पुलिस को आगे लाए? पत्रकारों के सामने प्रशासन चुप क्यों है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत का नसीरनगर तोड़फोड़ अब सिर्फ़ मलबा हटाने का मामला नहीं रहा, बल्कि भ्रष्टाचार, नाकाबिलियत और पावर के गलत इस्तेमाल की ऐसी भयानक उलझन बन गया है जिसमें प्रशासन के बड़े अधिकारी बुरी तरह उलझे हुए हैं। आज जब गरीबों की रोजी-रोटी पर बुलडोजर चलाने वाला प्रशासन जनता और मीडिया के सवालों के कटघरे में खड़ा है, तो उसके पास कहने के लिए एक भी शब्द नहीं है। सवालों का सही जवाब देने के बजाय, अधिकारी पत्रकारों के सामने पुलिस की ढाल को आगे ले आए हैं, जिससे साबित होता है कि दाल में कुछ भी काला नहीं है, पूरी दाल ही काली है!

'मुद्दनी वात' में पवन माकन के तीखे और सीधे सवाल

इस गंभीर और ज्वलंत मुद्दे पर सीनियर पत्रकार पवन माकन ने पॉपुलर प्रोग्राम 'मुद्दनी वात' में सीधे, जानलेवा और तीखे सवाल पूछे हैं जो सिस्टम की शान को उसकी जगह पर ला देंगे। पवन माकन ने न्यूज़ रूम से गरजकर सत्ता के नशे में चूर अधिकारियों की नींद उड़ा दी है: डिमोलिशन किसने किया? क्या पूरा प्रोसेस कानूनी नियमों के हिसाब से हुआ या किसी के पर्सनल फायदे या दबाव में बुलडोजर चलाया गया? मंज़ूरी किसने दी? कागज़ पर इस डेमोलिशन का ऑर्डर देने वाला असली चेहरा कौन है? उस अधिकारी पर कोई उंगली क्यों नहीं उठा रहा है? मौके पर कौन से अधिकारी मौजूद थे? जब गरीब रो रहे थे, तो कौन से ज़िम्मेदार अधिकारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर वहां खड़े होकर तमाशा देख रहे थे? पत्रकारों के प्रति प्रशासन की रहस्यमयी चुप्पी जब भी टीम ने इन सवालों के जवाब जानने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया, तो अधिकारी या तो चैंबर से भागते दिखे या पत्रकारों के माइक्रोफोन देखकर चुप हो गए। सवाल यह उठता है कि अगर प्रशासन सही है, तो पत्रकारों के सवालों का सामना करने में इतनी परेशानी क्यों है? मीडिया को रोकने के लिए पुलिस बल का गलत इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है? क्या ज़िम्मेदारी तय होगी या यह सिर्फ़ 'जांच' का एक और नाटक है? गुजरात के लोग अब प्रशासन के पुराने बहानों से तंग आ चुके हैं जिसमें हर घोटाले या विवाद के बाद कहा जाता है कि 'एक कमेटी बनाकर जांच की जाएगी'। क्या इस नसीरनगर विवाद में असली दोषी अधिकारियों की ज़िम्मेदारी तय होगी? क्या आपराधिक लापरवाही दिखाने वाले अधिकारी सलाखों के पीछे जाएंगे या हर बार की तरह फाइलें दबाकर पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा?

जनता के सवाल, प्रशासन से जवाब का इंतज़ार...

सूरत के लोग और विस्थापित परिवार आज न्याय की भीख मांग रहे हैं। इस पूरे विवाद की जड़ तक पहुंचने के लिए पक्का इरादा रखता है। पवन माकन और हमारी पूरी टीम तब तक सवाल पूछती रहेगी जब तक AC केबिन में बैठे भ्रष्ट अधिकारी जनता को सही जवाब नहीं दे देते।

चांगोदर पुलिस ने अनसुलझे केबल चोरी के मामले को सुलझाया; एयरटेल कंपनी की Rs. 1.61 लाख की केबल, 4 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चांगोदर। चांगोदर पुलिस ने मुखबिरों और ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के आधार पर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है और लंबे समय से अनसुलझे केबल चोरी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में चोरी के सामान के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है।

क्या था पूरा मामला?

25 नवंबर, 2025 को चांगोदर में नामदेव कंपनी के पास नहर के पास एक खुली जगह से केबल चोरी की घटना सामने आई थी। यह केबल भारती एयरटेल रूष्ट हब की थी। तस्कर वहां से करीब 571 मीटर लंबी केबल चुरा ले गए, जिसकी अनुमानित कीमत ऋह्य. 1,61,000 थी। इस संबंध में चांगोदर पुलिस स्टेशन में क्राइम रजिस्टर नंबर 11192015260653/2026 और IPC सेक्शन 303(2) के तहत केस दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने इस तरह ऑपरेशन को अंजाम दिया इस अनसुलझे क्राइम को सुलझाने के लिए पुलिस इंस्पेक्टर एच.एच. सिसेटा और पुलिस सब-इंस्पेक्टर एच.एम. पटेल की गाइडेंस में अलग-अलग टीमें बनाई गईं। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज चेक किए और ह्यूमन इंटेलिजेंस (मुखबिरों) को एक्टिवेट किया। इसी बीच, पुलिस कांस्टेबल राजहंस सिंह (बकल नंबर 227) से मिली खास जानकारी के आधार पर, पुलिस ने निगरानी रखी और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम:

आकाश लक्ष्मणभाई बचुभाई चौहान

रंजीत उर्फ कायो काशीराम सोमाभाई चौहान

जनव भरतभाई विघनभाई चौहान

सुनील उर्फ अजय गोविंदभाई कमशीभाई चौहान

पुलिस ने इन चारों गिरफ्तार आरोपियों से चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया है और उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस सफल ऑपरेशन के लिए बड़े अधिकारियों ने चांगोदर पुलिस टीम के काम की तारीफ की है।

गोत्री के सीनियर सिटीजन ग्रुप का गुजराती गानों का रंगारंग प्रोग्राम भजन, गानों और डबल फेस्टिवल से बुज़ुर्गों को मंत्रमुग्ध किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा के गोत्री इलाके में चल रहे गोत्री के सीनियर सिटीजन ग्रुप की तरफ से बुधवार को एक शानदार और रंगारंग कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन किया गया। बुजुर्गों के ग्रुप में गुजराती भजन, लोकगीत और मशहूर गुजराती फिल्मी गानों की धूम रही, जिसमें सभी सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया। ग्रुप के मानद एडिटर और एडिटर श्री घनश्यामभाई राव की तरफ से जारी लिस्ट के मुताबिक, प्रोग्राम की शुरुआत पारंपरिक तरीके से प्रभु स्मरण से हुई। ग्रुप की सदस्य मीनाबेन वासानी ने बहुत ही मीठी आवाज़ में एक सुंदर प्रार्थना पेश की, जिससे पूरे

हॉल का माहौल भक्तिमय हो गया। उसके बाद, ग्रुप के करीब आठ से दस जोशीले सदस्यों ने एक के बाद एक पॉपुलर गुजराती भजन, गाने और पुराने यादगार फिल्मी गाने गाकर वहां मौजूद सभी बुजुर्गों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सदस्यों ने गानों की धुन पर डांस भी किया। शादी की गोल्डन जुबली और जन्मदिन का डबल सेलिब्रेशन इस म्यूजिकल शाम के दौरान ग्रुप में डबल सेलिब्रेशन का माहौल देखने को मिला। ग्रुप के एक्टिव मेंबर श्री चंद्रकांतभाई भट्ट और उनकी पत्नी कृष्णाबेन भट्ट की शादी के 50 साल पूरे होने, यानी गोल्डन एनिवर्सरी के मौके पर ग्रुप के एक और मेंबर श्री नवीनभाई सोनी और उनकी पत्नी ने बुजुर्ग कपल को फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इस खुशी के मौके पर चंद्रकांतभाई ने सभी मेंबर्स को खुश कर दिया। साथ ही, क्योंकि ग्रुप की एक और महिला मेंबर, मिसेज कोकिलाबेन देसाई का भी उसी दिन जन्मदिन था, इसलिए ग्रुप मेंबर्स की मौजूदगी में केक काटकर उन्हें सम्मानित किया गया। प्रोग्राम में मौजूद सभी बुजुर्गों के लिए कोकिलाबेन ने एक आइसक्रीम पार्टी का बहुत अच्छे से आयोजन किया था, जिसका सभी ने खूब मज़ा लिया।

अहमदाबाद के डेवलपमेंट और प्री-मॉनसून प्लानिंग के लिए AMC का बड़ा एक्शन प्लान!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमेटी की आज एक ज़रूरी मीटिंग हुई। इस मीटिंग में मॉनसून से पहले प्री-मॉनसून काम, शहर की ट्रैफिक समस्या और देरी से चल रहे प्रोजेक्ट्स को लेकर कुछ सख्त और पब्लिक इंटरेस्ट वाले फैसले लिए गए हैं। मीटिंग के बाद रिपोर्टर्स से बात करते हुए,रूष्ट स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन श्री कमलेशभाई पटेल ने कॉर्पोरेशन के आने वाले प्लान्स और किए गए एक्शन के बारे में डिटेल में जानकारी दी। पूर्वी इलाके को मिलेगा स्मार्ट ड्रेनेज सिस्टम नई ट्रंकलाइन दी जाएगी मॉनसून के दौरान पूर्वी अहमदाबाद के इलाकों में वॉटरलॉगिंग की समस्या को हमेशा के लिए हल करने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन एक्शन मोड में आ गया है। चेयरमैन कमलेशभाई पटेल ने कहा कि प्री-मॉनसून

काम के तहत, अगले दो साल में ईस्ट एरिया में नई ट्रंकलाइन बिछाई जाएगी। जैसे ही यह प्रोजेक्ट पूरा होगा, ईस्ट बेल्ट के हजारों लोगों को हर मॉनसून में होने वाले वॉटरलॉगिंग की स्थिति से हमेशा के लिए राहत मिल जाएगी। गलत कॉन्ट्रैक्टर पर,रूष्ट की कड़ी नज़र 50 लाख रुपये का जुर्माना कमेटी ने अहमदाबाद में चल रहे ब्रिज प्रोजेक्ट्स में हो रही देरी को लेकर भी सख्त रुख अपनाया है। नरोदा फ्लाईओवर के काम में बेवजह देरी और लापरवाही के लिए संबंधित कॉन्ट्रैक्टर पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि जनता के पैसे की बर्बादी या डेवलपमेंट के कामों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रायपुर को ट्रैफिक से मिलेगी राहत 15 मीटर की सड़क अब 24 मीटर की होगी कोट एरिया और ईस्ट अहमदाबाद को जोड़ने वाले रायपुर एरिया में सालों पुरानी ट्रैफिक प्रॉब्लम को खत्म करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। इस रोड कटिंग और चौड़ीकरण के काम से पीक आवर्स में लगने वाले ट्रैफिक जाम में गाड़ी चलाने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। ओधव मधुमालती झील इलाके में पानी भरने की समस्या कम होगी मानसून के दौरान, ओधव के मधुमालती इलाके में पंपिंग स्टेशन की वजह से आसपास के लोगों को पानी भरने की बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

'विकास, विश्वास और लोक कल्याण के 12 वर्ष' के अंतर्गत भव्य शिविर का आयोजन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और राज्य में चल रही विकास यात्रा की सराहना करने और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा एक भव्य 'लोक कल्याण शिविर' का आयोजन किया गया। 'विकास, विश्वास और लोक कल्याण के बारह वर्ष' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न जनोन्मुखी योजनाओं की जानकारी और सहायता वितरित की गई। इस शिविर में कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए कई राजनीतिक नेता और निगम पदाधिकारी एक मंच पर मौजूद दर्शनाबेन वाघेला, अहमदाबाद के पॉपुलर MPश्री दिनेशभाई मकवाना, पूर्व MP श्री नरहरिभाई अमीन और लोकल रूष्ट श्री कौशिकभाई जैन ने शामिल होकर प्रोग्राम की रौनक बढ़ाई। इसके अलावा, अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट,रूष्ट की अलग-अलग कमेटियों के चेयरमैन, ऑफिस बेयरर्स के साथ-साथ बड़ी संख्या में पार्षद दोस्त और लोकल नेता खास तौर पर मौजूद थे। कैंप के दौरान मौजूद बड़े लोगों ने कहा कि पिछले 12 सालों में अहमदाबाद शहर ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के साथ-साथ, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने गरीब और मिडिल क्लास की भलाई के लिए कई पब्लिक वेलफेयर स्कीम लागू की हैं, जिनका सीधा फायदा नागरिकों को मिल रहा है। इस पब्लिक वेलफेयर कैंप में बड़ी संख्या में जमा हुए नागरिकों को मौके पर ही कई सरकारी कार्ड, हेल्थ मदद और दूसरी स्कीम के फायदे बांटे गए।

संक्षिप्त न्यूज

सूरत में दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या, कानून-व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणा। सूरत के पुणा गांव इलाके में पुणा तालाब के पास अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की धारदार हथियार से सरेआम हत्या कर दी। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक मृतक की पहचान और आरोपियों का पता नहीं चल पाया है। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश और डर है। लोगों का कहना है कि शहर में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। स्थानीय जनता ने पुलिस प्रशासन से मांग की है

डीजल बिक्री पर नया नियम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

केंद्र सरकार द्वारा डीजल वितरण को लेकर जारी किए गए एक नए आदेश पर विवाद शुरू हो गया है। इस नियम के तहत पेट्रोल पंपों पर अब एक गाड़ी के लिए एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि वैश्विक आपूर्ति में दिक्कतों और जमाखोरी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। स फैसले से ट्रांसपोर्टर्स और किसान काफी परेशान हैं। भारी वाहनों को रोजाना सैकड़ों लीटर डीजल की जरूरत होती है।

मुख्यधारा में लौटे 26 पूर्व नक्सली बने पिता, सरकार ने कराई मुफ्त रिवर्स सर्जरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नक्सली संगठनों में शादी के लिए जबरन नसबंदी कराने की क्रूर शर्त होती थी ताकि कोई सदस्य परिवार के मोह में न फंसे। मुख्यधारा में लौटे इन लोगों के दर्द को समझते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक विशेष पहल के तहत मुफ्त में नसबंदी को उलटने की रिवर्स सर्जरी कराई है। पिछले दस सालों में 56 पूर्व नक्सलियों का ऑपरेशन कराया गया, जिनमें से 26 लोग अब पिता बन चुके हैं। सरेंडर करने वाले इन लोगों का कहना है कि सरकार के इस प्रयास से उन्हें नर्क जैसी जिंदगी से मुक्ति मिली है और पिता बनने का अपना हक वापस मिल गया है।

हत्या का आरोपी जेल के बजाय वीआईपी अस्पताल में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद: भाजपा कार्यकर्ता बॉबी हत्याकांड का मुख्य आरोपी मोंटू नामदार पैरोल और फर्लो रद्द होने के बावजूद जेल जाने के बजाय अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल के एसी रूम है। नियमानुसार खाड़िया पुलिस को उसे तुरंत जेल भेजना था, कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले को लेकर स्थानीय जनता गुस्सा है।

अवैध निर्माणों पर चला बुलडोज़र, 160 से अधिक कब्जे हटाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नगर निगम ने भारी पुलिस बंदोबस्त के साथ इसनपुर इलाके में स्थित आंबा तालाब के पास बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासन ने बुलडोज़र चलाकर करीब 160 से ज्यादा अवैध मकानों और दुकानों को तोड़ दिया, जिससे लगभग 26,000 वर्ग मीटर सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त हो गई है। सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण के लिए करेगा।

निवाड़ी के दुमदुमा में 'वर्णी बाल संस्कार केन्द्र' का हुआ विधिवत शुभारम्भ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

निवाड़ी। जिले के पृथ्वीपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दुमदुमा स्थित सहजानंद आश्रम में 'श्री वर्णी बाल संस्कार पाठशाला एवं शिक्षण-प्रशिक्षण केन्द्र' का दीप प्रज्ज्वलन के साथ विधिवत शुभारम्भ किया गया। इस मांगलिक अवसर पर उपस्थित बच्चों को स्वल्पाहार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ एवं दीप प्रज्ज्वलन की क्रिया सांगानेर से पधारे विद्वान श्री संकेत भैया, आमंत्रित अतिथियों, संस्था के पदाधिकारियों, शिक्षकों तथा स्थानीय ग्रामीण जनों द्वारा गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न की गई। इस अवसर पर ग्राम के प्रतिष्ठित शिक्षक श्री घासीराम शर्मा ने

पाठशाला के नियमित संचालन का संकल्प लिया।

विकास की ओर अग्रसर सहजानंद आश्रम

समारोह की अध्यक्षता श्री मनोज जैन एवं श्रीमती अलका जैन (बांसी, पृथ्वीपुर) ने की। कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं संचालन सहजानंद आश्रम के कार्याध्यक्ष श्री देवेन्द्र जैन (पृथ्वीपुर) तथा संरक्षकगण श्री जयकुमार जैन, श्री प्रद्युम्न जैन एवं श्री भागचंद जैन द्वारा किया गया। वर्तमान में सहजानंद आश्रम के अधिष्ठाता व अखिल भारतीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, अध्यक्ष श्री प्रवीण जैन (अहमदाबाद), कार्याध्यक्ष श्री मुकेश जैन, उपाध्यक्ष श्री पंकज जैन, उपाध्यक्ष श्री नवीन जैन तथा संयोजक श्री संजीव जैन (अहमदाबाद) सहित अनेक समर्पित कार्यकर्ता आश्रम एवं उसके विभिन्न प्रकल्पों के विकास हेतु सतत प्रयासरत हैं।

भविष्य की योजनाएँ: शिक्षा के साथ आरोग्य की भी सौगात

वर्णी विकास सभा के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि आश्रम निर्माण की रूपरेखा पर कार्य तेजी से प्रगति पर है। भविष्य में यहाँ पूज्य श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी के शिष्य तथा इसी ग्राम में जन्मे पूज्य सहजानंद जी वर्णी की पावन स्मृति में आश्रम के साथ-साथ एक अत्याधुनिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र विकसित किया जाएगा।

नर्सों के ड्रेस कोड और सुरक्षा पर कंगना रनौत का बयान:

मीडिया विवादों के पीछे छिपी अस्पतालों की कड़वी सच्चाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हाल ही में, फ़िल्म एक्ट्रेस और MP कंगना रनौत का नर्सिंग प्रोफ़ेशन और उसके ड्रेस कोड को लेकर किया गया कमेंट मीडिया और सोशल मीडिया पर गरमागरम चर्चा का विषय बन गया है। हमेशा की तरह, मीडिया के एक हिस्से ने इस बयान को सिर्फ़ हेडलाइन तक सीमित करके विवाद खड़ा करने की कोशिश की है, लेकिन अगर इस मामले को गहराई से और संवेदनशीलता से देखा जाए, तो इसके पीछे नर्सिंग प्रोफ़ेशन से जुड़ी महिलाओं की एक बहुत ही गंभीर और कड़वी सच्चाई है।

सिर्फ़ ड्रेस कोड नहीं, इज़्ज़त का मुद्दा

कंगना रनौत ने न सिर्फ़ ब्रिटिश ज़माने से चले आ रहे कॉलोनियल ड्रेस कोड को बदलने की बात की है, बल्कि उन्होंने इस बहुत ही संवेदनशील मुद्दे की ओर भी इशारा किया है कि कैसे अस्पताल जैसे गंभीर वर्कप्लेस पर महिला नर्सों को 'सेक्सुअलाइज़्ड' (उन्हें यौन नज़रिए से देखना) किया जाता है। दुनिया भर में नर्सिंग के पवित्र पेशे को पोर्न इंडस्ट्री और ग्लैमर की दुनिया में 'फेटिश' की तरह दिखाया गया है, जिसका सीधा साइड इफ़ेक्ट असल ज़िंदगी में हॉस्पिटल के बेड पर पड़े कुछ मेंटली डिस्टर्ब मरीज़ों में दिखता है। नर्सों के 'चिड़चिड़े' नेचर के पीछे की असली वजह हम अक्सर आम बातचीत में यह कहते हुए सुनते हैं कि सरकारी या प्राइवेट हॉस्पिटल में नर्सें हमेशा चिड़चिड़ी या गुस्से में क्यों रहती हैं? इसे आमतौर पर काम के बोझ से जोड़ा जाता है, जो एक सच्चाई है। लेकिन इसका दूसरा और ज़्यादा डार्क साइड यह है कि महिला नर्सों को अपनी ड्यूटी के दौरान लगातार बिगड़ी हुई सोच वाले मर्दों का सामना करना पड़ता है। आजकल हॉस्पिटल में मेल नर्स (भाई) भी बड़ी संख्या में मिल जाते हैं, लेकिन वे महिला नर्सों जितने स्ट्रेस्ड या चिड़चिड़े नहीं दिखते। इसका मुख्य कारण यह है कि एक मर्द होने के नाते उन्हें वर्कप्लेस पर उस तरह के सेक्शुअल हैरेसमेंट का सामना नहीं करना पड़ता जैसा महिलाओं को करना पड़ता है। हमारे समाज में पुरुषों के एक बड़े हिस्से में आम सिविक सेंस के साथ-साथ 'पब्लिक सेंस' की भी कमी है कि हॉस्पिटल, स्कूल या ऑफिस जैसी गंभीर पब्लिक जगहों पर कैसे बर्ताव करना है। हमारा सोशल सिस्टम यह बेसिक बात समझाने में फेल रहा है कि हॉस्पिटल ज़िंदगी और मौत की जगह हैं, एंटरटेनमेंट सेंटर नहीं। कंगना रनौत के बयान को पॉलिटिकल चश्मे से देखने का सिस्टरहुड छोड़कर, हमें एक समाज के तौर पर यह सोचने की ज़रूरत है कि हम इन 'सिस्टर्स' को कैसा माहौल दे रहे हैं जो दिन-रात हमारी सेवा में मौजूद हैं? जब तक पुरुषों में हॉस्पिटल सेंस नहीं आता और नर्सों के प्रति नज़रिया पवित्र नहीं हो जाता, तब तक कोई भी कानून उनकी अंदर की इनसिक्योरिटी को दूर नहीं कर सकता।

क्या बंगाल में 'खेल' हुआ या कोई बड़ी साज़िश?

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, एक बड़ा धमाका हुआ: कोलकाता में रहस्यमयी आग में 4,000 EVM जलकर राख हो गईं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस में चल रहे गहरे अंदरूनी मतभेदों और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, कोलकाता से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जिसने पूरे देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। कोलकाता के हाई-प्रोफाइल अलीपुरद्वार इलाके में एक सरकारी बिल्डिंग में अचानक भीषण आग लग गई। यह आग आम नहीं थी, क्योंकि खबर है कि लोकतंत्र के जनादेश की रक्षा करने वाली लगभग 4,000 EVM (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) जलकर राख हो गईं। सूत्रों के मुताबिक, आग इतनी भयानक और भीषण थी कि लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के हाथ-पैर फूल गए। अनगिनत फायर सर्विस गाड़ियों के 24 घंटे तक मशक्कत करने के

बाद, मुश्किल से आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और सरकारी बिल्डिंग में रखे करोड़ों का सामान और हजारों EVM पूरी तरह से जलकर खाक हो चुके थे। इस घटना के सामने आते ही पश्चिम बंगाल की पॉलिटिक्स गरमा गई है। विपक्ष के नेता ने इस घटना को आम हादसा मानने से साफ इनकार किया है और शक जताया है कि इसके पीछे कोई बड़ा राज है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्षी नेता ने जमकर हमला बोला और कहा, 'इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच एक सरकारी बिल्डिंग में एक साथ हज़ारों EVM कैसे जल सकती हैं? यह सिर्फ़ एक हादसा नहीं है, बल्कि सबूत मिटाने की कोई बड़ी साज़िश हो सकती है। '

FIR दर्ज और जांच शुरू

देश भर में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे के बीच बंगाल पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई है। इस मामले में ऑफिशियली FIR दर्ज कर ली गई है। पुलिस और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंचकर सबूत इकट्ठा करने में जुट गई हैं। क्या यह शॉर्ट सर्किट की घटना है या जानबूझकर आग लगाई गई थी? उस दिशा में पूरी जांच की गई है। पूरे देश की नज़रें अब इस बात पर हैं कि पुलिस बंगाल की इस जलती हुई राजनीति और EVM स्कैंडल की जड़ तक कब पहुंचेगी।

अहमदाबाद में बन रहे रेलवे ओवरब्रिज के काम में तेज़ी लाने के लिए असरवा DRM ऑफिस में ज़रूरी मीटिंग हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद। अहमदाबाद मेट्रोपॉलिटन एरिया में ट्रैफिक की समस्या और डेवलपमेंट के कामों में तेज़ी लाने पर एडमिनिस्ट्रेशन लगातार नज़र रख रहा है। इसी के तहत, अहमदाबाद के असरवा में मौजूद ष्ठक्रू ऑफिस में एक ज़रूरी रिव्यू मीटिंग हुई। इस हाई-लेवल मीटिंग में, अहमदाबाद मेट्रोपॉलिटन एरिया में अलग-अलग जगहों पर बन रहे अलग-अलग रेलवे ओवरब्रिज के काम को लेकर वेस्टर्न रेलवे के अहमदाबाद डिवीज़न के DRM वेदप्रकाशजी के साथ डिटेल में रिव्यू किया गया। मीटिंग में इन ब्रिज के कंस्ट्रक्शन में आ रही टेक्निकल दिक्कतों और काम में तेज़ी लाने के प्लान पर अच्छी तरह से चर्चा हुई। इस मीटिंग में अहमदाबाद के मेयर हितेशभाई बारोट, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कल्पेश पटेल, अहमदाबाद वेस्ट के MP दिनेशभाई मकवाना, स्ख्र कौशिकभाई जैन और रेलवे और कॉर्पोरेशन के संबंधित बड़े अधिकारी खास तौर पर मौजूद थे। रेलवे और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के बीच बेहतर तालमेल पर ज़ोर दिया गया ताकि पब्लिक यूटिलिटी वाले इन ओवरब्रिज का काम समय पर पूरा हो सके, ताकि लोगों को ट्रैफिक की समस्या से जल्द ही बड़ी राहत मिल सके।

रश्तों को शर्मसार करने वाली दिल दहला देने वाली घटना; चचेरी बहन से प्रेम संबंध में रुकावट बनने पर पति की पत्नी ने बेरहमी से हत्या कर दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पंचमहल। पंचमहल जिले के गोधरा तालुका के भदरोली गांव से इंसानियत और शादी के पवित्र बंधन को शर्मसार करने वाली एक बहुत ही चौंकाने वाली और खूनी घटना सामने आई है। अवैध प्रेम संबंध के अंधे लगाव में एक पत्नी ने अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी है। इतना ही नहीं, हत्या के सबूत मिटाने के लिए पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर शव के टुकड़े-टुकड़े कर जमीन में गाड़ दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना के सामने आते ही पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया है। कज़िन से बन गया था रिश्ता पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट और जांच में सामने आई डिटेल्स के मुताबिक, भदरोली गांव में रहने वाली एक शादीशुदा औरत को अपने कज़िन (चचेरे भाई) से प्यार हो गया था। दोनों के बीच काफी समय से लव अफेयर और अक्सर मिलना-जुलना चल रहा था। पत्नी के कानूनी पति को इस नाजायज़ रिश्ते के बारे में पता चल गया। पति ने इसका विरोध किया और अपनी पत्नी को सुधरने और अपने प्रेमी से रिश्ता तोड़ने के लिए मजबूर किया। खैर, यही विरोध पति के लिए मौत का सबब साबित हुआ। आधी रात को खेला गया खूनी खेल, लाश के टुकड़े किए प्यार में अंधी पत्नी और उसके प्रेमी के कज़िन ने अपने पति को हमेशा के लिए सड़क से हटाने का एक डरावना प्लान बनाया था। प्लान के मुताबिक, रात में जब पति गहरी नींद में सो रहा था, तो दोनों ने उस पर जानलेवा हमला करके उसे मार डाला। हत्या के बाद, दोनों प्रेमियों ने अपना गुनाह छिपाने के लिए बेरहमी की सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने बेरहमी से लाश के टुकड़े किए और टुकड़ों को सुनसान जगह पर दफना दिया ताकि किसी को शक न हो। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया, पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पति के अचानक गायब होने पर परिवार और आस-पास के लोगों को शक हुआ, इसलिए पुलिस को इसकी जानकारी दी गई।

छोटाउदेपुर जिले में फर्जी डॉक्टरों की बाढ़ आ गई है। कोलकाता का एक फर्जी डॉक्टर नसवाड़ी के कंधा गांव में कैमरे में कैद हुआ।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। आदिवासी इलाकों में गरीब मरीजों की सेहत से खुलेआम छेड़छाड़। गुजरात मेडिकल काउंसिल की फर्जी डिग्री लेकर किराए के मकान में चल रहा था क्लिनिक। जांच करने पहुंचे ब्लॉक हेल्थ ऑफिसर: प्रशासन की मिलीभगत पर उठे सवाल। छोटाउदेपुर जिले के दूरदराज के आदिवासी इलाकों में फर्जी डॉक्टरों की बाढ़ आ गई है, जो गरीब और भोले-भाले मजदूरों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। जिले के हर गांव में ऐसे फर्जी डॉक्टर मुंह खोले बैठे हैं। हाल ही में नसवाड़ी तालुका के कंधा गांव में ऐसा ही एक फर्जी डॉक्टर कैमरे में रंगे हाथों पकड़ा गया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना की खबर मिलते ही नसवाड़ी के ब्लॉक हेल्थ ऑफिसर जांच करने पहुंचे। मिली जानकारी के मुताबिक, प्रदीप सुकुमार सरकार नाम का एक प्रवासी व्यक्ति, जो नसवाड़ी तालुका के कंधा गांव में किराए के मकान में बिना किसी सरकारी डिग्री या योग्यता के क्लिनिक चला रहा था। इस व्यक्ति ने अपने क्लिनिक में

गुजरात स्टेट मेडिकल काउंसिल की एक नकली डिग्री भी रखी थी, ताकि स्थानीय लोगों को ठगा जा सके। जांच के दौरान, उसके नकली क्लिनिक में एक बिस्तर और बड़ी मात्रा में एलोपैथिक दवाएं और इंजेक्शन मिले। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, प्रवासी क्षेत्र से आने वाले ऐसे फर्जी डॉक्टर गांवों में किराए के मकान लेकर गैर-कानूनी प्रैक्टिस शुरू कर देते हैं। इस बारे में स्थानीय पुलिस स्टेशन में कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। हैरानी की बात यह है कि छोटा उदेपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों की जिम्मेदारी होने के बावजूद, ये फर्जी डॉक्टर उनकी आंखों के सामने गरीब आदिवासियों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खेल रहे हैं। इस घटना के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या जिला स्वास्थ्य विभाग सिर्फ कागजों पर काम करता है? बिना डिग्री के एलोपैथिक दवाइयां देने वाले इन नकली डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कब होगी? क्या सिस्टम तभी जागेगा जब किसी बेगुनाह आदिवासी की जान चली जाएगी? फिलहाल, ब्लॉक हेल्थ ऑफिसर ने जांच कर ली है, तो देखना होगा कि क्या सिर्फ इस नकली डॉक्टर को नोटिस देकर मामला निपटा दिया जाएगा या जिले भर में ऐसे दूसरे स्कैमर भी जेल में बंद कर दिए जाएंगे?

सार समाचार...

गांधीनगर में कोरोना की एंट्री से फिर दहशत; चारधाम यात्रा से लौटी 51 साल की महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। लंबे समय की शांति के बाद, ग्लोबल महामारी कोरोना वायरस ने एक बार फिर राज्य की राजधानी गांधीनगर में एंट्री कर ली है, जिससे वहां के लोगों और प्रशासन में भारी दहशत है। चारधाम की पवित्र यात्रा से लौटी 51 साल की महिला कोरोना इन्फेक्टेड पाई गई है। पॉजिटिव केस कन्फर्म होते ही गांधीनगर हेल्थ डिपार्टमेंट तुरंत एक्शन मोड में आ गया। मिली जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर में रहने वाली 51 साल की महिला हाल ही में उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर गई थी। वहां से लौटने के बाद उसके शरीर में बुखार, सर्दी और खांसी जैसे कोरोना के शुरुआती लक्षण दिखे। संदिग्ध लक्षण दिखने पर उसका Covid-19 टेस्ट कराया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। महिला की तबीयत और बिगड़ने से रोकने के लिए उसे तुरंत गांधीनगर के सिविल हॉस्पिटल के एक स्पेशल वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहाँ डॉक्टरों की एक टीम उसकी निगरानी कर रही है। गांधीनगर में कोरोना का नया केस दर्ज होते ही हेल्थ अधिकारी अलर्ट हो गए हैं।

भरूच में दिल दहला देने वाला डबल मर्डर; तलाक न मिलने से गुस्साए ससुर ने बहू और उसके पति को चप्पू से 67 बार बेरहमी से पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। इंडस्ट्रियल शहर भरूच में एक हैरान करने वाली, बेरहम और खूनी घटना सामने आई है। भरूच शहर में एक पारिवारिक झगड़े से गुस्साए ससुर ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। पत्नी के तलाक न देने से गुस्साए ससुर ने चप्पू से अनगिनत वार करके दोनों की बेरहमी से हत्या कर दी, जिससे पूरे जिले में

तलाक के झगड़े में खेला गया खूनी खेल

पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट और सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, भरूच में एक परिवार में काफी समय से झगड़ा चल रहा था। ससुराल वाले अपनी बहू अलिफिया से तलाक चाहते थे, लेकिन अलिफिया इस तलाक के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी। इससे गुस्साए ससुराल पक्ष के लोग उन्हें लगातार मेंटली और फिजिकली टॉर्चर कर रहे थे। इस दौरान झगड़ा इतना बढ़ गया कि बात सीधे मर्डर तक पहुंच गई। दोनों पक्षों के बीच चल रहे झगड़े के दौरान आरोपी ससुर ने गुस्से में आकर अपनी बहू अलिफिया पर एक के बाद एक धारदार चप्पू से 44 घाव कर दिए। अपनी बेटी को बचाने के लिए बीच में आई अलिफिया की मां शहनाजबेन पर भी बेरहम ससुर ने बिना किसी रहम के 23 घाव कर दिए। दोनों महिलाएं लहूलुहान हालत में मौके पर ही गिर गईं और तड़प-तड़प कर उनकी जान चली गई। आस-पास के इलाके से लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

13 जून 2026 का दैनिक राशिफल

जानिए आज सितारे आपके लिए क्या संदेश लेकर आए हैं

मेष (Aries)
आज आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।
शुभ रंग: लाल | शुभ अंक: 9

वृषभ (Taurus)
धैर्य और समझदारी से लिए गए निर्णय लाभदायक साबित होंगे। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।
शुभ रंग: सफेद | शुभ अंक: 6

मिथुन (Gemini)
नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। विद्यार्थियों को सफलता मिल सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात संभव है।
शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 5

कर्क (Cancer)
परिवार का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। अनावश्यक तनाव से बचें।
शुभ रंग: सिल्वर | शुभ अंक: 2

सिंह (Leo)
नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।
शुभ रंग: सुनहरा | शुभ अंक: 1

कन्या (Virgo)
आज योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।
शुभ रंग: नीला | शुभ अंक: 7

तुला (Libra)
संतुलित व्यवहार आपके लिए लाभदायक रहेगा। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। निवेश से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें।
शुभ रंग: गुलाबी | शुभ अंक: 8

वृश्चिक (Scorpio)
आज आपका पराक्रम बढ़ा हुआ रहेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।
शुभ रंग: मैरून | शुभ अंक: 4

धनु (Sagittarius)
भाग्य का साथ मिलेगा। करियर और व्यापार में प्रगति के संकेत हैं। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।
शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 3

मकर (Capricorn)
मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में सतर्कता बनाए रखें।
शुभ रंग: भूरा | शुभ अंक: 8

कुंभ (Aquarius)
नई सोच और रचनात्मकता आपको आगे बढ़ाएगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें।
शुभ रंग: आसमानी | शुभ अंक: 11

मीन (Pisces)
भावनाओं पर नियंत्रण रखकर निर्णय लें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।
शुभ रंग: बैंगनी | शुभ अंक: 7

आज का विशेष संदेश
"सफलता उन्हीं को मिलती है जो परिस्थितियों का इंतजार नहीं करते, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में बनाना जानते हैं।"

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

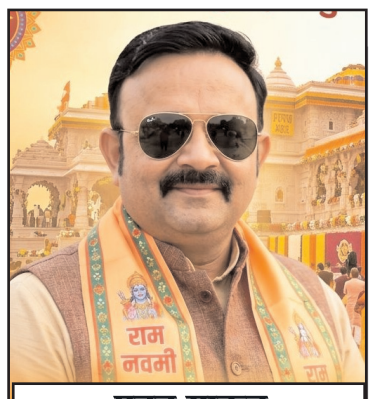

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई और अर्थव्यवस्था पर मंडराता संकट? -व्यापक समग्र विश्लेषण...

ईरान नें होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं.

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद से केवल क्षेत्रीय नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका की संभावना?, इस जलमार्ग में व्यवधान का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गया है। 11 जून 2026 को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य, को सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों के लिए बंद करने की घोषणा कर दी। ईरानी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को निशाना बनाया जाएगा। यह कदम कथित रूप से अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री टकराव तथा अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के बाद उठाया गया है। इसके साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी बेचैनी फैल गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 95.40 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई लगभग 92.6 डॉलर प्रतिबैरल तक पहुंच गया है। दुनियाँ की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है, इसलिए इस घटनाक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने भी खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर बढ़ते हमलों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताव्यक्त की है। वर्तमान घटनाक्रम केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह बिल्कुल सही है कि होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व ऊर्जा व्यवस्था की धुरी माना जाता है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा समुद्री मार्ग सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, इराक और ईरान जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के निर्यात का मुख्य रास्ता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करोड़ों बैरल तेल और विशाल मात्रा में एलएनजी इसी मार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचती है। यही कारण है कि जब भी इस जलमार्ग में व्यवधान आता है, उसका असर सीधे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर दिखाई देता है। वर्तमान संकट में भी निवेशकों और ऊर्जा कंपनियों ने आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए तेल खरीदना शुरू कर दिया,जिसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तत्काल उछाल देखने को मिला।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहली प्रतिक्रिया तेल कीमतों में तेजी के रूप में सामने आई है। ब्रेंट क्रूड लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है जबकि डब्ल्यूटीआई भी 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है या सैन्य संघर्ष और बढ़ता है तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ने की आशंका है क्योंकि ऊर्जा लागत लगभग हर आर्थिक गतिविधि को प्रभावित करती है।

साथियों, भारत के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी आवश्यकता का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से पूरा होता है और उसका एक बड़ा भाग होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। इसलिए इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का सीधा असर भारतीय ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। यदि तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत का आयात बिल बढ़ेगा,चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। ऊर्जा आयात पर बढ़ती लागत अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचती है और महंगाई को बढ़ावा देती है।सबसे पहला प्रभाव पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर दिखाई दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से भारतीय तेल विपणन कंपनियों की लागत बढ़ जाती है। यदि मौजूदा तनाव कुछ और दिनों या सप्ताहों तक बना रहता है तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का अनुमान है कि लंबी अवधि तक ऊंचे तेल मूल्य बने रहने पर ईंधन की कीमतों में कई रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और परिवहन क्षेत्र पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा हैं। डीजल की कीमत बढ़ने का अर्थ है कि ट्रकों, बसों और मालवाहक वाहनों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी। जब परिवहन महंगा होता है तो फल, सब्जियां, दूध, अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। यही कारण है कि तेल कीमतों में वृद्धि को अक्सर 'महंगाई की जननी' कहा जाता है। एक बार यदि ईंधन लागत बढ़ती है तो उसका असर अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में सटीकता से दिखाई देता है।

साथियों, 7 जून 2026 से मृग लग गया है व खेती के कार्य शुरू हो चुके हैं, कृषि क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं रहेगा। भारत में सिंचाई, कृषि मशीनरी और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा डीजल पर निर्भर है। डीजल महंगा होने से किसानों की लागत बढ़ेगी और इसका असर खाद्यान्न कीमतों पर पड़ सकता है। इसके अलावा उर्वरक उद्योग प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर है। यदि ऊर्जा लागत बढ़ती है तो उर्वरकों का उत्पादन भी महंगा हो सकता है।विमानन क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ सकता है। विमान ईंधन की लागत एयरलाइंस के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा होती है। यदि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में वृद्धि संभव है। इससे पर्यटन उद्योग, व्यापारिक यात्राओं और विमानन क्षेत्र की मांग पर असर पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए चिंता का एक और बड़ा विषय एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति है। भारत कतर सहित खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में एलएनजी आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि इस मार्ग में लंबे समय तक व्यवधान रहता है तो सीएनजी और पीएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ- साथ बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण और औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि स्थिति गंभीर है, लेकिन भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। पिछले वर्षों में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद हैं जिनका उपयोग आपातकालीन परिस्थितियों में किया जा सकता है।विशाखापट्टनम मैंगलोर और पादुर जैसेस्थानों पर स्थापित भूमिगत भंडारण सुविधाएं सीमित अवधि के लिए देश को राहत प्रदान कर सकती हैं। ये भंडार किसी भी अचानक आपूर्ति संकट के दौरान महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित हो सकते हैं।इसके अतिरिक्त भारत नेऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को एक वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत उपलब्ध कराया है। रूस से आने वाला तेल सामान्यतः अन्य समुद्री मार्गों से आता है, इसलिए होर्मुज संकट की स्थिति में यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकता है। यदि आवश्यकता हुई तो भारत रूस तथा अन्य गैर-खाड़ी आपूर्ति कताओं से आयात बढ़ाने की दिशा में सटिका से कदम उठा सकता है।

साथियों, सऊदी अरब, यूएई और अन्य खाड़ी देशों के पास भी कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग उपलब्ध हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल निर्यात किया जा सकता है। हालांकि ये मार्ग होर्मुज के पूर्ण विकल्प नहीं हैं, फिर भी वे वैश्विक बाजार में आपूर्ति के पूर्ण ठहराव को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसी कारण ऊर्जा बाजारों में अभी भी आशा बनी हुई है कि राजनयिक प्रयासों के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित किया जा सकेगा। भू-राजनीतिक दृष्टि से यह संकट केवल तेल या गैस तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व समुद्री व्यापार के सबसे संवेदनशील मार्गों में से एक है। इसके बंद होने से बीमा लागत, माल ढुलाई शुल्क और शिपिंग समय में वृद्धि होती है। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कोविड-19 महामारी और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही आपूर्ति व्यवधानों का अनुभव कर चुकी है; ऐसे में होर्मुज संकट नई चुनौतियां पैदा कर सकता है।

साथियों, भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते हमले और समुद्री असुरक्षा वैश्विक व्यापार तथा भारतीय नागरिकों दोनों के लिए चिंता का विषय हैं। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों, व्यापारिक जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसलिए नई दिल्ली स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक समाधान का समर्थन कर रही है। वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि यह संकट कितने समय तक चलता है। यदि राजनयिक प्रयास सफल होते हैं और जलडमरूमध्य जल्द खुल जाता है तो तेल बाजारों में स्थिरता लौट सकती है। लेकिन यदि सैन्य टकराव बढ़ता है या मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। तेल की कीमतें तीन अंकों तक पहुंच सकती हैं, महंगाई बढ़ सकती है और कई आयात- निर्भर देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक व्यापार, महंगाई, समुद्री सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता,सभी इस एक समुद्री मार्ग से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए यह समय ऊर्जा स्रोतों में विविधता, रणनीतिक भंडारों के विस्तार और दीर्घकालिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयासों को और तेज करने का है।आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया पर टिकी रहेंगी, क्योंकि होर्मुज की स्थिति केवल तेल की कीमतों का नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी निर्धारण करेगी।

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ हिंसा

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती। देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है? दरअसल, आज लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हिंसा कई रूपों में मौजूद है। आजादी के सात दशक बाद भी हम दहेज के कलंक से मुक्त नहीं हो पाये हैं।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

हिम्मत का असली मतलबः मुश्किलों के आगे झुकना नहीं, बल्कि लड़ना ही ज़िंदगी की असली जीत है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ज़िंदगी का एक सीधा-सा नियम है - जो डरता है, रुक जाता है; और जो हिम्मत करता है, वो इतिहास बनाता है। हम अक्सर मान लेते हैं कि हिम्मत का मतलब है डर का न होना, या ऐसी हालत जहाँ मुश्किलें न हों। लेकिन असल में, मुश्किलों का न होना हिम्मत नहीं है। मुश्किलों का सामना करने, उनका डटकर सामना करने और उन्हें जीतने की ताकत और दिमागी हिम्मत ही सच्ची हिम्मत है। हिम्मत सिर्फ़ शरीर की ताकत का दिखावा नहीं है, बल्कि अंदर की ताकत का नतीजा है।

चुनौतियाँः हम तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि बनाने के लिए बने हैं।

जब भी हमारी ज़िंदगी में कोई नया चैलेंज या मुश्किल आती है, तो लोग अक्सर घबरा जाते हैं। लेकिन कुदरत का नियम है कि सोना भी आग में तपकर ही खरा और चमकदार बनता है। इसी तरह, हर चैलेंज हमें तोड़ने नहीं, बल्कि हमारे अंदर छिपी असली ताकत को बाहर लाने और हमें बनाने आता है।

हर छोटी या बड़ी मुश्किल इंसान को अंदर से ज़्यादा मज़बूत और मैच्योर बनाती है। रास्ते में आने वाली हर रुकावट एक स्पीड ब्रेकर की तरह होती है, जो कुछ पलों के लिए हमारी स्पीड धीमी कर सकती है, लेकिन यह हमें ज़्यादा सावधान रहने और नया रास्ता खोजने की प्रेरणा देती है। जब आप एक के बाद एक रुकावटों को पार करते हैं, तो आपका कॉन्फिडेंस सातवें आसमान पर पहुँच जाता है और फिर चाहे कितना भी बड़ा तूफ़ान क्यों न हो, वह आपको हिला नहीं सकता।

निडरता तरक्की की पहली सीढ़ी है।

डरकर बैठने, किस्मत के भरोसे रहने से कभी कामयाबी नहीं मिलती। एडवेंचरस होने का मतलब है नतीजों की चिंता किए बिना सच और अपने सपनों के लिए लड़ना। डर तो सबको लगता है, लेकिन उस डर को खुद पर हावी न होने देना और डर के बावजूद आगे बढ़ते रहना ही सच्ची निडरता है।

जब आप नाकामी के डर को अपने मन से निकालकर तरक्की की राह पर निडर होकर आगे बढ़ते हैं, तो पूरी कायनात और यहाँ तक कि हालात भी आपके लिए रास्ता बनाने को मजबूर हो जाते हैं। आपकी हिम्मत आपकी सबसे बड़ी साथी बन जाती है।

दुनिया हमेशा संघर्ष करने वालों को सलाम करती है।

इस दुनिया का एक कड़वा लेकिन सच्चा नियम हैः यह दुनिया उन लोगों को कभी याद नहीं रखती जो हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं, रोते हैं या आधे रास्ते में हार मान लेते हैं। इतिहास हमेशा वही लिखते हैं जिन्होंने मुश्किलों के सामने घुटने टेकने के बजाय लड़ना चुना है। जिनमें कुछ करने का जज़्बा होता है, जो हवा के उलटे रुख में भी, समय के खिलाफ होने पर भी अपना दीया जलाए रखने की हिम्मत रखते हैं। क्योंकि दुनिया आखिर में हिम्मत वालों को ही सलाम करती है! कामयाबी देर से मिल सकती है, लेकिन हिम्मत करने वाला इंसान कभी हारता नहीं; या तो वो जीतता है या कुछ नया सीखता है।

आज हिम्मत का एक कदम बढ़ाओ

गुजराती सदियों से अपनी हिम्मत के लिए जाने जाते हैं। चाहे सात समंदर पार जाकर बिज़नेस करना हो या कुछ नया बनाना हो, हिम्मत हमारे खून में है। इसलिए, आज अपने मन से नाकामी के डर को हमेशा के लिए अलविदा कह दो। मुश्किलों के डर से पीछे हटने के बजाय, हिम्मत का हाथ थामो, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखो और अपने सपनों की तरफ एक मज़बूत कदम बढ़ाओ। याद रखना, पक्के इरादे वाले मुसाफिर को हिमालय भी नहीं रोक सकता!

देश की पॉलिटिक्स में 'कॉकरोच' की एंट्री! अभिजीत दीपके ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनाई; एजुकेशन के मुद्दे पर देश भर में आंदोलन शुरू

फाउंडर का सनसनीखेज दावा कि PM मोदी के साथ वायरल तस्वीर पूरी तरह फेक और AI से बनी है; पुणे से आंदोलन शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। देश के पॉलिटिकल सीन पर नई-नई पार्टियां आती रहती हैं, लेकिन महाराष्ट्र के पुणे शहर से एक बहुत ही अजीब और हैरान करने वाली पॉलिटिकल घटना सामने आई है। सोशल मीडिया पर एक जाना-माना चेहरा अभिजीत दीपके ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम से एक नई पार्टी बनाने का ऑफिशियली अनाउंसमेंट किया है। जैसे ही इस यूनिक नाम वाली पार्टी का अनाउंसमेंट हुआ, देश भर के पॉलिटिकल गलियारों में काफी उत्सुकता और चर्चा शुरू हो गई है।

सफाई कि PM मोदी के साथ तस्वीर फेक है

पार्टी के अनाउंसमेंट के साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अभिजीत दीपके की एक तस्वीर वायरल हो रही थी। इस तस्वीर ने कई तरह के अंदाज़ों को जन्म दिया था। हालांकि, इस विवाद पर विराम लगाते हुए फाउंडर अभिजीत दीपके ने रिपोर्टर्स से कहा, 'सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ मेरी जो तस्वीर घूम रही है, उसका असलियत से कोई लेना-देना नहीं है। वह तस्वीर पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनी है, यानी फेक है।' उन्होंने लोगों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील भी की है।

देश भर में आंदोलन और पुणे से 'एजुकेशन मैनिफेस्टो'

यह इशारा करते हुए कि कॉकरोच जनता पार्टी सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहती, अभिजीत दीपके ने पुणे से देश भर में आंदोलन शुरू किया है। पार्टी के शुरुआती एजेंडे के तौर पर उन्होंने देश के मौजूदा एजुकेशन सिस्टम को प्राथमिकता दी है। इस आंदोलन की शुरुआत के साथ ही पार्टी ने एक बड़ा 'एजुकेशन मैनिफेस्टो' जारी किया है। इस मैनिफेस्टो में देश के युवाओं, स्टूडेंट्स के अधिकारों और एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े सुधारों की मांग की गई है। अभिजीत दीपके के मुताबिक, उनकी पार्टी देश के बुनियादी मुद्दों को सुलझाने के लिए काम करेगी। पॉलिटिक्स में चर्चा का टॉपिकएक तरफ पार्टी का अजीब नाम और दूसरी तरफ एजुकेशन का सीरियस मुद्दा - इन दोनों के कॉम्बिनेशन की वजह से CJP सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों के बीच काफी अट्रैक्शन का सेंटर बन गया है। पॉलिटिकल एनालिस्ट्स का मानना है कि यह एक यूनिक डिजिटल कैंपेन हो सकता है

पंखे पर झूलती मां की लाश, पास में रोती ढाई साल की मासूम...लखनऊ में दहेज प्रताड़ना की भयानक तस्वीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में एक विवाहिता का शव किराए के मकान में फंदे से लटका मिला. घटना के समय कमरे में मौजूद ढाई साल की मासूम बच्ची अपनी मां के शव के पास रोती मिली. मृतका के पिता ने पति और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना तथा पैसों की मांग के गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके बाद पुलिस जांच में जुटी है. उत्तर प्रदेश में लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां के एक किराए के मकान में विवाहिता का शव पंखे से लटका हुआ बरामद किया गया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इस मामले में मृतका के पिता ने दामाद और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है. जौनपुर जिले के महुआरी निवासी सूरज लाल यादव की बेटी प्रियंका यादव की शादी साल 2021 में अजय कुमार यादव से हुई थी. अजय राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलेक्ट्रिशियन के पद पर तैनात है. प्रियंका अपनी ढाई साल की मासूम बेटी के साथ कुल्लीखेड़ा में किराए के कमरे पर रह रही थी. बुधवार शाम को जब प्रियंका ने परिजनों का फोन नहीं उठाया, तो अनहोनी की आशंका में परिवार ने मकान मालिक को इसकी जानकारी दी. मकान मालिक जब कमरे पर पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गए. कमरे के भीतर ढाई साल की बच्ची बिलख-बिलख कर रो रही थी और प्रियंका का शव पंखे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका हुआ था. विवाहिता की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया है. मृतका के पिता सूरज लाल यादव ने दामाद अजय यादव पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं.

भोपाल में पटाखा दुकान में लगी भीषण आग, दमकल की 10 गाड़ियों ने पाया काबू, तीन घंटे तक चला ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। बैरागढ़ रोड में पटाखों की एक दुकान में अचानक धमाकों से दहल उठा। पटाखा दुकान में अचानक आग लगने से चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के कारण पटाखों में बार-बार धमाके होते रहे और आग की लपटें करीब 70 फीट ऊपर तक उठ गईं। जानकारी के अनुसार, पटाखा दुकान हलालपुरा में मुख्य सड़क किनारे ही है। आग तड़के में लगने के कारण मार्केट में भीड़-भाड़ नहीं थी जिस कारण से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की टीम और प्रशासन मौके पर पहुंचा। जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण पर लिया गया।

तीन घंटे से ज्यादा चला ऑपरेशन

स्थानीय लोगों के अनुसार, बैरागढ़ रोड स्थित सुंदर वन गार्डन के ठीक सामने सोनी पटाखा दुकान है। इसी दुकान में तड़के करीब साढ़े 3 बजे आग लगी। आग लगने के कारण पटाखे में धमाके होने लगे। धीरे-धीरे आग की लपटें चारों तरफ दिखाई देने लगी। जिसके बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

क्या कहा फायर अधिकारी ने

फायर ऑफिसर इक्तार शाह ने कहा, 'हमें सुबह 3:55 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। तत्काल दमकल की लगभग 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया है।' उन्होंने बताया कि फतेहगढ़, बैरागढ़, गांधीनगर समेत कई फायर स्टेशनों से दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की मशक्त की।

दमकल की 10 गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

तीन घंटे से ज्यादा चला रेस्क्यू ऑपरेशन शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि आग किस कारण से लगी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। मामले की जांच के बाद ही खुलासा होगा कि आग किस कारण से लगी है।

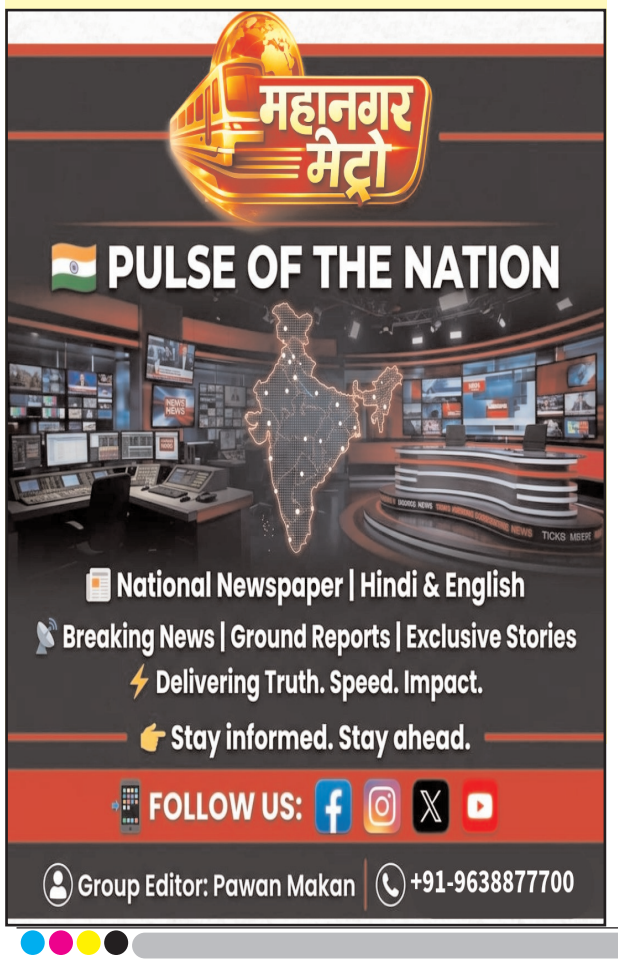

'रिटर्निंग ऑफिसर की पृष्टिभूमि RSS की', जीतू पटवारी बोले- जीत का प्रमाण पत्र देने सुबह ही पहुंच गए, हमसे मिले तक नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका के मामले में कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। राज्यसभा चुनाव में रिटर्निंग ऑफिसर ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। लेकिन कोर्ट ने इस मामले में लगाई गई याचिका को खारिज कर दिया।

रिटर्निंग ऑफिसर की पृष्टिभूमि पर उठाए सवाल

याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस ने ट्वीट कर बीजेपी पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- 'मीनाक्षी नटराजन के नामांकन मामले में जो रिटर्निंग ऑफिसर है, उसकी पृष्ठभूमि संघ की है। इससे पहले जब एक विधायक ने सदस्यता ली थी, तब भी उनकी भूमिका संदिग्ध थी। कल जब BJP के तीन राज्यसभा सांसद चुने गए तो रिटर्निंग ऑफिसर सुबह 8:30 बजे ही ऑफिस पहुंच गए थे। लेकिन जब हम उम्मीदवारी निरस्त करने के विरोध में भोपाल चुनाव आयोग ऑफिस के सामने बैठे रहे, वहीं सोए तो कोई संज्ञान नहीं लिया गया और हमसे कहा गया कि रिटर्निंग ऑफिसर सुबह 11 बजे मिलेंगे। यानी जिस तरह से रिटर्निंग ऑफिसर ने रवैया अपनाया, वह लोकतंत्र पर काला धब्बा है। जीतू पटवारी ने कहा- इसी मामले पर केसी वेणुगोपाल जी के नेतृत्व में हमारा प्रतिनिधमंडल आवेदन लेकर दिल्ली स्थित केंद्रीय चुनाव आयोग के ऑफिस भी गया था। मगर हमारे उस आवेदन पर न संज्ञान लिया गया और न हमें वापस कोई निर्देश दिया गया। ये पूरा रवैया दिखाता है कि नरेंद्र मोदी ने लोकतंत्र को मार दिया है। मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत सुप्रीम कोर्ट ने नटराजन की याचिका को किया खारिज जीतू पटवारी ने केंद्र सरकार पर बोला हमला कहा- रिटर्निंग अधिकारी ऋस्स के पृष्ठभूमि से आते हैं 9 जून को निरस्त हुआ था नामांकनराज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। मीनाक्षी नटराजन ने आखिरी दिन नामांकन दाखिल किया था। उसे बाद 9 तारीख को स्कूटनी के दौरान बीजेपी ने नामांकन फॉर्म में तेलंगाना का केस छिपाने की आपत्ति लगाई थी जिसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने मीनाक्षी नटराजन को अपना पक्ष करने का समय दिया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद रिटर्निंग अधिकारी ने नामांकन निरस्त कर दिया था।

यूट्यूबर बनाम पुलिसः 10 लाख की चोरी पर भड़कीं रचना गुर्जर, बोलीं- बनना पड़ेगा झांसी की रानी; एसपी का दो टूक जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। जिले के मगरौनी इलाके की यूट्यूबर रचना गुर्जर सुर्खियों में हैं. उनके घर कुछ दिनों पहले एक बड़ी चोरी की घटना हुई थी. इस मामले में चोरों की पूरी हरकत घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई थी. करीब 10 लाख रुपये की इस बड़ी चोरी के बाद अब पीड़ित यूट्यूबर रचना गुर्जर और शिवपुरी पुलिस आमने-सामने आ गए हैं. रचना गुर्जर लगातार सोशल मीडिया पर वीडियो और पोस्ट डालकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रही हैं. यूट्यूबर रचना गुर्जर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वीडियो जारी कर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि वारदात के दिन की पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रही है, इसके बावजूद पुलिस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी में ढील बरत रही है. अपने हालिया वीडियो में रचना गुर्जर ने बेहद आक्रामक रुख

अपनाते हुए कहा, 'यदि पुलिस ने इस मामले में सही तरीके से और जल्द कार्रवाई नहीं की, तो मुझे अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी. मैं न्याय के लिए 'झांसी की रानी' बनने से भी पीछे नहीं हटूंगी.' देखें VIDEO- महिला पुलिस कप्तान का दोटूक जवाब पुलिस की कार्यप्रणाली और नीयत पर सरेआम उठाए जा रहे सवालों को लेकर शिवपुरी की पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने बेहद कड़ा और स्पष्ट रुख अपनाया है. मीडिया से बात करते हुए एसपी ने साफ किया कि पुलिस किसी के सोशल मीडिया वीडियो के दबाव में आकर काम नहीं करती.एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने कहा, 'पुलिस इस चोरी के मामले में स्थापित कानूनी प्रक्रिया के तहत पूरी मुस्तैदी से काम कर रही है. चोरों की तलाश और साक्ष्यों को जुटाने में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही नहीं बरती जा रही है. यदि कोई सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहा है या बयानबाजी कर रहा है, तो उससे पुलिस को कोई लेना-देना नहीं है. कानून अपना काम अपने तरीके से और सही दिशा में कर रहा है. यह पूरा विवाद शिवपुरी जिले की मगरोनी चौकी क्षेत्र का है, जहां कुछ दिनों पहले चोरों ने यूट्यूबर रचना गुर्जर के सूने घर को निशाना बनाया था. चोर घर से करीब 10 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेट ले गए थे. चूंकि मामला एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से जुड़ा है और इसमें 'झांसी की रानी' जैसे भारी-भरकम शब्दों का इस्तेमाल कर पुलिस को घेरा जा रहा है, इसलिए यह खबर पूरे अंचल में चर्चा का विषय बनी हुई है.

'फॉर्म में ऐसा कॉलम ही नहीं', राज्यसभा नॉमिनेशन रद्द होने पर मीनाक्षी नटराजन ने किया ये दावा

चुनाव आयोग ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नॉमिनेशन खारिज कर दिया था. ऐसा कहा गया कि मीनाक्षी नटराजन ने जानकारी छिपाई है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया था. कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग के फैसले को लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है. सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले कांग्रेस पार्टी ने इस विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना पक्ष रखा है. राज्यसभा चुनाव में मध्य प्रदेश की एक सीट से नामांकन करने वाली मीनाक्षी नटराजन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है. सुप्रीम कोर्ट में इस याचिका पर सुनवाई होनी है. उन्होंने कहा कि मामला कोर्ट में है और मैं कोर्ट में अपना पक्ष रखूंगी. यहां ज्यादा कुछ नहीं कहूंगी. मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि एक बात जो पब्लिक डोमेन में है, मैं उस पर बात करना चाहती हूं. उन्होंने कहा कि ऐसा प्रचारित किया जा रहा है कि मैंने फॉर्म 26 में इस तथ्य की जानकारी नहीं दी थी, जानकारी छिपाई थी. मीनाक्षी नटराजन ने दावा किया कि जो जानकारी छिपाने का प्रचार किया जा रहा है, वैसी जानकारी के लिए फॉर्म 26

में कोई कॉलम ही नहीं है. उन्होंने कहा कि फॉर्म 26 में ऐसा कोई कॉलम दिया ही नहीं गया है, जिसमें किसी निजी और अनियमित शिकायत (रैंडम प्राइवेट कंप्लेंट) का उल्लेख किया जा सके. मीनाक्षी नटराजन ने दावा किया है कि फॉर्म 26 में कोई भी जानकारी छिपाई नहीं गई है. उन्होंने कहा है कि फॉर्म 26 में जितनी भी जानकारियों का कॉलम होता है, वह सभी जानकारियां मेरी ओर से दी गई हैं. मीनाक्षी नटराजन ने कहा है कि हमने वह सभी जानकारियां फॉर्म 26 में दी हैं, जिनके कॉलम दिए गए हैं. हम कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे. वहीं, मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दावा किया कि पार्टी के 61 विधायक यहां मौजूद हैं. उन्होंने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह हमारी पार्टी से डर गए हैं. जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश में बीजेपी नेतृत्व भी हमसे भयभीत है और इसलिए ही हमारी पार्टी के उम्मीदवार का नामांकन खारिज कराया गया.

गोरखपुर में पीएसी वाहन की चपेट में आने से दो युवकों की दर्दनाक मौत, परिजनों ने सड़क पर किया हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में नौसढ़ के पास गोरखपुर की तरफ से आ रही पीएसी वाहन ने दो युवकों को रौंद दिया। देखते ही देखते मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर सीओ गीडा सहित अतिरिक्त पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों युवकों को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिजनों और ग्रामीणों में हाहाकार मच गया

चौराहा पर चक्का जाम

उन्होंने नौसढ़ चौराहा पर चक्का जाम कर दिया, जिसकी वजह से घंटों यातायात बाधित रहा ,बड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह पुलिस द्वारा समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया गया। गीडा थाना क्षेत्र अंतर्गत नौसढ़ के पास गुरुवार की देर शाम हुए एक भीषण हादसे में दो युवकों की जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार, युवक बाइक से ट्रांसपोर्ट नगर नौसढ़ की ओर जा रहे थे,कि इसी दौरान गोरखपुर की ओर से आ रही पीएसी वाहन ने उन्हें रौंद दिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें उपचार के लिए BRD मेडिकल कॉलेज लाया गया,लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिय। कुछ घंटे तक आवागमन बाधित रहा आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने हजारों की संख्या में पहुंचकर गोरखपुर -लखनऊ मार्ग को बाधित करने की कोशिश की, कुछ घंटे तक आवागमन बाधित भी रहा। जानकारी होते ही मौके पर जिले के तमाम आलाधिकारी और भारी पुलिस फोर्स भी पहुंच गई, काफी मशक्कत के बाद हंगामा कर रहे लोगों को समझा बुझा कर मामला शांत कराया। परिजनों का आरोप था कि पीएसी की वाहन ने उल्टी दिशा में आकर दुर्घटना को अंजाम दिया है। आरोप था कि यह हादसा पूरी तरह पीएससी वाहन चालक की गलती की वजह से हुआ है।

लखनऊ से दिल?ली जा रही इंडिगो फ्लाइट में बम लिखा टिशू पेपर मिलने से सनसनी, घंटों परेशान रहे पैसेंजर्स

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से ठीक पहले विमान के टॉयलेट में बम लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला। लखनऊ से सुबह 11.15 बजे इंडिगो एयरलाइन के दिल्ली जाने वाले विमान 6ई2111 के टॉयलेट में किसी ने एक टिश्यू पेपर पर बम होने की सूचना लिखकर रख दिया। इसके बाद विमान को एसटीसी से संपर्क के बाद टैक्सी वे एरिया में लाया गया। सीआईएसएफ सहित सभी सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों और उनके सामान को उतार दिया है। विमान और सामान की तलाशी ली गई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत करीब 180 यात्रियों वाली इस फ़्लाइट को तुरंत एप्रन पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा कर्मियों द्वारा विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध या हानिकारक वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद इस खतरे को पूरी तरह झूठा करार दिया गया। आवश्यक सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते विमान की उड़ान में देरी हुई।

विमान में मौजूद 180 यात्रियों का धड़कता रहा दिल

अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान कोई विस्फोटक या हानिकारक पदार्थ नहीं मिला और आगे की कानूनी और सुरक्षा प्रक्रियाएं चल रही हैं कि टिशू पेपर पर बम शब्द किसने लिखा और इसके पीछे किसका हाथ है। इस पूरी छानबीन के दौरान विमान में बैठे 180 यात्री परेशान होते रहे। सुरक्षा कर्मियों द्वारा विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध या हानिकारिक वस्तु नहीं मिली। गौरतलब है कि यह कोई पहली बार नहीं है

13 साल ऐसे कम कर ली उम्र, लेकिन सबके सामने चेहरे से खुल गई पोल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। एक युवक ने अपनी उम्र 13 साल कम कर ली. यह हुआ बांदा में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान. जहां केंद्र प्रभारी को एक अभ्यर्थी की उम्र को लेकर कुछ संदेह हुआ. बताया गया है कि उसके दस्तावेजों में दर्ज उम्र और अभ्यर्थी की वास्तविक उम्र में अंतर दिखाई दिया. पूछताछ में आरोप है कि उसने उम्र कम दिखाने के लिए दोबारा हाईस्कूल परीक्षा पास की और बाद में दस्तावेजों में जन्मतिथि बदलवा ली. यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के आखिरी दिन बांदा में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने परीक्षा केंद्र पर मौजूद अधिकारियों को भी हैरान कर दिया. एक अभ्यर्थी ने सरकारी दस्तावेजों में अपनी उम्र 13 साल तक कम करवा ली, लेकिन जब वह परीक्षा देने पहुंचा तो उसकी असल उम्र उसके चेहरे और व्यक्तित्व से छिप नहीं सकी. केंद्र प्रभारी को संदेह हुआ, जांच शुरू हुई और फिर जो कहानी सामने आई, उसने सभी को चौंका दिया.

मामला बांदा जिले में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा से जुड़ा है. जिले में परीक्षा के लिए कुल आठ केंद्र बनाए गए थे. अंतिम दिन दूसरी पाली में एक परीक्षा केंद्र पर प्रयागराज का रहने वाला एक अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचा. शुरुआत में सब कुछ सामान्य लग रहा था, लेकिन दस्तावेजों की जांच और अभ्यर्थी की शारीरिक बनावट देखकर केंद्र प्रभारी को कुछ गड़बड़ी का एहसास हुआ. बताया जा रहा है कि प्रवेश पत्र और अन्य दस्तावेजों में दर्ज उम्र अभ्यर्थी के वास्तविक व्यक्तित्व से मेल नहीं खा रही थी. यही संदेह आगे चलकर एक बड़े खुलासे की वजह बना.

चेहरे ने बढ़ाया शक, शुरू हुई जांच

परीक्षा के दौरान केंद्र प्रभारी ने अभ्यर्थी को गौर से देखा. दस्तावेजों के अनुसार उसकी उम्र अपेक्षाकृत कम दिखाई दे रही थी, लेकिन उसके चेहरे और शारीरिक बनावट से उम्र कहीं अधिक लग रही थी. यही बात अधिकारियों को खटक गई. केंद्र प्रभारी ने मामले की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी. इसके बाद अभ्यर्थी से पूछताछ शुरू हुई. पहले तो सामान्य सवाल पूछे गए, लेकिन जब दस्तावेजों और शैक्षणिक रिकॉर्ड की पड़ताल हुई तो मामला और गंभीर होता चला गया. जांच के दौरान जो जानकारी सामने आई, उसने अधिकारियों को भी चौंका दिया. पूछताछ में अभ्यर्थी ने स्वीकार किया कि उसने अपनी उम्र कम दिखाने के लिए दोबारा हाईस्कूल की परीक्षा दी थी.

कॉकरोच पार्टी अध्यक्ष अभिजीत दीपके के प्रोटेस्ट में पहुंचा साधू जैसा दिखने वाला शख्स! छात्रों ने किया विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली और पुणे के बाद लखनऊ में प्रदर्शन किया है। पुलिस और प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद इको गार्डन में पहुंचे छात्र-छात्राएं शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। कॉकरोच पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी इस दौरान मौजूद हैं। ईको गार्डन में सुबह से ही बड़ी संख्या में छात्र एकत्रित हो गए। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रदर्शन स्थल पर पुलिस जवानों और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। इस बीच, इको गार्डन में साधू की वेशभूषा में एक शख?स पहुंच गया। उसने मीडिया वालों से कहा- 'मैं बच?चों के न?याय के लिए लड़ूंगा। उनके अधिकारों की रक्षा करूंगा। मैं योगी जी नहीं हूं। योगी टू हूं। मैं बच?चों के अधिकार के लिए लड़ने आया हूं।' हालांकि प्रदर्शनकारी छात्र उसे वहां से दूर रहने के लिए कह रहे थे। छात्र नहीं चाहते थे कि वह व?यक्ति उनके विरोध-प्रदर्शन में शामिल हो।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

इस बीच, कॉकरोच पार्टी के आह्वान पर इको गार्डन पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। उहोंने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होके लिए धर्मेंद्र प्रधान सीधे जिम्मेदार हैं। इससे पहले पुणे और दिल्ली में छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया था।

20 जून को फिर से दिल?ली में प्रदर्शन की चेतावनी अभिजीत दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि धर्मेंद्र प्रधान ने इस?तीफा नहीं दिया तो प्रदर्शनकारी एक बार फिर दिल?ली जाएंगे ओर 20 जून को फिर से विरोध प्रदर्शन करेंगे। दीपके ने कहा कि नीट, सीबीएसई और सीयूईटी परीक्षा में शामिल हो रहे विद्यार्थियों को अन?याय का सामना करना पड़ा है और सरकार जवाबदेही तय करने में फेल रही है।

दिल्ली वालों की बल्ले-बल्ले, अब INA से एयरपोर्ट तक बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर; भारी जाम से मिलेगी मुक्ति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जनरल पूल रेजिडेंशल अकोमोडेशन (जीपीआरए) के तहत केंद्र सरकार ने जो 7 रेजिडेंशल कॉलोनियां डिवेलप की हैं, उनसे रिंग रोड पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए 13.65 किमी लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की योजना बनाई गई है। रेजिडेंशल कॉलोनियों से एलिवेटेड कॉरिडोर पर चढ़ने और उतरने के लिए चार जगहों पर रैप बनाए जाएंगे। इनमें एक सरोजानी नगर और नेताजी नगर के पास, दूसरा लक्ष्मीबाई नगर, तीसरा मुनिरका और चौथा रैप जेएनयू कैंपस के पास होगा। जेएनयू कैंपस से आगे एयरपोर्ट तक एलिवेटेड कॉरिडोर पर चढ़ने और उतरने की सुविधा नहीं होगी। कॉरिडोर 6 लेन चौड़ा होगा। जीपीआरए कॉलोनियों से रिंग रोड पर वर्तमान में जितना ट्रैफिक है, उसमें कुल 17.6 पसेंट हिस्सेदारी इन 7 कॉलोनियों की है।

पीडब्ल्यूडी ने 7 जीपीआरए कॉलोनियों से रिंग रोड पर आकलन कराया है

एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार, पीडब्ल्यूडी ने 7 जीपीआरए कॉलोनियों से रिंग रोड पर आने-जाने वाले ट्रैफिक वॉल्यूम का आकलन कराया है। इसमें पाया गया कि अफ्रीका एवेन्यू के पास नेताजी नगर और नौरोजी नगर से रोजाना रिंग रोड पर सबसे अधिक 3,215 गाड़ियों का भार पड़ता है। रिंग रोड और लीला पैलेस होटल के बीच रोजाना 2,608 गाड़ियां इन कॉलोनियों से आती-जाती है। किदवई नगर के सामने रिंग रोड पर रोजाना 1,628 गाड़ियां कॉलोनियों से आती-जाती है। सरकार ने श्रीनिवासपुरी में डिवेलप की गई रेजिडेंशल कॉलोनी को कनेक्ट करने के लिए अलग योजना तैयार की

दिल्ली के हर घर में लगे स्मोक डिटेक्टर, वॉटर स्प्रिंकलर, दिल्ली फायर डिपार्टमेंट ने सरकार से की सिफारिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आग की बढ़ती घटनाओं पर काबू पाने के लिए दिल्ली फायर डिपार्टमेंट ने हर घर में स्मोक डिटेक्टर, वॉटर स्प्रिंकलर लगाना अनिवार्य करने की सिफारिश की है। विभाग का मानना है कि अगर ऐसा होता है तो आग से हो रही मौतों पर 97 फीसदी तक काबू पाया जा सकता है। फायर डिपार्टमेंट ने आग से निपटने के लिए अगले 25 साल की तैयारियों के लिए मास्टर प्लान भी तैयार कर लिया है।

विवेक विहार की घटना के बाद सीएम ने खुद संभाली थी कमान

फायर विभाग के सूत्रों की मानें तो अगले एक-दो दिन में इसे होम डिपार्टमेंट के पास भेज दिया जाएगा। बता दें कि विवेक विहार की घटना के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने विभागों के साथ बैठक कर आग से निपटने के लिए फायर मास्टर प्लान बनाने का निर्देश दिया था। फायर डिपार्टमेंट की माने तो अगर यह दावा लागू हुआ तो 97 फीसदी तक मौत का आंकड़ा घट जाएगा। दिल्ली के चीफ फायर ऑफिसर ए. के. मलिक के मुताबिक एक-दो दिन में इस मास्टर प्लान को होम डिपार्टमेंट के पास भेज दिया जाएगा और मालवीय नगर जैसी घटनाओं में आग से होने वाली मौत को रोकने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने होंगे। उसी को लेकर हमने सरकार को कुछ सिफारिशें भेजी हैं, जिससे आग से हो रही मौतों में 97 फीसदी की कमी लाई जा सकती है। दिल्ली के हर घर में स्मोक डिटेक्टर, वॉटर स्प्रिंकलर अनिवार्य करने पर जोर इसके लिए सबसे पहले हर घर में स्मोक डिटेक्टर, वॉटर स्प्रिंकलर अनिवार्य करने के साथ-साथ विल्डिंग में सीढ़ियों के आस-पास बिजली के मीटर लगाने और बिल्डिंग के बेसमेंट या स्टिल्ट पार्किंग में एग्जिट गेट के पास EV चार्जिग पॉइंट पर रोक लगानी होगी।

आसमान में बादल, समंदर तट से टकराती लहरें... मुंबई में मॉनसून से पहले गजब नजारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आने से पहले समंदर तटों पर मनमोहक नजारा देखने को मिल रहा है. आसमान में बादल छाए हुए हैं,जबकि सागर की ऊंची-ऊंची लहरें समुद्र तट पर बने कंक्रीट प्रोमेनेड से टकरा रही हैं. मरीन ड्राइव पर यह नजारा बेहद खूबसूरत लग रहा है. सुबह-शाम मरीन ड्राइव पर सैर करने वाले लोग रुक-रुक कर इस खूबसूरत प्राकृतिक नजारे का लुत्फ उठा रहे हैं. समंदर की लहरें जब जोर से टकराती हैं तो सफेद पानी उछलता है, जो दूर से देखने वालों को आकर्षिक करता है. आसमान में छाए बादल हवा के साथ घूम रहे हैं और कभी-कभी सूरज की किरणें उनमें से झांकती नजर आ रही हैं. मरीन ड्राइव, जुहू बीच, गेटवे ऑफ इंडिया और अन्य समुद्री इलाकों में ऐसे ही नजारे देखने को मिल रहे हैं. बता दें कि मुंबई में अगले 2-3 दिन बादल छाए रहेंगे. कभी-कभी तेज बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं.

मुंबई में जोरों पर मॉनसून की तैयारी

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जल्द ही महाराष्ट्र के बाकी इलाकों में भी दस्तक देने वाला है. मुंबई में हर साल की तरह इस बार भी भारी बारिश की उम्मीद है. नगर निगम ने पहले से ही मॉनसून की तैयारियों को तेज कर दिया है. नालियों की सफाई, पेड़ों की कटाई और जलभराव वाले इलाकों में पंपिंग व्यवस्था की जा रही है. मरीन ड्राइव जैसे जगहों पर प्रशासन सतर्क है. लहरें ऊंची होने के कारण कभी-कभी पानी सड़क तक पहुंच जाता है. ऐसे में लोगों को समुद्र किनारे सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है. बता दें कि मॉनसून मुंबई के लिए खुशखबरी भी लाता है और चुनौतियां भी. एक तरफ जहां जलाशयों में पानी भर जाता है और गर्मी से राहत मिलती है तो वहीं, दूसरी तरफ ट्रेनें प्रभावित होती हैं, सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो जाती है. बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने चेतावनी जारी करते हुए बताया कि मुंबई में मॉनसून सीजन के दौरान जून से सितंबर तक कुल 24 हाई टाइड 4.5 मीटर से ऊपर रहेंगे. इनमें से सबसे ऊंचा हाई टाइड 16 जुलाई को आएंगे, जब लहरें 4.89 मीटर तक पहुंच सकती हैं. बीएमसी के मुताबिक, जून और जुलाई में 6-6 हाई टाइड, अगस्त में 5 और सितंबर में 7 हाई टाइड आने की संभावना है.

मां मर चुकी है रिश्तेदारों को कैब तक ले गया 4 साल का मासूम, अंदर थी दो लाशें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। राज्य के बदलापुर में एक चार वर्षीय मासूम ने अपनी मां की मौत का राज खोल दिया. बच्चे ने रिश्तेदारों को उस कार तक पहुंचाया, जहां एक महिला और कैब चालक के शव मिले. पुलिस को हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका है, लेकिन फॉरेंसिक जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा. बदलापुर पूर्व के जुवेली इलाके में गुरुवार दोपहर एक कार के भीतर महिला और एक कैब चालक के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि पहले महिला की हत्या की गई और उसके बाद आरोपी ने आत्महत्या कर ली. हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है.

रिश्तेदारों के पास पहुंचा मासूम

घटना का खुलासा उस समय हुआ जब मृत महिला का चार वर्षीय बेटा कार से बाहर निकलकर पास में रहने वाले अपने रिश्तेदारों के पास पहुंचा. बच्चे ने बताया कि उसकी मां मर गई है, इसके बाद वह रिश्तेदारों को उस कार तक ले गया, जहां महिला और एक पुरुष का शव पड़ा हुआ था. सूचना मिलते ही बदलापुर पूर्व पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची. पुलिस के अनुसार, मृत महिला पिछले तीन महीनों से जुवेली इलाके में रह रही थी, वहीं मृत पुरुष की पहचान मुंबई के घाटकोपर निवासी गणेश शिंदे के रूप में हुई है, जो पेशे से कैब चालक था. दोनों के शव कार के अंदर मिले और उनके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान पाए गए हैं. घटनास्थल का पंचनामा करने के साथ ही फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया. प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि घटना के समय चार वर्षीय बच्चा कार के अंदर मौजूद था और संभव है कि उसने पूरी घटना देखी हो. कल्याण परिमंडल के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया कि बच्चे के शुरुआती बयान के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि गणेश शिंदे ने महिला पर हमला कर उसकी हत्या की और बाद में स्वयं को भी गंभीर रूप से घायल कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गई. हालांकि शिंदे की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर जांच अभी जारी है. पुलिस महिला और गणेश शिंदे के बीच संबंधों की भी पड़ताल कर रही है.

वेस्टर्न रेलवे का मॉनसून से पहले अनोखा प्रयोग, माटुंगा-माहिम में कलवर्ट की सफाई के लिए पहली बार पंप की गई ऑक्सीजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई में मानसून के दौरान उपनगरीय रेल सेवाओं को जलभराव से बचाने के लिए पश्चिम रेलवे ने पहली बार अनोखा प्रयोग किया है। माटुंगा रेलवे वर्कशॉप के नीचे स्थित 250 मीटर लंबे कलवर्ट (जल निकासी मार्ग) की सफाई के लिए उसमें ऑक्सीजन पंप की गई, ताकि सफाईकर्मी सुरक्षित रूप से अंदर प्रवेश कर सकें और वर्षों से जमा गाद व कचरे को निकाल सकें, जो की मीथेन गैस की वजह से मुश्किल था। साथ ही ट्रैक को 6 इंच तक ऊंचा किया गया और फ्लोटिंग कैमरा और कुछ मशीन लगाई गई।

चुनौतीपूर्ण ड्रेनेज प्वाइंट्स में से एक

मिली जानकारी के अनुसार, यह कलवर्ट दादर-धारावी (डीडी) नाले को मीठी नदी से जोड़ता है और पश्चिम रेलवे तथा मध्य रेलवे दोनों के क्षेत्र से होकर गुजरता है। यह मुंबई के सबसे चुनौतीपूर्ण ड्रेनेज प्वाइंट्स में से एक माना जाता है। लंबे समय से इसमें मीथेन सहित जहरीली गैसें जमा होने के कारण सफाई का काम बेहद मुश्किल बना हुआ था। पिछले कई मानसून में डाउन और अप लोकल दोनों लाइनों पर बार-बार जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई थी। हालांकि ट्रेन ऑपरेशन पर कोई प्रभाव नहीं था। देतें एनालिसिस से कई कारण सामने आए थे, लेकिन अब कलवर्ट की सफाई के बाद नाले की वहन क्षमता भी बहाल हो गई है। डी-सिल्टिंग के अलावा रेलवे ने इस क्षेत्र में पटरियों की ऊंचाई बढ़ाने, ड्रेनेज नेटवर्क का विस्तार करने तथा निगरानी प्रणाली स्थापित करने का काम भी किया है।

सुपर सकर मशीनों का हुआ इस्तेमाल

रेलवे के एक वरिष्ठ इंजीनियर ने बताया कि जब भी इस कलवर्ट की सफाई का प्रयास किया जाता था, अंदर मौजूद जहरीली गैसों (मीथेन) के कारण सफाईकर्मियों की सुरक्षा को खतरा रहता था। इस वर्ष पहली बार कलवर्ट के भीतर ऑक्सीजन पंप कर वातावरण को सुरक्षित बनाया गया, जिसके बाद कर्मचारी अंदर जाकर सफाई कार्य कर सके। ऑक्सीजन प्रवाह के लिए बीएमसी के सहयोग से व्यापक डी-सिल्टिंग और सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सुपर सकर मशीनों की मदद से बड़ी मात्रा में जमा गाद, मलबा और तैरता हुआ कचरा हटाया गया, जिससे जल निकासी क्षमता काफी प्रभावित हुई

पुणे में कॉकरोच जनता पार्टी के शांतिपूर्ण आंदोलन की सोनम वांगचुक ने की सराहना

महाराष्ट्र राज्य के पुणे पहुंचे लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने युवाओं की जागरूकता, शिक्षा में जवाबदेही और पर्यावरण संरक्षण की सराहना की।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पुणे में कॉकरोच जनता पार्टी के देशव्यापी आंदोलन में शामिल हुए। इस दौरान उन?होंने युवाओं की सक्रिय भागीदारी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और शिक्षा के क्षेत्र में जवाबदेही की बढ़ती मांग की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पुणे अब केवल एक शैक्षणिक केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी, सामाजिक चेतना और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने युवाओं की शांतिपूर्ण और सकारात्मक भूमिका को देश के लिए प्रेरणादायक बताया। सोनम वांगचुक ने कहा पुणे आकर उन्हें हमेशा सकारात्मक अनुभव मिलता है। इससे पहले जब भी वे पुणे आए, उन्होंने यहां के लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से काम करते देखा। कभी शहर के नागरिक पेड़ों को बचाने के लिए अभियान चलाते नजर आए तो कभी नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए संघर्ष करते दिखाई दिए। वांगचुक ने कहा कि इस बार पुणे में उन्हें एक नया और महत्वपूर्ण पहलू देखने को मिला, जहां युवा शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग को लेकर संगठित रूप से अपनी आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने पुणे के युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और जवाबदेही की मांग के लिए उनका शांतिपूर्ण ढंग से एकजुट होना पूरे देश के लिए एक सकारात्मक संदेश है।

सरकारों से की अपील

उन्होंने सरकारों से अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति और जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वांगचुक ने कहा कि जहां भी नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते हैं, उन्हें ऐसा करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। उन?होंने कहा कि शांति और संवाद को प्रोत्साहित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का आधार है। यदि शांतिपूर्ण अभिव्यक्तियों को दबाया जाता है, तो इससे समाज में गलत संदेश जाता है। सोनम वांगचुक ने कहा कि सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे हिंसा और अशांति पर रोक लगाएं, लेकिन साथ ही शांतिपूर्ण आंदोलनों और रचनात्मक संवाद को समर्थन दें। समझ और अहिंसक प्रयासों के माध्यम से ही संभव है।

12 करोड़ की ड्रग्स के साथ मुंबई में पकड़ी गई, ब्यूटी पेजेंट की रनर अप हर्षा सनी, बैंकॉक से लौटी थीं उभरती मॉडल

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम ने बैंकॉक से लौटी ब्यूटी पेजेंट में रनर-अप रहीं हर्षा सनी को एक ड्रग तस्करी के मामले में अरेस्ट किया है। हर्ष सनी के पास से कस्टम को करीब 12 करोड़ रुपये की ड्रग मिली है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। ब्यूटी पेजेंट की रनर-अप रही चुकी मॉडल हर्षा सनी को कस्टम ने 12 करोड़ मूल्य की ड्रग्स के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा है। हर्षा सनी बैंकॉक से मुंबई पहुंची थी। 29 साल की हर्षा सनी एक प्राइवेट बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर हैं। वह पिछले साल मई में मिसेज केरल ग्लोबल 2025 की प्रतियोगिता में रनरअप रही थीं। कस्टम ने हर्षा सनी के पास से बैंकॉक से लौटने पर लगभग 12 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (एक तरह का गांजा) बरामद किया है। कस्टम के अधिकारियों का आरोप हैं कि वह गांजे की तस्करी कर रही थीं। इसकी कीमत 11.8 करोड़ रुपये आंकी गई है।

मॉडल ने अपनी सफाई में क्या कहा?

हर्षा सनी ने बताया कि यात्रा के दौरान एक व्यक्ति ने उससे दोस्ती की और उसे भारत तक एक बैग ले जाने के लिए मना लिया। बैंकॉक से लौटने पर सुबह करीब 4 बजे एयरपोर्ट पर सनी को रोका गया। सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों को एक ट्रॉली बैग के अंदर गांजे के 12 वैक्यूम-सील्ड पैकेट मिले। इसकेबाद सनी को गिरफ्तार कर NDPS कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने हर्षा सनी को ज्यूडिशियल कस्टडी (न्यायिक हिरासत) में भेज दिया है। वकील प्रभाकर त्रिपाठी ने दावा किया कि उनकी क्लाइंट को बैग में मौजूद चीजों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह संगठित तस्करों द्वारा किसी अनजान यात्री का फायदा उठाने का एक क्लासिक मामला लगता है।

बैंकॉक है इस ड्रग्स का बड़ा केंद्र

कस्टम अधिकारियों के मुताबिक 10 और 11 जून की रात वह एयर इंडिया की फ्लाइट ञ्त-351 से मुंबई पहुंची थीं। शक के बिनाह पर उनकी जांच की गई, जिसमें उनके ट्रॉली बैग से 12 वैक्यूम-सील पैकेट बरामद हुए। जिसकी कीमत 11 करोड़ 82 लाख से ज्यादा बताई जा रही है। गांजे के साथ किया गिरफ्तार पैकेट खोलने पर उनमें हरे रंग का संदिग्ध पदार्थ मिला। एनडीपीएस परीक्षण किट से जांच के दौरान यह पदार्थ कैनबिस की सूखी फूल और फलयुक्त कलियां पाया गया, जिसे हाइड्रोपोनिक वीड के रूप में पहचाना गया। साउथ ईस्ट एशिया का शहर बैंकॉक इसका एक बड़ा हब बन गया है। यहां से इस हाइड्रोफॉनिक गांजे की तस्करी भारत समेत दूसरे देशों में की जाती है।

एक चाबी, बंद रूम और विदेशी महिला की छलांग... मौत के बाद खुला दिल्ली की ड्रग्स फैक्ट्री का राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। स्वरूप नगर में पुलिस की एक रेड ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए. एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड जब एक इमारत की चौथी मंजिल पर पहुंची तो वहां मौजूद एक विदेशी महिला ने कथित तौर पर घबराकर छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई. उसी मंजिल पर एक बंद कमरे का ताला खुला तो ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हो गया. यहां केमिकल्स और भारी मात्रा में उपकरण मिले हैं. दिल्ली पुलिस अचानक इस इमारत तक नहीं पहुंची थी. इसके पीछे कई दिनों की जांच थी. बुराड़ी थाने में दर्ज एक मामले की पड़ताल के दौरान पुलिस के हाथ कुछ सुराग लगे. जांच आगे बढ़ी तो फ्रैंक डैशमंड नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ हुई. कड़ियां जुड़ती गईं. और आखिरकार जांच की दिशा स्वरूप नगर की एक बहुमंजिला इमारत तक पहुंच गई. पुलिस को शक था कि यहां सिर्फ ड्रग्स की सप्लाई नहीं, उससे कहीं बड़ा खेल चल रहा है. एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड की टीम सबसे पहले इमारत की तीसरी मंजिल पर पहुंची. यहां से रोमियो उर्फ स्काई नाम के आरोपी को पकड़ा गया. तलाशी में उसके पास से एमडीएमए और हेरोइन बरामद होने का दावा किया गया. अब पुलिस का शक यकीन में बदलने लगा था. पुलिस टीम सीढ़ियां चढ़ते हुए चौथी मंजिल तक पहुंची. यहां दो फ्लैट थे. दोनों में अफ्रीकी मूल के नागरिक रह रहे थे. पुलिस एक फ्लैट में दाखिल हुई. अंदर स्टेला पीयूस नाम की विदेशी महिला मौजूद थी. अधिकारियों के मुताबिक, जैसे ही महिला ने पुलिस टीम को देखा, वह घबरा गई. इसके बाद जो हुआ, उसने सभी को हैरान कर दिया. महिला ने अचानक चौथी मंजिल से छलांग लगा दी. नीचे मौजूद लोगों को कुछ समझ आता, उससे पहले वह गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी.

अल-नीनो के खतरों से PM मोदी ने किया अलर्ट, राज्यों से तैयार रहने को कहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रधानमंत्री। नरेंद्र मोदी ने गुरुवार नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की. इस साल मीटिंग का विषय विकसित भारत@2047 के लिए समावेशी मानव विकास था. इसमें 28 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और प्रशासकों ने भाग लिया. यह पहला मौका था, जब सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल-नीनो की स्थितियों से जुड़े खतरों के बारे में चेतावनी दी और जल संरक्षण के लिए और मजबूत कदम उठाने की बातें भी कहीं. उन्होंने राज्यों से कहा कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मौकों और साइबर फ्रॉड व ड्रग्स के गलत इस्तेमाल जैसी उभरती सामाजिक चुनौतियों से निपटने के उपायों के बीच संतुलन बनाए रखें. नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीएम मोदी ने यह भी कहा कि ऐसे वक्त में जब कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, भारत की विकास गाथा दुनिया को प्रेरित कर रही है. उन्होंने आत्मनिर्भरता के प्रति देश के संकल्प को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया और ग्लोबल लेवल पर अपनाए जाने वाले बेहतरीन तरीकों को अपनाने और लागू करने की अहमियत पर जोर दिया. कई देशों के साथ भारत के हालिया ट्रेड एग्रीमेंट्स का जिक्र करते हुए, पीएम मोदी ने राज्यों से कहा कि वे युवाओं और MSME के लिए मौके बनाएं और संबंधित लोगों को इन एग्रीमेंट्स का फायदा उठाने के लिए तैयार करें. उन्होंने राज्यों को पार्टनर देशों से निवेश आकर्षित करने की सलाह भी दी. एक सरकारी बयान के मुताबिक, सहकारी संघवाद की अहमियत पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना चाहिए.

मेट्रो स्टेशन के पास मिली थी खून से सनी लाश, दोस्त ने ही दी थप्पड़ के बदले मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। खजूरी खास इलाके में मेट्रो स्टेशन के पास झाड़ियों में मिले शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है. जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी दोस्त थे तथा दोनों साथ बैठकर गांजा पी रहे थे. मामूली विवाद के बाद आरोपी ने पत्थर से हमला कर दोस्त की हत्या कर दी और शव को ईंटों से ढंककर फरार हो गया. उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास थाना क्षेत्र में खजूरी खास मेट्रो स्टेशन के निकट मिले एक व्यक्ति के शव के मामले में पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. जांच के दौरान सामने आया कि मामूली कहासुनी के बाद आरोपी ने अपने ही दोस्त की पत्थर से हमला कर हत्या कर दी थी. पुलिस के अनुसार, 8 जून को खजूरी खास मेट्रो स्टेशन के पास झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की. तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई जानकारी के आधार पर पुलिस टीम आरोपी तक पहुंचने में सफल रही. गिरफ्तार आरोपी की पहचान 27 साल के शिफायत के रूप में हुई है. पूछताछ में उसने बताया कि मृतक 40 साल का अजहरुद्दीन उसका दोस्त था. 5 जून को दोनों खजूरी खास मेट्रो स्टेशन के पास झाड़ियों में बैठकर गांजा पी रहे थे. इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया. आरोप है कि बहस के दौरान अजहरुद्दीन ने शिफायत को थप्पड़ मार दिया, जिससे वह बेहद नाराज हो गया.गुस्से में आकर शिफायत ने पास में पड़े पत्थर के टुकड़े से अजहरुद्दीन पर कई वार कर दिए. गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. हत्या के बाद आरोपी ने शव को ईंटों से ढंक दिया ताकि किसी को वारदात की भनक न लगे और वहां से फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना के समय पहने गए कपड़े और जूते बरामद कर लिए हैं, जिन्हें साक्ष्य के तौर पर जब्त किया गया है. फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है.

असम में आया 4.7 तीव्रता का भूकंप, कछार जिले में था भूकंप का केंद्र, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के कई इलाकों में महसूस हुए झटके

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या बड़े हादसे की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप गुरुवार रात करीब 9ः10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 39 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिससे इसके झटके आसपास के राज्यों तक महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ क्षेत्रों में लोगों के बीच थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी देखा गया। मेघालय के अलावा दक्षिणी असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भी कंपन महसूस किए जाने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी और किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की।

बिल्डिंग में आग, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाडियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2ः35 बजे से 2ः37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3ः45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

ट्रैनिंग के दौरान धमाका, 2 जवान घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शुक्रवार को एलओसी के पास धमाका हो गया। इस हादसे में सेना के दो जवान घोयल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक एलओसी के पास फॉरवर्ड एरिया में ट्रैनिंग एक्सरसाइज के दौरान अचानक ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। हादसे में घायल दोनों जवानों को पुंछ के 425 आर्मी फील्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

वाराणसी में जिला जज की कुर्सी पर बैठी महिला, हंगामा

-बोली- आज मैं सुनवाई करूंगी, गवाह और सबूत पेश करिए; पुलिस ने खींचकर उतारा

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में शुक्रवार सुबह 9 बजे जिला जज की कुर्सी पर एक महिला बैठ गई। कुर्सी पर बैठते ही हैमर पटकते हुए चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर। वकीलों से कहा- आज मैं जिला जज हूं। गवाह और सबूत पेश करिए। आज सारे मामले की सुनवाई मैं करूंगी। जो भी काम हो हमको बताया जाए। इसके बाद फाइलें उठाकर उनको पलटना शुरू कर दिया। एकाएक हुए इस घटनाक्रम से वकील चौंक गए। उन्होंने वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला भडक़ गई। वकीलों ने महिला को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह कुर्सी पर ही बैठी रही। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर कैंट थाने लेकर चली गई। करीब एक घंटे तक यह ड्रामा चला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला जज अवकाश पर थे। शुक्रवार सुबह जिला कोर्ट खुला। कर्मचारियों ने जिला जज समेत सभी कोर्ट में आज सुनवाई के लिए प्रस्तावित मुकदमों की फाइलें रख दीं। तभी शिवपुर निवासी बुज गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता (50) कोर्ट में घुस आईं। जिला जज के आने का समय पूछा। कुछ देर बाद वह जिला जज की डायस पर पहुंच गईं और कुर्सी पर बैठ गई। हैमर उठाकर टेबल पर पटकते हुए जोर से चिल्लाकर कहा- ऑर्डर-ऑर्डर। यह सुनकर कोर्ट रूम में मौजूद वकील खड़े हो गए। यह देखकर वंदना गुप्ता बोली कि आप लोग खड़े मत हो। गवाह और सबूत पेश करिए। जो भी काम हो मुझे बताइए।

नटराजन मामला : कांग्रेस का प्रदर्शन, पहले वोट चोरी, अब सीट चोरी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश से अपनी राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के विरोध में प्रदर्शन किया। दिल्ली में जुटे मध्य प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अनेक विधायकों ने भाजपा पर वोट चोरी के बाद अब सीट चोरी का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने घटना को देश के इतिहास में पहली बार हुई सीट चोरी बताया। उन्होंने कहा कि आजकल जहाँ वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी की चर्चा थी, वहीं अब भाजपा ने चुनाव से पहले ही सीट चोरी कर ली है। कांग्रेस नेता सिंह ने आरोप लगाया कि जब नटराजन ने अपना नामांकन जमा किया था, तब भी भाजपा कांग्रेस विधायकों को प्रलोभन देने और सौदा करने का पूरा प्रयास कर रही थी। उन्होंने 2020 के ज्योतिरादित्य सिंधिया प्रकरण का जिक्र कर कहा कि वर्तमान विधायकों को भाजपा के साथ सौदा करने का मतलब आत्महत्या करना बखूबी एहसास था। विधायकों के एकजुट खड़े रहने के बाद भाजपा पर बेबुनियाद तरीके से नोटिस ढूंढ़कर नामांकन रद्द कराने का आरोप लगाया गया। जयवर्धन सिंह ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसार, गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस का नामांकन में उल्लेख करना अनिवार्य नहीं है, केवल एफआईआर या न्यायिक जाँच का ही उल्लेख करना पड़ता है। उन्होंने देश के 80 साल के इतिहास में पहली बार एक गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस के आधार पर उम्मीदवारी खारिज किया जाना बताया। वहीं कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने दिन को लोकतंत्र के लिए काला दिन करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा जहाँ 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात करती है, वहीं वह अपनी तीन राज्यसभा सीटों पर एक भी महिला को मौका नहीं देती और जब कांग्रेस मौका देती है, तब उस खत्म करने में पूरी ताकत लगा देती है। उन्होंने भाजपा पर विधायक खरीदकर वोटिंग से बचने का आरोप भी लगाया। राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करने की बात अब स्पष्ट रूप से दिख रही है। विधायक विवेक पटेल ने इस लोकतंत्र की हत्या बताया, जो 2014 के बाद से भाजपा सरकार द्वारा लगातार की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, चली तेज आंधी-बारिश, लोगों को मिली राहत

-पाक सीमा से सटे इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना, रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार रात अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। तेज आंधी, बिजली और धूल भरे तूफान आया। मौसम के इस आक्रामक रूप को देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय सेंट्रल पाकिस्तान और उससे सटे इलाकों के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। यह हवाओं का एक ऐसा जाल है जो अपने आसपास के क्षेत्र में भारी वायुमंडलीय अस्थिरता पैदा करता है। इस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के मजबूत होने के कारण उत्तर-पश्चिम भारत, खासकर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के वायुमंडल में अचानक उथल-पुथल शुरू हो गई है। जब यह पाकिस्तान की तरफ से आ रही गर्म हवाएं भारत के मैदानी इलाकों की नमी से मिलती हैं, तो यह तीव्र आंधी और गरज-चमक वाले बादलों का निर्माण करती हैं। यही कारण है कि दिल्ली-एनसीआर में अचानक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने लगीं, जो कभी-कभी 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को भी छू रही हैं।

मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का मतलब होता है- तुरंत कदम उठाएं और सुरक्षित रहें। यह अलर्ट तब जारी किया जाता है जब मौसम इतना खराब हो कि उससे जान-माल के नुकसान का खतरा हो। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों तक दिल्ली और आसपास के इलाकों में तेज आंधी के साथ बिजली, धूल का गुबार और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

इस तूफान और बारिश का एक सकारात्मक पहलू यह है कि इसने दिल्लीवासियों को पिछले कई दिनों से सता रही उमस और भीषण गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार से यह सिस्टम और मजबूत हो सकता है, जिससे बारिश और तेज हवाओं का दौर आगे भी जारी रहेगा। खराब मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने नागरिकों और स्थानीय प्रशासन के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं।

गाइडलाइन के मुताबिक मजबूत इमारतों में शरण लें, तूफान के दौरान तुरंत किसी पक्के और सुरक्षित मकान के अंदर चले जाएं। कमजोर संरचनाओं से दूर रहें, टिन शेड, साइनबोर्ड, कच्चे मकानों और निर्माणाधीन इमारतों के पास बिल्कुल न खड़े हों। आंधी में पेड़ उखड़ने या उनकी शाखाएं टूटने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है, इसलिए इनके नीचे गाड़ी पार्क न करें और न ही खुद खड़े हों। घरों के अंदर रहने के दौरान भी शीशे वाली खिड़कियों से दूर रहें। इस दौरान नदी, तालाब या जलभराव वाले इलाकों के पास जाने से बचें। पाकिस्तान से उठे इस वेदर सिस्टम का असर अगले 24 से 48 घंटों तक रह सकता है, इसलिए सतर्कता ही इस मौसम में सबसे बड़ा बचाव है।

इंडिगो फ्लाइट में बम लिखा टिशू पेपर मिला, विमान से यात्रियों को उतारा

-विमान और सामान की तलाशी ली, नहीं मिली संदिग्ध वस्तु, यात्री हुए परेशान

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से पहले विमान के टॉयलेट में बम लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला। लखनऊ से सुबह 11.15 बजे इंडिगो एयरलाइन के दिल्ली जाने वाले विमान 6ई2111 के टॉयलेट में किसी ने एक टिश्यू पेपर पर बम होने की सूचना लिखकर रख दी। इसके बाद विमान को एसटीसी से संपर्क के बाद टैक्सी वे एरिया में लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआईएसएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों और उनके सामान को उतार नीचे उतारा। विमान और सामान की तलाशी ली गई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत करीब 180 यात्रियों वाली इस फ्लाइट को एप्रन पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद इस खतरे को पूरी तरह झूठा बताया। जरुरी सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते विमान की उड़ान में देरी हुई। अधिकारी ने बताया कि टिशू पेपर पर बम शब्द किसने लिखा और इसके पीछे किसका हाथ है इसका पता लगाया जा रहा है। इस पूरी छानबीन में विमान में बैठे 180 यात्री परेशान होते रहे। बता दें यह कोई पहली बार नहीं है जब कि इंडिगो विमान में बम की झूठी सूचना दी गई हो। पहले भी कई मौकों पर ऐसा हो चुका है और हर बार यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा है। कई मामलों में तो सुरक्षाकर्मियों ने आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

दलाई लामा के घुटने की हुई रिप्लेसमेंट सफल सर्जरी, अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी दे दी गई है। दलाई लामा ने एक्स पर अपने स्वास्थ्य को लेकर यह अपडेट साझा किया है। डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया के बाद उनकी स्थिति स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार जारी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के मेडिकल, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ ने उनके उपचार में उत्कृष्ट देखभाल प्रदान की है।

नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश मल्होत्रा के मुताबिक दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी सोमवार को हुई थी। इलाज के दौरान दलाई लामा की निजी मेडिकल टीम और उनके कार्यालय ने अपोलो अस्पताल के प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की स्थिति स्थिर है और उनके पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। उन्हें शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्होंने कहा कि दलाई लामा की सेवा करने का अवसर अस्पताल और चिकित्सा दल के लिए अत्यंत सम्मान की बात रही। बता दें इससे पहले जून 2024 में दलाई लामा ने न्यूयॉर्क सिटी के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी में दाएं घुटने का सफल प्रत्यारोपण कराया था, जिसके बाद उनकी रिकवरी अच्छी रही थी। पिछले काफी समय से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के मैकलोडगंज में ही रह रहे हैं। 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से वह भारत में शरण लिए हुए हैं और उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी निवास बनाया है। बताया जा रहा है कि घुटने की सर्जरी करवाने के बाद दलाई लामा जून के अंत में लद्दाख जाएंगे। वहां वे एक विस्तारित अवधि तक प्रवास करेंगे। लद्दाख में उनके कार्यक्रमों और प्रवास की विस्तृत जानकारी बाद में जारी होगी।

एनसीपी में बगावत, कांग्रेस ने कहा- विलय का रास्ता खुला

शरद पवार की पार्टी से तीन विधायक हुए बागी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान ने शरद पवार को अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का कांग्रेस में पूरी तरह से विलय करने का एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इस बड़े सियासी घटनाक्रम के बीच शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट में आंतरिक कलह और फूट भी खुलकर सामने आ गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां विलय की चर्चाएं गर्म हैं, वहीं दूसरी तरफ शरद पवार गुट के तीन विधायकों- उत्तमराव जानकर, अभिजीत पाटिल और नारायण पाटिल-ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि टिकट वितरण से नाराज ये तीनों विधायक जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। यह मुलाकात सोलापुर में महायुति के नेताओं की एक बैठक के दौरान हुई, जिसमें सांगोला से शेकप विधायक बाबासाहेब देशमुख भी उपस्थित थे।

दरअसल, इस पूरी बगावत की मुख्य वजह सोलापुर विधानसभा सीट पर टिकट का बंटवारा है। यहां भाजपा के राजेंद्र राउत के सामने शरद पवार गुट ने वसंतराव देशमुख को अपना उम्मीदवार बनाया है। वसंतराव देशमुख को सांसद धैर्यशील मोहिते पाटिल का बेहद करीबी माना जाता है। ऐसे में इन तीन विधायकों की नाराजगी और भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने के संकेत मोहिते पाटिल के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माने जा रहे हैं। इन विधायकों ने उम्मीदवार चयन को लेकर पहले भी सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि तब तैयार हुई जब शिवसेना के उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने सुझाव दिया था कि जो पार्टियां कांग्रेस से अलग होकर बनी हैं, जैसे तृणमूल कांग्रेस और एनसीपी, उन्हें अब वापस कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए। संजय राउत का मानना है कि आज के दौर में क्षेत्रीय दलों को अपने-अपने राज्यों में अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय मंच की जरूरत है और इसके लिए उन्हें कांग्रेस की मदद लेनी चाहिए। इस सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि संजय राउत उनके बड़े भाई जैसे हैं और उनका यह सुझाव स्वागत योग्य है, हालांकि भविष्य में क्या होगा यह समय तय करेगा। इसके साथ ही सुप्रिया सुले ने विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले शिवसेना तोड़ी गई, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस की बारी है, इसलिए वे इस संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ी हैं। इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इस सुर में सुर मिलाया है। उन्होंने संजय राउत के बयान का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि बिखरे हुए दलों को देशहित में एक मंच पर आना चाहिए और राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता स्वीकार कर लेना चाहिए। बहरहाल, विलय के इस बड़े प्रस्ताव और अपने ही विधायकों की बगावत ने शरद पवार गुट के सामने एक साथ दोहरी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

प्रणीत मोरे विवाद पर फडणवीस, स्टैंड-अप कॉमेडी में मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो को लेकर उठे विवाद के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसका उपयोग करते समय समाज, संस्कृति और लोगों की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। सीएम फडणवीस ने जोर दिया कि जब अभिव्यक्ति की कोई शैली तय सीमाओं से आगे निकलती है, तब उसका समाज और आम लोगों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, इसलिए इसका इस्तेमाल जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से स्टैंड-अप कॉमेडी देखना पसंद है, लेकिन कॉमेडियन को यह समझना चाहिए कि उनके शब्द और प्रस्तुतियां समाज में किस तरह का संदेश दे सकती हैं; कॉमेडी के साथ सामाजिक मर्यादाओं का पालन भी आवश्यक है। यह विवाद प्रणीत मोरे के स्टैंड-अप शो से जुड़े कुछ वीडियो और क्लिप के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सामने आया, जिसमें महिलाओं, सहमति और मृत व्यक्तियों को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप लगे हैं। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने स्वत: संज्ञान लेकर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक से त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की है। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, साथ ही मोरे तथा हिमांशु जांगड़ा को 22 जून को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया है। वहीं, महाराष्ट्र साइबर विभाग ने भी प्रणीत मोरे, हिमांशु जांगड़ा, डॉक्टर सेजल पवार सहित अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीएम मोदी के पास समारोह में शामिल होने का समय है, अमेरिकी हमले की निंदा का नहीं

-3 भारतीय नाविकों की मौत पर भड़के ओवैसी, बोले- बार-बार विफल साबित हो रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक पोत पर अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय की मौत के बाद देश में सियासत गरमा गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला। ओवैसी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के पास समारोहों में शामिल होने के लिए तो समय है, लेकिन अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों की मौत की निंदा करने का समय नहीं है। ओवैसी ने दावा किया कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नागरिकों और नाविकों की जान की रक्षा करने में बार-बार विफल साबित हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीयों की जान बचाना सरकार का पहला कर्तव्य है। यह दुखद और व्यथित करने वाला है कि पीएम मोदी के पास समारोहों के लिए समय है लेकिन भारतीयों की जान लेने के लिए अमेरिकी सेना की निंदा करने का समय नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत के इतिहास में कभी इससे कमजोर सरकार रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अब भी भारतीयों को सैनिकों के रूप में भर्ती कर रहा है ''जो कई मारे जा रहे हैं'' लेकिन सरकार असहाय है।

ओवैसी ने कहा कि सरकार फिल्मों में चीन का नाम लेने या गलवान की लड़ाई दिखाने की इजाजत नहीं देती और अब अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय नाविकों के साथ यह हुआ है। एक देश के रूप में हम इससे बेहतर के हकदार हैं। जय हिंद। भारत ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने पिछले चार दिन में ओमान के तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन वाणिज्यिक पोतों पर हमला किया जिसमें तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। भारत ने कहा कि उसने इस मामले को अमेरिका के समक्ष सख्ती से उठाया है।

अब 'कॉकरोचों' ने लखनऊ में प्रदर्शन कर धर्मेन्द्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को उप्र की राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने पेपर लीक और परीक्षाओं में हो रही अनियमितता को पुरजोर तरीके से उठाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए। युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए नीट पेपरलीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए ईको गार्डेन और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल व आरएएफ की टीमों की तैनाती की गई थी। लखनऊ आगमन पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत जब ईको गार्डेन में प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो भीड़ में फंस गए। हालांकि, कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिले और उन्हें संबोधित किया और फिर धरने पर बैठ गए। हालांकि पहले खबर आई थी कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लखनऊ में अनुमति नहीं मिली। बाद में कॉकरोच पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके के लखनऊ पहुंचने के बाद पुलिस के प्रदर्शन में भाग लेन की अनुमति की खबर सामने आई। इस बीच लखनऊ में शुक्रवार को भीषण गर्मी का असर दिखा। प्रदर्शनकारी छात्र पेड़ों की छांव तलाशते दिखे। वहीं, अभिजीत दीपके भी कार्यक्रम स्थल पर महज 28 मिनट ही टिक पाए। इसके बाद इनोवा गाड़ी पर सवार होकर चलते बने। इस दौरान छात्रों ने कॉकरोच पार्टी प्रमुख के रवैये को नाराजगी जताई।

छात्र ग्रुप ने कॉकरोच जनता पार्टी पर छात्रों के आंदोलन का क्रेडिट चुराने का आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि हमलोगों ने प्रयागराज में आंदोलन का ऐलान किया था। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मुद्दे पर लगातार छात्र राजनीति गरमाई रही है। 29 मई के आंदोलन के दौरान 12 जून को लखनऊ में प्रदर्शन का निर्णय लिया गया। छात्र गुट का कहना है कि यह शिक्षकों और छात्रों का प्रोटेस्ट है। हम अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे कॉकरोच पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। छात्र संगठनों ने दावा किया कि आंदोलन में भाग लेने आए कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके महज 28 मिनट ही आंदोलन स्थल पर टिक पाए।

अहमदाबाद विमान हादसा: एक साल बाद भी सवालों के घेरे में जांच

पायलटों के संगठन ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। ठीक एक साल पहले, 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान एआई171 एक भीषण हादसे का शिकार हो गया था। इस दर्दनाक क्रैश में एक यात्री को छोड़कर विमान में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में न केवल विमान के पायलट, क्रू मेंबर और यात्री मारे गए, बल्कि एक मेडिकल कॉलेज के कैंपस में विमान गिरने के कारण जमीन पर मौजूद कई अन्य लोग भी असमय काल के गाल में समा गए। आज इस भयावह हादसे को पूरा एक साल बीत चुका है, लेकिन हादसा क्यों और कैसे हुआ? तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार था? जैसे बुनियादी और अहम सवालों के ठोस जवाब आज भी सामने नहीं आ सके हैं। इस बीच, फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलटों (एफआईबी) ने दुर्घटना की चल रही जांच पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पायलटों के इस शीर्ष संगठन ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की पारदर्शिता और जांच की तकनीकी दिशा पर उंगली उठाई है। संगठन का दावा है कि क्रैश होने से पहले विमान ने कई तकनीकी चेतावनियां जारी की थीं, जिन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। संगठन के प्रमुख कैप्टन सीएस रंधावा ने इस संबंध में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि बोइंग 787 विमान ने उड़ान भरने से पहले और यात्रा के दौरान कम से कम 10 इनक्रिप्टेड यानी कोड वर्ड में हेल्थ मॉनिटरिंग कोड भेजे थे। उन्होंने शुरुआती जांच पर कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि जांच अधिकारियों ने वास्तविक तकनीकी खराबी या इलेक्ट्रिक फेल्योर की संभावनाओं को खंगालने के बजाय, बहुत ही जल्दबाजी में पूरा ध्यान केवल पायलट की गलती साबित करने पर केंद्रित कर दिया।

कैप्टन रंधावा ने दावा किया कि विमान के एयरक्राफ्ट कम्युनिकेशन एड्रेसिंग एंड रिपोर्टिंग सिस्टम द्वारा भेजे गए इन महत्वपूर्ण संदेशों को शुरुआती जांच रिपोर्ट से गायब कर दिया गया। ये विशेष कोड विमान के उड़ान भरने से महज 15 मिनट पहले और उड़ान के दौरान सिस्टम द्वारा भेजे गए थे। इन कोड संदेशों को केवल विमान निर्माता कंपनी बोइंग ही डिकोड कर सकती है, यहां तक कि एयरलाइन खुद भी इन्हें सीधे नहीं पढ़ सकती। यह अत्याधुनिक सिस्टम दोनों इंजनों की गति, तेल और हाइड्रोलिक प्रेशर सहित सैकड़ों तकनीकी मापदंडों की निगरानी कर रिपोर्ट भेजता है। संगठन ने उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि इस बेहद संवेदनशील डेटा को तुरंत डिकोड कर सार्वजनिक किया जाए, ताकि हादसे की असली वजह सामने आ सके।

जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए संगठन ने पूछा कि हादसे में चमत्कारिक रूप से जीवित बचे एकमात्र यात्री से पूरे 10 महीने तक कोई पूछताछ क्यों नहीं की गई? इसके साथ ही उन्होंने दिवंगत पायलट के 91 वर्षीय बुजुर्ग पिता को जांच के नाम पर प्रताड़ित किए जाने का भी आरोप लगाया। रंधावा के अनुसार, इस विमान में दिल्ली से अहमदाबाद आते समय ही तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी, जहां इसकी स्टेबलाइजर से जुड़ी समस्या के कारण कुछ मोटर बदले गए थे और आनन-फानन में इसे दोबारा उड़ान की हरी झंडी दे दी गई थी। हादसे में बचे एकमात्र यात्री के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि टेकऑफ और लैंडिंग के समय विमान की लाइटें लगातार टिमटिमा रही थीं, जो विमान में किसी बड़े इलेक्ट्रिक फेल्योर का स्पष्ट संकेत था, जिसकी गहन तकनीकी जांच होनी अनिवार्य है।

भारत के दवा बाजार में मई 2026 में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज

क्रॉनिक बीमारियों और नई दवाओं की लॉन्चिंग ने बढ़ाया बाजार

नई दिल्ली।

मई 2026 के दौरान भारतीय दवा बाजार (आईपीएम) ने 12 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए दोहरे अंक की रफ्तार पकड़ी। ब्रोकरेज फर्म एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की एक रिपोर्ट के अनुसार, डायबिटीज, हृदय संबंधी और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की दवाओं की लगातार बढ़ती मांग और नई दवाओं की लॉन्चिंग ने इस बाजार को महत्वपूर्ण सहारा दिया। यह वृद्धि पिछले साल इसी महीने दर्ज की गई 7 फीसदी की तुलना में कहीं बेहतर है, जबकि पिछले 12 महीनों के आधार पर बाजार 11 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक क्रॉनिक रोगों की दवाओं की मांग में 15 फीसदी का उछाल देखा गया, जबकि अल्पकालिक बीमारियों (एक्यूट) की दवाओं की बिक्री 10 फीसदी बढ़ी। दिल की बीमारियों और मधुमेह से जुड़ी दवाएं बाजार की सबसे बड़ी ग्रोथ ड्राइवर रहीं, दोनों सेगमेंट में 15-15 फीसदी की वृद्धि हुई। कीमतों में बढ़ोतरी और बढ़ी खपत ने भी इस ग्रोथ में योगदान दिया। सेमाग्लूटाइड की जेनेरिक दवाओं के प्रवेश को बाजार के लिए गेम चेंजर बताया गया है। इसकी वजह से जीएलपी-1 दवाओं का बाजार एक साल में 100 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 1,500 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो डायबिटीज और वजन घटाने वाली नई पीढ़ी की दवाओं की स्वीकार्यता दर्शाता है। शीर्ष 10 कंपनियों में से ल्यूपिन और इंटास ने लगभग 17 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि टोरेंट फार्मा और सिप्ला ने भी क्रमशः 15 और 14 फीसदी की मजबूत ग्रोथ दर्ज की।

अमेरिका में गेहूं का उत्पादन घटा पर नहीं बढ़ेंगी कीमतें

रूस, तुर्की और यूक्रेन की बंपर फसल ने संभाली दुनिया की मांग

नई दिल्ली ।

दुनिया के गेहूं बाजार में एक दिलचस्प विरोधाभास देखने को मिल रहा है। अमेरिका में उत्पादन में गिरावट के बावजूद, वैश्विक स्तर पर गेहूं की उपलब्धता मजबूत बनी हुई है, जिससे कीमतों में बड़ी तेजी की आशंका कम है। दरअसल, रूस, तुर्की और यूक्रेन जैसे प्रमुख उत्पादक देशों में रिकॉर्ड फसल की उम्मीद है, जो इस संतुलन को बनाए रखेगी। अमेरिका में गेहूं का उत्पादन कम होने के अनुमानों के बावजूद, वैश्विक गेहूं बाजार में स्थिरता बनी हुई है। यूएसडीए के अनुसार, 2026-27 सीजन में अमेरिकी गेहूं उत्पादन घटकर 1.543 अरब बुशल रह सकता है, मुख्य रूप से हार्ड रेड विंटर गेहूं की कमजोर पैदावार के कारण। इससे वहां का गेहूं भंडार भी लगभग 20 फीसदी कम होने का अनुमान है, जो 744 मिलियन बुशल तक गिर सकता है। हालांकि, राहत की बात यह है कि ब्लैक सी क्षेत्र में मौसम किसानों के पक्ष में रहा है। रूस में अब गेहूं उत्पादन 8.8 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जबकि तुर्की में रिकॉर्ड 2.25 करोड़ टन उत्पादन की उम्मीद की जा रही है। यूक्रेन में भी फसल की स्थिति बेहतर हुई है। इन प्रमुख उत्पादक देशों की बंपर पैदावार वैश्विक बाजार को बड़ा सहारा दे रही है, जिससे अमेरिकी कमी की भरपाई हो रही है। भले ही ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान जैसे कुछ देशों में गेहूं उत्पादन कम रहने की उम्मीद है, लेकिन रूस, तुर्की और यूक्रेन की बढ़ी पैदावार इतनी बड़ी है कि इन देशों की कमी को आसानी से पूरा कर सकती है। यूएसडीए का अनुमान है कि दुनिया का कुल गेहूं भंडार बढ़कर 27.54 करोड़ टन रहेगा। यह पर्याप्त वैश्विक आपूर्ति सुनिश्चित करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की कीमतों पर अत्यधिक दबाव की आशंका नहीं है।

रुपया 65 पैसे चढ़कर 95.20 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 60 पैसे टूटकर 95.85 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 65 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.20 पर पहुंच गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ जल्द समझौते के संकेत देने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कमजोर डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी ने भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 95.20 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 65 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को 60 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.85 पर बंद हुआ था।

दो साल की सबसे तेज रफ्तार पर बैंक ऋण वृद्धि जमा पिछड़ी

31 मई को समाप्त पखवाड़े में कर्ज की रफ्तार 17.65 फीसदी रही

नई दिल्ली ।

देश के बैंकिंग सेक्टर में 31 मई को समाप्त हुए पखवाड़े में बैंक ऋण में लगभग दो वर्षों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में सालाना आधार पर बैंक ऋण 17.65 प्रतिशत बढ़कर 215.15 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो अर्थव्यवस्था में लेन-देन की गतिविधियों में लगातार तेजी का स्पष्ट संकेत है। एक साल पहले यह आंकड़ा 182.87 लाख करोड़ रुपये था। हालांकि, इस तेज ऋण वृद्धि के साथ एक चिंताजनक पहलू भी सामने आया है। जमा वृद्धि अपेक्षाकृत सुस्त रही और यह केवल 12.21 प्रतिशत बढ़कर 260.02 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल यह 231.73 लाख करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप, ऋण और जमा वृद्धि के बीच का अंतर बढ़कर 544 आधार अंक हो गया है, जो बैंकों के लिए फंडिंग का दबाव बढ़ा सकता है। पिछले पखवाड़े (15 मई को समाप्त) की तुलना में भी ऋण में 1.55 प्रतिशत या 3.29 लाख करोड़ रुपये की मजबूत वृद्धि हुई, जिससे

यह 211.86 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 215.15 लाख करोड़ रुपये हो गया।

इसी अवधि में जमा में 1.22 प्रतिशत या 3.13 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 256.89 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 260.02 लाख करोड़ रुपये हो गई। ये आंकड़े बैंकिंग प्रणाली में निरंतर मजबूत गतिविधियों की ओर इशारा करते हैं।

टाटा मोटर्स एक जुलाई से यात्री वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सहित अपने यात्री वाहनों की कीमतों में एक जुलाई से 1.5 प्रतिशत तक की वृद्धि करने का फैसला किया है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह मूल्य संशोधन कच्चे माल की बढ़ती लागत और मुद्रास्फीति के निरंतर दबाव के प्रभावों को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए किया जा रहा है। इसमें कहा गया कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स इन लागत वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही है, लेकिन इसका कुछ प्रभाव इस मूल्य समायोजन के जरिये ग्राहकों पर डाला जा रहा है। कंपनी ने कहा कि कीमतों में वृद्धि विभिन्न मॉडल और संस्करणों के लिए अलग-अलग होगी।

भारत के डेटा सेंटर को 2035 तक मिलेगा 280 अरब डॉलर का बूस्ट

नई दिल्ली।

कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग और तेजी से हो रहे डिजिटल बदलावों के बल पर भारत की डेटा सेंटर मूल्य श्रृंखला के साल 2035 तक 280 अरब अमेरिकी डॉलर की संभावित ऑर्डर बुक हासिल करने की उम्मीद है। यह जानकारी एक परामर्श कंपनी ने दी। परामर्श कंपनी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, डेटा सेंटर सुविधाओं के मूल ढांचे के निर्माण में 2035 तक लगभग 71.6 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष निवेश होने का अनुमान है। कंपनी ने बताया कि हालांकि, इससे जुड़े व्यापक परिवेश में इससे कहीं अधिक आर्थिक अवसर उपलब्ध होंगे, जो देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई गति देंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 280 अरब डॉलर के संभावित ऑर्डर अवसर का एक बड़ा हिस्सा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उपकरणों से जुड़े क्षेत्र में होगा। चिप, सर्वर और नेटवर्किंग प्रणालियों जैसे आवश्यक उपकरण कुल पूंजीगत व्यय का 65-75 प्रतिशत हिस्सा बनाएंगे, जिनका अनुमानित मूल्य 180-210 अरब डॉलर है। यह आंकड़ा भारत में डेटा सेंटर उद्योग के तेजी से विस्तार और तकनीकी उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत देता है।

सरकारी बॉन्ड बाजार उछला, विदेशी पूंजी को आकर्षित करने सरकार के बड़े दांव

123.5 लाख करोड़ का हुआ बाजार टैक्स छूट और ग्लोबल इंडेक्स में एंट्री से 25 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत का सरकारी बॉन्ड बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है, जो 8 जून तक लगभग 123.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस विशाल बाजार को और मजबूत बनाने तथा वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के उद्देश्य से सरकार कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। हाल ही में विदेशी निवेशकों को टैक्स छूट देने और फुली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) के तहत बॉन्ड की उपलब्धता बढ़ाने जैसे फैसलों से बाजार में नई जान फूंकने की कोशिश की जा रही है। सरकारी बॉन्ड के सबसे बड़े खरीदार घरेलू संस्थागत निवेशक हैं। दिसंबर 2025 तक, बैंकों की हिस्सेदारी 34.31 फीसदी, बीमा कंपनियों की 25.89 फीसदी और आरबीआई की 14.52 फीसदी थी, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की हिस्सेदारी मात्र 2.96 फीसदी रही। इस स्थिति को बदलने और निवेशक आधार को विविधतापूर्ण बनाने के लिए सरकार सक्रिय है। विदेशी निवेशकों को सरकारी बॉन्ड से होने वाली ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर टैक्स छूट दी गई है, साथ ही एफएआर के तहत अधिक बॉन्ड उपलब्ध कराए गए हैं। भारत अपने सरकारी बॉन्ड को दुनिया के प्रमुख इंडेक्स में शामिल कराने का भी प्रयास कर रहा है। भारतीय बॉन्ड पहले ही जेपी मॉर्गन और एफटीएसई रसेल के इंडेक्स में शामिल हो चुके हैं। अब सरकार ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में जगह बनाने की कोशिश कर रही है, जिससे अनुमान है कि करीब 25 अरब

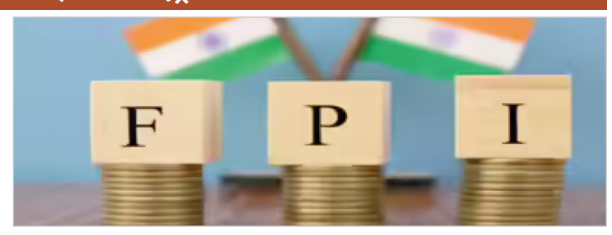

डॉलर (लगभग 2 लाख करोड़ रुपये) का अतिरिक्त विदेशी निवेश आ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने से बाजार में तरलता बढ़ेगी, कीमतों का बेहतर निर्धारण होगा और सरकार की उधारी लागत कम होगी। यह कदम रुपये को स्थिर करने और पूंजी बाजार को मजबूती देने में भी सहायक होगा। सरकार के इन प्रयासों का असर दिखना शुरू हो गया है। क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, एफएआर के तहत एफपीआई की हिस्सेदारी 3 जून से 10 जून के बीच एक सप्ताह में लगभग 8,795 करोड़ रुपये बढ़ी है। हालांकि, विदेशी निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती मुद्रा जोखिम बनी हुई है। रुपये में उतार-चढ़ाव उनके रिटर्न को प्रभावित कर सकता है, जैसा कि हाल ही में डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से देखा गया। इसके बावजूद, सरकार भारतीय बॉन्ड बाजार को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

डिजिटलीकरण के बावजूद सार्वजनिक बैंकों में बंपर भर्तियां, 8 बैंकों ने की रिकॉर्ड भर्ती

कुल कार्यबल 6.28 लाख के पार पहुंचा, एसबीआई ने अकेले 8,905 नियुक्तियां कीं

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने अपने कार्यबल में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। देश के 12 में से आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस अवधि में कुल 13,223 नए कर्मचारियों की नियुक्ति की है, जिससे उनका कुल कार्यबल बढ़कर 6.28 लाख से अधिक हो गया है। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब बैंकिंग क्षेत्र में डिजिटलीकरण और स्वचालन पर जोर दिया जा रहा है, जो बैंकों की विस्तार और ग्राहक सेवा रणनीतियों को दर्शाता है। आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2026 तक इनका कुल कर्मचारी बल 6,28,203 रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 6,14,980 था। इस भर्ती अभियान में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सबसे आगे रहा, जिसने पिछले वित्त वर्ष में 8,905 कर्मचारियों की नियुक्ति की। एसबीआई का कार्यबल अब 2,45,131 हो गया है, और देश के सबसे बड़े बैंक की नियुक्तियों में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। एसबीआई के अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा ने 1,685 और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 1,005 कर्मचारियों को नियुक्त किया। केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक ने भी अपने कार्यबल में वृद्धि की। यह विस्तार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन और मजबूत बही-खाते का परिणाम है, जिससे वे प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन और

शाखा बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में मानव संसाधन बढ़ा रहे हैं। चार अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक ने अभी तक अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी नहीं की है।

हेक्सागन न्यूट्रिशन का शेयर सात प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

हेक्सागन न्यूट्रिशन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 45 रुपये के मुकाबले सात प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 48 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 6.66 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद यह 11.97 प्रतिशत चढ़कर 50.39 रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 48.25 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो 7.22 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 619.38 करोड़ रुपये रहा। हेक्सागन न्यूट्रिशन लिमिटेड के 139 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 53.68 गुना अभिदान मिला था। इसका मूल्य दायरा 42 से 45 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 41.66 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी की स्थापना 1993 में की गई थी। यह पहले माइक्रोन्यूट्रिएंट फॉर्मूलेशन का काम करती थी और बाद में इसने ब्रांडेड न्यूट्रिशन प्रोडक्ट के क्षेत्र में भी अपना कारोबार बढ़ाया।

थोक ग्राहकों की पेट्रोल पंपों से खरीद पर प्रतिबंध, सरकार की नई गाइडलाइन

अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में उछाल और आपूर्ति दबाव के चलते 90 दिनों के लिए लागू हुआ नियम

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की खरीद को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत अब औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत ग्राहकों को सीधे रिटेल पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदने की अनुमति नहीं होगी। यह नियम शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू किया गया है। सरकार ने यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेजी और घरेलू आपूर्ति पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उठाया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं, लेकिन आम उपभोक्ताओं पर बोझ न पड़े इसलिए रिटेल पेट्रोल पंपों पर कीमतें सीमित रखी गईं। वहीं, थोक ग्राहकों के लिए दरें अधिक थीं। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में इस अंतर के चलते कई बड़े उपभोक्ता, जैसे फैक्ट्रियां और टेलीकॉम टावर, सस्ते ईंधन के लिए रिटेल पंपों का रुख कर रहे थे। इससे आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन उपलब्धता बाधित हो रही थी और आपूर्ति तंत्र पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा था। इसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नए आदेश जारी किए गए हैं। अब औद्योगिक

और व्यावसायिक इकाइयों को केवल अधिकृत थोक डीलरों से ही ईंधन खरीदना होगा। इसके अलावा, रिटेल पंपों से किसी भी वाहन या ग्राहक को एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही दिया जा सकेगा। पेट्रोल पंप से खरीदे गए ईंधन की कालाबाजारी या आगे मुनाफे के लिए बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है, उल्लंघन पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। नियमों के पालन के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू की गई है, जिसमें डीएसपी रैंक के अधिकारी व तेल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी जांच कर सकेंगे। सरकार ने राज्यों को भी जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के विशेष निर्देश दिए हैं।

ईयू-भारत एफटीए से जर्मन कंपनियों के लिए खुलेंगे नए रास्ते- हॉलियर

विनिर्माण, आईटी और नवीकरणीय ऊर्जा में अपार संभावनाएं

इंदौर ।

इंदौर में एक साक्षात्कार के दौरान, क्रिस्टोफ हॉलियर ने विश्वास व्यक्त किया कि ईयू-भारत एफटीए के अमल में आने से दोनों देशों के व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे।

उनके अनुसार यह समझौता लगभग सभी क्षेत्रों को लाभ पहुंचाएगा, जिसमें जर्मनी के लिए विनिर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने बताया कि जर्मनी की कंपनियां अब तक आईटी के लिए बेंगलुरु पर केंद्रित थीं, लेकिन अब वे अन्य भारतीय शहरों में भी विस्तार के अवसर तलाश रही हैं। महावाणिज्यदूत ने बताया कि पिछले साल द्विपक्षीय व्यापार में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई और वर्तमान में भारत में लगभग 2,000 जर्मन कंपनियां कार्यरत हैं।

पुणे में मोटर वाहन क्षेत्र के मजबूत होने के कारण जर्मन कंपनियों का सबसे बड़ा समूह है। उन्होंने इंडो-जर्मन ग्रीन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पार्टनरशिप का भी उल्लेख किया, जो नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा परियोजनाओं का आधार है। हॉलियर ने मध्यप्रदेश में जर्मन कंपनियों के लिए विशेष

संभावनाएं देखीं, खासकर नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में राज्य की प्रगति को देखते हुए। हाल ही में मध्यप्रदेश के दौरे पर आए हॉलियर ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की और 10-11 जून को इंदौर एवं पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर आईटी, पर्यटन और औद्योगिक संभावनाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में आईआईएम, आईआईटी और आईआईएसईआर जैसे प्रतिष्ठित भारतीय संस्थान, जर्मनी के अकादमिक संस्थानों के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। हॉलियर ने स्वीकार किया कि पुणे की तुलना में इंदौर क्षेत्र में जर्मन कंपनियों की उपस्थिति अभी काफी कम है, लेकिन उन्होंने इसे भविष्य में निवेश और औद्योगिक सहयोग के बड़े अवसर के रूप में देखा।

सेबी का शेयरों के मूल्य निर्धारण में एकरूपता का प्रस्ताव

कम ट्रेडिंग वाले (अतरल) शेयरों में मूल्य अंतर घटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने कई एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध शेयरों के लिए आधार कीमतें और दैनिक मूल्य दायरा तय करने हेतु एक समान प्रणाली का प्रस्ताव किया है।

इसका उद्देश्य कम ट्रेडिंग वाले (अतरल) शेयरों की कीमतों में मौजूदा बड़े अंतर को कम करना और बाजार में पारदर्शिता व तरलता बढ़ाना है। प्रस्तावित ढांचे के तहत, यदि कोई शेयर एक दिन केवल एक ही एक्सचेंज पर ट्रेड होता है, तो बाकी सभी एक्सचेंज अगले दिन के मूल्य दायरे और प्री-ओपन कॉल ऑक्शन आधार कीमत के लिए उसी एक्सचेंज के बंद भाव का उपयोग करेंगे।

यदि कोई शेयर एक से अधिक, लेकिन सभी एक्सचेंजों पर ट्रेड नहीं होता, तो जिस एक्सचेंज पर ट्रेडिंग नहीं हुई, वे सर्वाधिक ट्रेडिंग वॉल्यूम वाले एक्सचेंज के बंद भाव को अपनाएंगे। जहां सभी एक्सचेंजों पर या किसी पर भी ट्रेडिंग नहीं होती, वहां प्रत्येक एक्सचेंज अपने स्वयं के बंद भाव का उपयोग करेगा।

सेबी ने कहा कि मौजूदा प्रणाली में एक्सचेंजों के अलग-अलग बंद भाव से इलिक्विड शेयरों में कीमतों का बड़ा अंतर आता है, जिससे तरलता घटती है। इस प्रणाली के लिए एक्सचेंजों को डेटा साझाकरण समझौते करने होंगे।

यह प्रस्ताव सेकेंडरी बाजार सलाहकार समिति की अप्रैल की सिफारिशों पर आधारित है।

त्रिपुरा में 30,000 करोड़ से अधिक का निवेश, साहा ने बताया विकास का रोडमैप

राज्य का सकल घरेलू उत्पाद छह वर्षों में दोगुना हुआ

अगरतला ।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में बताया कि राज्य को पिछले वर्ष 30,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं पहले ही धरातल पर उतर चुकी हैं। उन्होंने राज्य के तेज विकास और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। साहा ने कहा कि त्रिपुरा ने पिछले छह वर्षों में अपना सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) दोगुना कर लिया है और यह भारत का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारती एयरटेल जैसी बड़ी कंपनियां पूर्वी भारत को सेवा देने के लिए अगरतला में डेटा सेंटर जैसी रणनीतिक सुविधाएं स्थापित कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने के राज्य के प्रयासों का भी उल्लेख किया। प्रशासनिक कार्यों में मंत्रिमंडल स्तर से लेकर ग्राम पंचायत तक पूर्ण डिजिटलीकरण और कागजरहित व्यवस्था हासिल की गई है। चिकित्सकीय शिक्षा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जहां एमबीबीएस सीटें 225 से बढ़कर

550 और स्नातकोत्तर सीटें 85 से बढ़कर 196 हो गई हैं। पर्यटन क्षेत्र में माता त्रिपुरा सुंदरी पर्यटन सर्किट और बौद्ध सर्किट जैसे विकास कार्यों से महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत-सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है। बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतफसल के रूप में ली जाती है। अंतफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं।

साधारणत: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुडाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्टल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्रण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हें। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार जीती वनडे सीरीज

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत ली। बारिश के कारण खेल ढाई घंटे रुका रहा जिससे डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार बांग्लादेश को जीत के लिए 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला। बांग्लादेश ने 6 ओवर रहते पांच विकेट पर 195 रन बनाकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा और आखिरी मैच रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने बिना कोई रन बनाए ही तीन विकेट गंवा दिए। फिर मार्नस लाबुशेन (नाबाद 55 रन) और जेवियर बार्टलेट (52 रन) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन के स्कोर तक पहुंच सकी। बांग्लादेश ने इसी मैदान पर डकवर्थ लुईस पद्धति से पहला मैच 86 रन से जीता था। टीम ने उस टीम में एकमात्र बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार को अंतिम एकादश में जगह दी। उन्होंने और नजमुल हुसैन शांटो ने 42-42 रन बनाए जबकि तौहीद हृदय 55 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

शांटो और सरकार ने 86 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। 27वें ओवर में बांग्लादेश पांच विकेट पर 144 रन के स्कोर पर लड़खड़ा गया था, लेकिन हृदय और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने नाबाद 51 रन की अटूट साझेदारी करके सीरीज में ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। मैच खत्म होने से ठीक पहले नाथन एलिस की एक गेंद मेहदी के हेलमेट पर लगी जिससे वह घुटनों के बल गिर गए और उन्हें उल्टी हुई। मेहदी ने स्ट्रेचर लेने से इनकार कर दिया और खेलना जारी रखा। लेकिन शांटो ने बताया कि बाद में उन्हें निगरानी के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मैथ्यू शॉर्ट वनडे में लगातार तीसरी बार बिना खाता खोले आउट हो गए। उसके बाद कूपर कोनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर आउट हो गए। वनडे इतिहास में यह केवल चौथी बार था जब किसी टीम ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरुआती तीन विकेट गंवा दिए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 27 रन देकर तीन विकेट और तास्किन अहमद ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। बल्लेबाजी क्रम में सातवें नंबर पर उतरे

लाबुशेन और बार्टलेट ने 103 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। लाबुशेन ने 14 पारियों के बाद अपना पहला वनडे अर्धशतक लगाया। उन्हें तनवीर इस्लाम ने जीवनदान दिया जब उन्होंने महज एक रन बनाया था।

जसपाल राणा की अनकही दास्तां, निशानेबाजी के महानायक के निधन से शोक की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। राणा लंबे समय से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और हाल ही में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एक जून को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच में हृदय की धमनियों में रुकावट पाई गई। हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित विश्व कप प्रतियोगिता से भारतीय दल के साथ लौटते समय भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। उपचार और स्टेंट डाले जाने के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई गई थी, लेकिन बाद में स्वास्थ्य में गिरावट आने से शुक्रवार तड़के उनका निधन हो गया।

जसपाल राणा भारतीय निशानेबाजी के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने देश को विश्व मंच पर पहचान दिलाई। उन्होंने महज 12 वर्ष की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने चार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हुए नौ स्वर्ण सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। वर्ष 1994 के एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके करियर का सबसे यादगार प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में देखने को मिला, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस दौरान उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी।

हालांकि ओलंपिक पदक जीतने का सपना अधूरा रह गया, लेकिन भारतीय निशानेबाजी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद जसपाल राणा ने कोचिंग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्ष 2012 से जूनियर पिस्टल कोच के रूप में उन्होंने कई प्रतिभाशाली निशानेबाजों को तराशा। उनकी देखरेख में सौरभ चौधरी, अनीश भानवाला और चिंकी यादव जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरे। पिछले वर्ष उन्हें 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया था।

भारतीय निशानेबाजी की स्टार खिलाड़ी मनु भाकर की सफलता में भी जसपाल राणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर द्वारा जीते गए दो कांस्य पदकों के पीछे उनके मार्गदर्शन को अहम माना जाता है। मनु उन्हें अपने पिता समान मानती थीं। जसपाल राणा का जाना भारतीय खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

रियान पराग की कंधे की सर्जरी सफल

– घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के उभरते ऑलराउंडर और इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रियान पराग की दाहिने कंधे की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुई इस सर्जरी को देश के प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ परदीवाला ने अंजाम दिया। सफल ऑपरेशन के बावजूद रियान पराग को अब लंबी पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसके कारण उनके घरेलू सत्र 2026-27 के शुरुआती चरण में हिस्सा लेने की संभावना कम दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में रियान पराग का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी नेतृत्व क्षमता से टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन खेल को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें दांबुला में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का उपकप्तान भी नियुक्त किया था। हालांकि श्रृंखला शुरू होने से ठीक पहले उन्हें गंभीर चोट का सामना करना पड़ा। मांसपेशियों और कंधे से जुड़ी समस्या के कारण वह प्रतियोगिता से बाहर हो गए। विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी, जिसे अब सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया गया। सर्जरी के बाद अब रियान पराग की प्राथमिकता पूरी तरह फिट होकर मैदान पर वापसी करना होगी। इसके लिए उन्हें जल्द ही बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजा जाएगा। वहां बोर्ड के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सा टीम की निगरानी में उनका रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम शुरू होगा। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी प्रक्रिया में कुछ महीने लग सकते हैं और इसी कारण आगामी घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों में उनकी उपलब्धता संदिग्ध बनी हुई है। सर्जरी के बाद रियान पराग ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। अस्पताल से साझा की गई तस्वीर के साथ उन्होंने भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और अब वह एक नई चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

वैभव सूर्यवंशी का भारत के लिए डेब्यू खतरे में, आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड और इंग्लैंड के टी20आई दौरे पर सीनियर टीम के लिए संभावित डेब्यू को लेकर चर्चा हो रही है। सूर्यवंशी ने भारत की टी20आई टीम में चुने जाकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है और अभी श्रीलंका में इंडिया ए टीम के साथ ट्राई-नेशन सीरीज में व्यस्त हैं। इस महीने के आखिर में आयरलैंड में उनके सीनियर इंडिया डेब्यू की चर्चा के बीच, वहां चल रही कम्युनिटी अशांति के कारण खतरा पैदा हो गया है।

लिस्बन में होने वाला इंटर-प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल पहले ही रद्द कर दिया गया है जबकि क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा है कि रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों पर फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। अगर स्थिति ठीक नहीं होती है तो आयरलैंड बनाम भारत सीरीज पर भी खतरा मंडरा सकता है। क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा, 'क्रिकेट आयरलैंड उन इलाकों में स्थिति पर नजर रख रहा है जहां अभी कम्युनिटी अशांति है और इस रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में अगले 48 घंटों में फैसला करेगा।'

बयान में आगे कहा गया, 'हम संबंधित अधिकारियों और अपनी प्रोविंशियल यूनियनों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और समर्थकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे जरूरी है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी, अपडेट दिए जाएंगे।' एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भी आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा है। अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो बोर्ड बेलफास्ट से मैच दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला कर सकता है।

गौर हो कि पिछले महीने खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए कुछ धमाकेदार पारियां खेलने के बाद वैभव सूर्यवंशी इंडिया ए के लिए वन-डे क्रिकेट में एक अलग अंदाज में दिखे हैं। गुरुवार को अफगानिस्तान ए के खिलाफ सूर्यवंशी ने आउट होने से पहले 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन एक भी छक्का नहीं लगाया। ढ्ढक्क में जहां 15 साल के इस खिलाड़ी ने ज्यादातर छक्के लगाकर रन बनाए थे, वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ उनका खेल काफी संभला हुआ दिखा, जिससे वे जमीन के सहारे शॉट खेल पाए। सूर्यवंशी की जबरदस्त कोशिश के बावजूद इस मैच में इंडिया ए को अफ़गानिस्तान ए से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप के पहले मैच में ही बना लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच बृहस्पतिवार को यहां खेले गए विश्व कप के उद्घाटन मैच में ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की एक अनोखी घटना देखने को मिली। इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाया गया। यह भले ही विश्व कप का रिकॉर्ड नहीं है लेकिन यह उद्घाटन मैच में लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड है। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने के रिकॉर्ड में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। यह घटना इसलिए भी अनोखी है क्योंकि कतर में 2022 में खेले गए पिछले विश्व कप में पूरे टूर्नामेंट में केवल चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा जवाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को 9 खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा।

विश्व कप 2026 : रैना ने बताई हार्दिक की चिंता, कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं। रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, रैना ने कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में इन दोनों खिलाड़ियों का व्यापक अनुभव, बड़े स्कोर बनाने की क्षमता और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव संभालने का कौशल गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। दोनों ने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और विश्व कप में गिल की कप्तानी में उनकी भूमिका अहम होगी। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने भी भारतीय एकदिवसीय टीम में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के चयन का स्वागत किया है। कुंबले ने कहा कि प्रिंस ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह मौका हासिल किया है। उन्होंने प्रिंस की विभिन्न प्रकार की गेंदों कटर, धीमी गेंद और यॉर्कर की सराहना करते हुए उन्हें हर चरण में गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज बताया। कुंबले ने यह भी रेखांकित किया कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह पक्की करने के लिए लगातार अवसर दिए जाने चाहिए।

14 जून भारतीय महिला टीम करेगी पाकिस्तान के खिलाफ आगाज

- महिला टी20 विश्व कप 2026 के मैचों का पूरा शेड्यूल और प्रसारण समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि वे इन रोमांचक मुकाबलों को किस समय देख पाएंगे। इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के मैचों का समय भारतीय समयानुसार अब स्पष्ट हो गया है, जिससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैचों का आनंद लेने में सुविधा होगी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज शुक्रवार, 12 जून, 2026 से शुरू होकर रविवार, 5 जुलाई, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होगा। उद्घाटन मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम, जो ग्रुप ए का हिस्सा है, अपना पहला मुकाबला रविवार, 14 जून को खेलेगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं।

भारत और इंग्लैंड के स्थानीय समय में लगभग साढ़े चार घंटे का अंतर है। जब इंग्लैंड में शाम के साढ़े छह बजते हैं, तब भारत में रात के ग्यारह बज चुके होते हैं। इसका मतलब है कि कई शुरुआती मुकाबले, जो इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार शाम को 6ः30 बजे शुरू होंगे, भारतीय दर्शकों के लिए रात 11ः00 बजे से लाइव उपलब्ध होंगे। हालांकि, भारतीय प्रशंसकों के लिए एक सुखद खबर यह है कि भारतीय महिला टीम के मैचों का समय भारतीय समयानुसार शाम को रखा गया है। इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार ये मैच दोपहर 2ः30 बजे शुरू होंगे, जिसका अर्थ है कि भारतीय समयानुसार आप इन्हें शाम 7ः00 बजे से देख पाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैच भी स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में ही खेले जाएंगे, ताकि भारतीय दर्शकों को ये मुकाबले शाम 7ः00 बजे से देखने को मिलें। यह ध्यान रखना दिलचस्प होगा कि अगर आप रात 10ः00 बजे भारत में मैच देख रहे हों और आपको स्क्रीन पर धूप दिख रही हो, तो चौंकने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड में दोपहर का समय होगा। प्रशंसकों को इन महत्वपूर्ण तिथियों और समय को अभी से नोट कर लेना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : पीवी सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

सिडनी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को एकतरफा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-6, 21-14 से हराया, यह मुकाबला सिर्फ 27 मिनट तक चला। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का अगला मुकाबला जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा जिन्होंने भारतीय टीनएजर तन्वी शर्मा के शानदार सफर को 32 मिनट में 21-14, 21-14 से हराकर खत्म किया। दिलचस्प बात यह है कि सिंधु का वर्ल्ड नंबर 3 जापानी खिलाड़ी के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 15-13 का है, जिसमें वह थोड़ी आगे हैं। सिंधु ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अपनी बेहतर पहुंच और कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम आसानी से जीता और दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। सेमीफाइनल में पहुंचना सिंधु के लिए एक बड़ी बात है, क्योंकि उनका सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा है और वह ब्ब्क्क्स्न वर्ल्ड टूर पर अपनी लय पाने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही वह दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। इससे पहले सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी इशारानी बरुआ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप 24 जून को रचाएंगे शादी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप जल्द ही अपने जीवन की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकाशदीप अब विवाह बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार वह 24 जून को अपनी मंगेतर अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे। शादी समारोह बिहार के रोहतास जिले में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आकाशदीप की होने वाली पत्नी अक्षिता डेहरी-ऑन-सोन के मानिकपुर गांव की निवासी हैं। दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह संपन्न होगा। शादी को लेकर दोनों परिवारों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और रिश्तेदारों के आने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। विवाह समारोह को पारंपरिक और पारिवारिक माहौल में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सूत्रों के अनुसार शादी से पहले विभिन्न रस्में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। 21 जून को तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 जून को मेहंदी की रस्म होगी। इसके बाद 23 जून को हल्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। 24 जून को आकाशदीप बारात लेकर अक्षिता के घर पहुंचेंगे और विवाह की सभी परंपराओं का पालन करते हुए दोनों जीवनसाथी बनेंगे। आकाशदीप का पैतृक गांव रोहतास जिले का बड्डी गांव है, जहां विवाह से जुड़ी कई रस्में संपन्न की जाएंगी। स्थानीय लोगों में भी इस शादी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आकाशदीप की इस खुशखबरी से उनके प्रशंसकों में भी खुशी का माहौल है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए आकाशदीप ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से कई बड़े बल्लेबाजों को परेशानी में डाला है।

फीफा विश्व कप : मैक्सिको की धमाकेदार शुरुआत, दक्षिण अफ्रीका को से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सह मेजबान मैक्सिको ने अब तक के सबसे बड़े फुटबॉल विश्व कप के उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। इस बार विश्व कप में 48 टीम भाग ले रही हैं और खचाखच भरे एज़्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम पर अपेक्षाओं का दबाव होना स्वाभाविक था। लेकिन उसके खिलाड़ियों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई और दक्षिण अफ्रीका को आसानी से हराकर अपने प्रशंसकों को जमकर जश्न मनाने का मौका दिया।

इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड भी दिखाए गए। जूलियन क्विनोनेस (नौवें मिनट) और राउल जिमेनेज (66वें) ने मैक्सिको के लिए गोल किए, जो कनाडा और अमेरिका के साथ इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी कर रहा है। मैक्सिको के कोच जेवियर अगुइरे ने मैच के बाद कहा, 'मैंने उन्हें यह समझाने की कोशिश की कि विश्व कप और घरेलू मैदान पर पहला मैच खेलने का क्या मतलब होता है। वे युवा हैं और उन्हें खुद इसका अनुभव करना था।'

मैक्सिको चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। इससे पहले उसकी टीम लगातार सात बार अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही लेकिन क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। लेकिन इस साल उम्मीद की किरण है। मैक्सिको अब तक केवल दो बार 1970 और 1986 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है। इन दोनों अवसरों पर वह मेजबान देश था। अगुइरे 1986 की टीम का हिस्सा थे।

मैक्सिको ने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और नौवें मिनट में क्विनोनेस के गोल से बढ़त बना ली। जिमेनेज ने 66वें मिनट में हेडर से दूसरा गोल दागा। यह मैक्सिको के लिए उनका 46वां लेकिन तीन विश्व कप में पहला गोल था। जिमेनेज़ इस गोल से मैक्सिको की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के मामले में जारेड बोर्गेटी के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वह शीर्ष पर काबिज जेवियर हर्नांडेज़ से छह गोल पीछे हैं।

अगुएरे ने कहा, 'हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अगर हम हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना लेते तो किसी को कोई शिकायत नहीं होती। हमने उनसे कहीं बेहतर खेल दिखाया।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा ज़वाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को नौ खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा। इसके बाद मैक्सिको के डिफेंडर सेसार मोंटेस को भी इंजरी टाइम में लाल कार्ड मिला।

विश्व कप टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में पहली बार तीन लाल कार्ड दिखाए गए। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने

के मामले में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। मैक्सिको के अब ग्रुप ए में तीन अंक हो गए हैं और वह अगले गुरुवार को ग्वाडलजारा में दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगा। दक्षिण अफ्रीका उसी दिन अटलांटा में चेक गणराज्य का सामना करेगा।

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

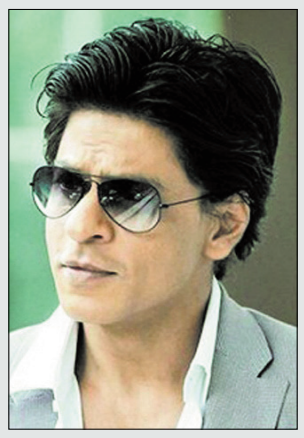

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

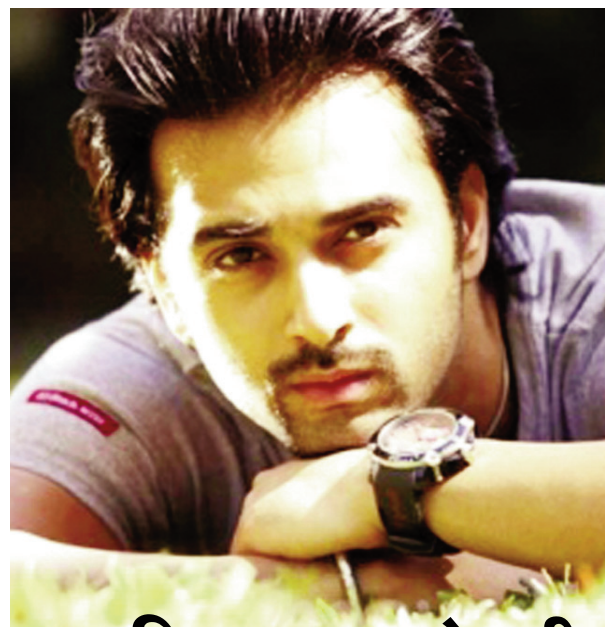

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है।

हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत से विवाद हल करने में तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं : नेपाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को देश की संसद में स्पष्ट किया कि सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता न तो मांगी है और न ही वह इसका समर्थन करती है। यह स्पष्टीकरण 31 मई को प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के बयानों के बाद मचे राजनीतिक हंगामे को शांत करने के लिए दिया गया। पीएम के बयानों की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की थी और उनके इस्तीफे की मांग भी उठी थी। खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सीमा को लेकर चल रहे विवाद पर दोनों देशों का एक संयुक्त कार्य समूह विचार करेगा।

चीनी विदेश मंत्रालय के साथ भारतीय दूत विक्रम की बैठक

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने बुधवार को बीजिंग में चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज के अध्यक्ष यांग वानमिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़ी संस्था है। यह चीन और दूसरे देशों के लोगों के बीच आपसी मेल-जोल पर ध्यान देती है। भारतीय दूतावास की पोस्ट के अनुसार, दोराईस्वामी और यांग ने भारत-चीन के बीच लोगों के आपसी मेल-जोल की पुरानी परंपरा और सांस्कृतिक, शैक्षिक व युवाओं के बीच बातचीत को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

अफगानिस्तान के हेरात में गोली लगने से एक किशोर की मौत

हेरात, एजेंसी। अफगानिस्तान के पश्चिमी शहर हेरात में महिलाओं की कथित गिरफ्तारी के विरोध में हुए प्रदर्शन पर की गई हिंसक कार्रवाई में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के अफगानिस्तान मिशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हेरात इलाके में ड्रेस कोड नियमों के उल्लंघन के आरोप में 30 महिलाओं की गिरफ्तारी की गई थी। इन गिरफ्तारियों के खिलाफ मंगलवार को 100-150 लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान तालिबान पुलिस ने भीड़ पर गोलीबारी की। गोली लगने से कम से कम एक किशोर की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को लाठियों से पीटे जाने की भी रिपोर्ट है। साल 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन है। इसके बाद सरकार ने इस्लामी कानून (शरीयत) की सख्त व्याख्या पर आधारित कई नियम लागू किए हैं। देश में विरोध-प्रदर्शन दुर्लभ हैं और सरकार के खिलाफ असहमति को लगभग बर्दाश्त नहीं किया जाता। महिलाओं और लड़कियों पर कई सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें प्राथमिक शिक्षा के बाद पढ़ाई पर रोक और सार्वजनिक स्थानों पर ड्रेस कोड शामिल है। नियमों के अनुसार महिलाओं को पूर्ण हिजाब—सिर से पैर तक ढका हुआ वस्त्र और चेहरा ढकने वाला नकाब—पहनकर ही बाहर निकलने की अनुमति है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा खुलासा, कहा- ईरान को पता ही नहीं, हमने होर्मुज से निकाल लिए 10 करोड़ बैरल तेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को बड़ा खुलासा किया। ट्रंप ने कहा कि उनके देश ने एक गुप्त सैन्य अभियान के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज़्यादा तेल निकाल लिया है। होर्मुज दुनिया भर में तेल ले जाने का एक अहम रास्ता है और अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे तनाव में एक अहम और संवेदनशील बिंदु है, उसे तेहरान ने 28 फरवरी से बंद कर रखा है। लेकिन बंद होर्मुज से अमेरिका ने 100 मिलियन बैरल तेल निकाल लिया, ये आश्चर्यजनक बात है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक गुप्त मिलिट्री ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा, 'पिछले महीने, मैंने हमारी महान अमेरिकी सेना को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज) से गुज़रने वाले तेल टैंकरों और दूसरे कमर्शियल जहाज़ों की सुरक्षा के लिए एक गुप्त मिशन चलाने का निर्देश दिया था। उन्होंने आगे कहा, 'आज मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस कोशिश के नतीजे में 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज़्यादा तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुज़ारकर खुले बाज़ार तक पहुंचाया है। 200 से ज़्यादा कमर्शियल जहाज़ सुरक्षित रूप से यहां से गुज़रे हैं। यह ज़बरदस्त कामयाबी इसलिए मिली है क्योंकि होर्मुज पर अमेरिका का कंट्रोल है, ईरान का नहीं। उनकी सेना हार चुकी है और उनकी अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। ईरान का खेल खत्म हो चुका है!' ट्रंप ने कहा कि ईरान को इस सीक्रेट मिशन के बारे में पता नहीं था। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने ऑपरेशन के बारे में और जानकारी दी और दावा किया कि कल रात बिना लाइट जलाए 22 जहाज़ निकाले गए और ईरान को इसका पता नहीं चल पाया क्योंकि उनके पास रडार नहीं था। ट्रंप ने कहा, 'मैं आज पहली बार यह बता रहा हूं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर, दावा- प्रदर्शन रोकने के लिए जा रहे थे सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है। मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

आर्मी चीफ मुनीर ने हादसे की जांच का आदेश दिया : सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख

आसिम मुनीर समेत सेना के सभी अधिकारियों और जवानों ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हेलिकॉप्टर हादसे पर शोक जताया। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि पूरा देश इन सैनिकों के बलिदान को सलाम करता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश इन बहादुर सैनिकों की कुर्बानी को हमेशा याद रखेगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ने मृतकों के लिए प्रार्थना की और उनके परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत : पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के में दी गई जानकारी में बताया गया है कि पाकिस्तान आर्मी एविएशन का यह हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबियों के कारण उड़ान भरते समय हादसे का शिकार हो गया। घटना के वक्त हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान मीडिया ने इंटर सर्विसेज पब्लिश रिलेशन के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया गया है कि इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवाल कोई भी जीवित नहीं बचा है। वहीं, पाकिस्तानी आर्मी के ओर जारी बयान में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर किसी तकनीकी खराबी की वजह से गिरा। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू और रिकवरी टीमें मौके पर पहुंच गईं।

हेलीकॉप्टर में कुल 20 लोग थे सवार : बता दें कि यह दर्दनाक घटना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के नीलम वैली में हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पाकिस्तान सेना का यह हेलीकॉप्टर अचानक आसमान से नीचे जमीन पर आ गिरा। नीचे गिरते ही हेलीकॉप्टर आग का गोला बन गई। हेलीकॉप्टर में आग इतनी भीषण थी कि कोई भी बाहर नहीं निकल सका और सभी मौत के मुंह में समा गए। आईएसपीआर की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि हेलीकॉप्टर में कुल कितने सैनिक सवार थे। पीओके में प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान सेना ने हेलिकॉप्टर तैनात किए हुए हैं। खबर यह भी है कि दो दिन पहले भी बलूचिस्तान में एक पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर गिरा था।

पीओके में प्रदर्शन को रोकने सेना तैनात : यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब मुजफ्फराबाद और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त है। हाल के दिनों में वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। इसकी वजह यह थी कि एक विरोध आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था।

चीन के गुआंग्शी में भीषण विस्फोट, 7 लोगों की मौत; ब्लास्ट के बाद पूरे इलाके में मची अफरा-तफरी

गुआंग्शी , एजेंसी। चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित गुआंग्शी क्षेत्र में एक विस्फोट ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस धमाके में अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की इमारतों और वहां मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके के बाद अस्पताल और घटना स्थल पर पीड़ित परिवारों की भारी भीड़ देखी गई। जैसे ही धमाके की गूंज सुनाई दी, पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल पैदा हो गया। स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत व्यापक बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। मलबे और घटना स्थल के आसपास फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल ने घंटों मशक्कत की। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है ताकि आम नागरिकों को किसी और खतरे से बचाया जा सके और जांच प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। प्रारंभिक जांच रिपोर्टों में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह विस्फोट किसी गैस पाइपलाइन से जुड़ा हुआ नहीं था। इस खुलासे ने जांच को एक नई दिशा दे दी है, क्योंकि अब अधिकारी अन्य संभावित कारणों जैसे औद्योगिक लापरवाही या किसी विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की पड़ताल कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ टीमों को काम पर लगा दिया गया है और वे बारीकी से साक्ष्य जुटा रहे हैं। फिलहाल, पूरा ध्यान जांच पूरी करने और विस्फोट की असली वजह का पता लगाने पर केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और आपातकालीन तैयारियों पर बहस छेड़ दी है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

कांगो में इबोला का कहर: संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी 'बुंडीबुग्यो इबोला वायरस' के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है। स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बन रही चुनौती : दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था।

अमेरिका का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला

जवाब में ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया, होर्मुज फिर बंद किया

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार सुबह ईरान के कई ठिकानों पर नए हवाई हमले किए है। यह अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद लगातार दूसरे दिन बड़ा अटैक है। ईरानी मीडिया के मुताबिक केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, मीनाब और सीरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौते की बातचीत में देरी कर रहा है, इसलिए अमेरिका दबाव बनाए रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 49 टॉमहॉक मिसाइलें दागीं और लड़ाकू विमानों से भी हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को सभी जहाजों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे खारिज कर दिया।

जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईं: जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

ईरान का दावा- अमेरिकी रूक्त-9 रीपर ड्रोन मार गिराया: तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी रूक्त-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमला: ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए।

रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील की: मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा।

कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा: कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है। बहरीन में फिर बजे एयर रेड सायरन, लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह अमेरिका-ईरान तनाव के बीच बहरीन में एक बार फिर एयर रेड सायरन बजाए गए हैं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने लोगों से शांत रहने और तुरंत नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। हालांकि सायरन बजाने की वजह या संभावित खतरे के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले, सेना बोली- जवाबी कार्रवाई जारी मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच कुवैत ने कहा है कि उसके खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैती सेना ने बताया कि वह इन हमलों का जवाब दे रही है और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। सेना ने लोगों से शांति बनाए रखने और जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों ने नागरिकों से अनावश्यक आवाजाही से बचने और आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा है।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे

लंदन, एजेंसी। आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। ?आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई। बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया। बेलफास्ट के न्यूटाउनार्ड्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई।

हिंसा की शुरुआत बेलफास्ट में

चाकूबाजी की घटना के बाद हुई। सूडान के एक शरणार्थी का एक आयरिश व्यक्ति से विवाद हो गया था। इसी बीच हादी ने चाकू से उसका गला काटने की कोशिश की थी। हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात का वीडियो वायरल होते ही प्रदर्शन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी घटना का आरोपी हादी अलोदिद सूडान से पेरिस और फिर डबलिन आया था। 2023 में वह बेलफास्ट पहुंचा और शरण मांगी।

प्रवासी विरोधियों परहिंसा भड़काने के आरोप : दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधियों ने सोशल मीडिया पर चाकूबाजी की घटना का वीडियो तेजी से फैलाया। कट्टरपंथी व प्रवासी-विरोधी टॉमी रॉबिनसन ने वीडियो शेयर करते हुए पूरे ब्रिटेन में लोगों से 'सड़कों पर उतरने' की अपील की थी। इसके बाद मास्क पहने हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। बेलफास्ट में नकाबपोशों ने कई घरों को निशाना बनाया है। कुछ जगह 'विदेशियों को निकालो' जैसे नारे भी लगाए। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि लोग सिर्फ प्रवासी होने के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने शाम की नमाज रोक दी। दिग्गज कारोबारी इलॉन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- जोरदार प्रदर्शन से ही बदलाव आएगा। ब्रिटेन की कट्टरपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके ने घटना को प्रवास नीति का नतीजा बताते हुए वीजा प्रतिबंध की अपनी पार्टी की बात दोहराई। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क, रिफॉर्म यूके के चीफ नाइजल फराज व अन्य को हिंसा का जिम्मेदार ठहराया।

'हमारा इलाका छोड़ दो वरना...', ईरानी विदेश मंत्री की अमेरिका को आखिरी चेतावनी; होर्मुज में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर भीषण सैन्य संघर्ष का केंद्र बन गया है। अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी ठिकानों पर की गई हालिया बमबारी के बाद ईरान के तेवर बेहद सख्त नजर आ रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की धमकी या हमले का ईरान की सेनाएं निर्णायक और मुंहतोड़ जवाब देंगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से अराघची ने अमेरिकी कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में हार के बावजूद अमेरिका ने ईरान के संकल्प की परीक्षा लेने का फैसला किया है। अराघची ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो हमारे इलाके से चले जाएं। फारस की खाड़ी का इतिहास घुसपैठ करने वाले बाहरी लोगों के बुरे अंजामों की कई कहानियों से भरा पड़ा है।

होर्मुज की संप्रभुता पर छिड़ी जंग : ईरानी विदेश मंत्री ने होर्मुज की अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट कोई अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र नहीं है, बल्कि यह ईरान और ओमान के बीच बंटा हुआ क्षेत्र है, जो अमेरिका के तटों से हजारों मील दूर स्थित है। अराघची के अनुसार, समुद्री सीमाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं और ईरानी सेनाएं अपने हवाई क्षेत्र, जमीन या जलक्षेत्र के किसी भी उल्लंघन के लिए हमेशा हाई अलर्ट पर रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि क्षेत्र में मौजूद विदेशी सेनाओं को मानवीय गलतियों या अचानक होने वाली गोलीबारी में फंसने का खतरा हमेशा बना रहता है।

की 'सेल्फ-डिफेंस' स्ट्राइक : यह तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी केंद्रीय कमान ने ईरान पर हमलों की पुष्टि की। अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर 9 जून की शाम को यह जवाबी कार्रवाई शुरू की गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि यह हमला पूरी तरह से 'आत्मरक्षा' में किया गया था, क्योंकि एक दिन पहले ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया था। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने सटीक निर्देशित हथियारों का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज के पास स्थित ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों और निगरानी रडार ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है।

बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद : कूटनीति बनाम युद्ध की भाषा संघर्ष के इस दौर में भी ईरान ने बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात कही है, लेकिन साथ ही अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन भी किया है। अराघची ने कहा कि ईरान कूटनीति की भाषा को प्राथमिकता देता है, लेकिन उनके बहादुर योद्धा दुनिया को दिखा चुके हैं कि वे जरूरत पड़ने पर 'दूसरी भाषा' यानी युद्ध की भाषा बोलना भी जानते हैं। फिलहाल खाड़ी क्षेत्र में स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों ओर की सेनाएं किसी भी बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं।

बिल गेट्स का सनसनीखेज खुलासा, कहा- अफेयर को लेकर एपस्टीन ने बनाया था ब्लैकमेलिंग का दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है. बिल गेट्स ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने उनके पुराने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स को लेकर उन्हें ब्लैकमेल किया था. एपस्टीन चाहता था कि दोनों के बीच रिश्ते खत्म होने के बाद गेट्स उससे दोबारा संपर्क शुरू करें.

बिल गेट्स अमेरिकी संसद की 'हाउस ओवरसाइट एंड गवर्नमेंट रिफॉर्म कमेटी' के सामने पेश हुए थे. ये समिति इस बात की जांच कर रही है कि प्रशासन ने एपस्टीन मामले को कैसे संभाला. साथ ही, जांचकर्ता उस रसूखदार नेटवर्क का भी पता लगा रहे हैं जो एपस्टीन के संपर्क में था. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक बिल गेट्स ने माना कि जब वेफिलांथ्रोपी के कामों के सिलसिले में एपस्टीन से मिले थे, तब वो उसके अपराधों की गंभीरता को पूरी तरह नहीं समझ पाए थे. गेट्स ने अपने बयान में कहा, 'इन अफेयर्स का एपस्टीन के साथ मेरी बातचीत से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन ये मेरे परिवार के लिए बेहद दर्दनाक थे. एपस्टीन ने मेरी बेवफाई की जानकारी और उसके ऊपर कई झूठ की परतें चढ़ाकर मुझ पर दोबारा जुड़ने का दबाव बनाने की कोशिश की थी.'

व्यक्तिगत रिश्तों से साफ इनकार : बिल गेट्स ने इस दौरान बताया कि एपस्टीन के साथ उनकी मुलाकातें सिर्फ चैरिटी, वैश्विक स्वास्थ्य और फंड जुटाने को लेकर ही हुई थीं. उन्होंने एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के निजी या दोस्ताना रिश्ते से साफ इनकार किया. गेट्स ने सांसदों को बताया, 'मैं कभी भी उसके द्वीप (आइसलैंड), उसके फार्महाउस (रेंच) या फ्लोरिडा वाले घर पर नहीं गया. मैंने कभी किसी का शोषण नहीं किया है.' उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि उसने निजी संबंध बढ़ाने की कोशिश की हो, लेकिन मेरी कभी ऐसी कोई दिलचस्पी

नहीं थी और न ही मैंने कभी उसकी तरफ हाथ बढ़ाया।

2014 में एपस्टीन से तोड़ दिया था नाता : बिल गेट्स ने बताया कि वो एपस्टीन से 2011 में जुड़े थे. ये वो समय था जब एपस्टीन फ्लोरिडा में वेश्यावृत्ति के आरोप में जेल की सजा काट चुका था. गेट्स ने कहा कि साल 2014 में जब उन्हें समझ आ गया कि एपस्टीन के जरिए चैरिटी के लिए फंड जुटाने की कोशिशें बेकार जा रही हैं, तो उन्होंने सारे नाते तोड़ दिए. गेट्स के मुताबिक, 'उस मोड़ पर मैंने मुझे समझ आया कि एपस्टीन अपने वादे कभी पूरे नहीं करेगा. मैंने उससे कह दिया कि हम अब आगे बात नहीं करेंगे और उससे मिलना-जुलना पूरी तरह बंद कर दिया.' गेट्स ने ये भी बताया कि उन्होंने एपस्टीन को कभी कोई आपराधिक काम करते नहीं देखा।

सांसदों के सवाल- सब जानते हुए भी संपर्क क्यों रखा : संसद की इस द्विदलीय समिति ने बिल गेट्स से तीखे सवाल पूछे. दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने पूछा कि जब एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की बात जगजाहिर थी, तो गेट्स उससे क्यों मिलते रहे? कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने सुनवाई के बाद बताया कि बिल गेट्स ने ये मंजूर किया है कि उन्हें एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की जानकारी थी. वहीं, रिपब्लिकन सांसद टिम बर्चेट ने एपस्टीन को एक फ्रेंड कलेक्टर बताया. बर्चेट ने कहा, 'ये पूरी तरह साफ है कि एपस्टीन बड़े लोगों को इकट्ठा करने का शौकीन था. उसे रसूखदार लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाना और उनके साथ घूमना पसंद था, ताकि वो अपना प्रभाव बढ़ा सके. मुझे लगता है कि इसी तरह उसने लोगों को अपने जाल में फंसाया.' डेमोक्रेटिक सांसद एमिली रैंडल ने कहा कि इस गवाही से ये पता चलता है कि एपस्टीन के साथ उठने-बैठने वाले कई ताकतवर पुरुषों ने जानबूझकर चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज किया और वही देखा जो वो देखना चाहते थे.

पीड़ितों के लिए न्याय की मांग : सुनवाई के दौरान बिल गेट्स ने एपस्टीन के अपराधों का शिकार हुए लोगों को लेकर अपनी संवेदना जाहिर की. उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद करता हूं कि एपस्टीन के अपराधों से बचे लोगों को वो न्याय मिले जिसके वे हकदार हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.